# हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

### कोरबा में सुविधायुक्त ओटी नहीं, मिली पीजी सीट

*कोरबा मेडिकल कालेज में सर्जरी, एनीस्थिसिया की पीजी सीट स्वीकृत हुई है। यहां का प्रैक्टिकल जिला अस्पताल में होता है, जहां एक ऑपरेशन थियेटर मौजूद है जिसकी स्थिति भी अच्छी नहीं है। जानकारों का कहना है कि जिला अस्पताल की ओटी से छात्र छोटी-मोटी सर्जरी सीखकर अपना काम चला सकेंगे। विषय विशेषज्ञ बनने के लिए वहां पर्याप्त संसाधनों की आवश्यकता है जो अब तक उपलब्ध नहीं है।*

### नए पद स्वीकृत, नई भर्ती भी

चिकित्सा शिक्षकों की कमी को दूर करने के लिए पुराने के साथ नए मेडिकल कालेजों में 1009 नए पदों को स्वीकृति दी गई है। पुराने खाली पदों के साथ सृजित नए पदों पर भर्ती कब होगी इसका पता नहीं है। पिछले दिनों सहायक प्राध्यापक के 125 पदों पर भी भर्ती के लिए सीजीपीएससी से प्रक्रिया प्रारंभ की गई है मगर कमी दूर होने में अभी वक्त लगने की संभावना है।

- राज्य में संचालित 10 मेडिकल कालेजों का हाल-बेहाल, पांच नए खोलने की तैयारी भी
- कोरबा कालेज, इंजीनियरिंग तो कांकेर, महासमुंद मेडिकल कालेज नर्सिंग कालेज में संचालित

कोरबा जिला अस्पताल की तस्वीर

# चिकित्सा शिक्षा की तबीयत नासाज, किसी मेडिकल कालेज के पास भवन नहीं, कोई बिना अस्पताल का, कहीं पढ़ाने वाले नहीं

विकास शर्मा ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में लगातार चिकित्सा शिक्षा का विस्तार हो रहा है। हर साल नए मेडिकल कालेज खुल रहे हैं। प्रदेश अभी 10 मेडिकल कालेज हैं। पांच और खोलने की तैयारी चल रही है। हालांकि जिस रफ्तार से कालेज खुल रहे हैं उस गति से सुविधाएं नहीं बढ़ रहीं। हाल यह है कि तीन कालेजों में चिकित्सा की पढ़ाई किराए के भवन में हो रही है और उनके पास ▶▶|शेष पेज 7 पर

हरिभूमि लाइव

### पर्याप्त संसाधन होना जरूरी

चिकित्सा महाविद्यालय के सफल संचालन के लिए पर्याप्त फैकल्टी यानी चिकित्सा शिक्षा होना जरूरी है। विद्यार्थियों के पास पढ़ाई के लिए पर्याप्त उपकरण होना चाहिए। कालेज के पास अपना सुविधायुक्त भवन के साथ अन्य संसाधन और क्लीनिकल मेटेरियल के रूप में मरीज होना आवश्यक है।

डा. विष्णु दत्त, पूर्व डीएमई


आनंद का सच्चा भाव*

18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹92276/-

22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹112700/-

24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹123023/-

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra

*Conditions apply

anand Jewels

Pandri, Raipur



नर्सिंग काउंसलिंग प्रारंभ

बी.एस.सी (N), एम.एस.सी (N)

पोस्ट बेसिक बी.एस.सी (N)

ऑनलाइन चॉइस फिलिंग की तिथि

17-11-25 से 22-11-25 तक

श्री रावतपुरा सरकार ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूशन्स

7222910430/72

श्री रावतपुरा सरकार कॉलेज ऑफ नर्सिंग, रायपुर

7222910473

मदर टेरेसा कॉलेज ऑफ नर्सिंग, कुम्हारी

7222910451

रविशंकर इंस्टिट्यूट ऑफ़ नर्सिंग, नया रायपुर

7222910424


# बस्तर के बाद तेलंगाना में नक्सलियों को झटका 37 ने किया सरेंडर, 1.40 करोड़ के ईनामी

*कुख्यात नक्सली कमांडर माडवी हिड़मा के मारे जाने के बाद नक्सल संगठन को लगातार बड़े झटके लग रहे हैं। सुरक्षा एजेंसियों की सख्त रणनीति और तेजी से चल रहे एंटी नक्सल ऑपरेशनों के बीच जहां एक ओर कई मुठभेड़ हो रहे हैं, वहीं दूसरी ओर संगठन के भीतर आत्मसमर्पण की लहर तेज हो गई है। इस बीच, शनिवार को तेलंगाना में 37 सक्रिय नक्सलियों ने हथियार छोड़कर मुख्यधारा में लौटे।*

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर/कोंटा

शनिवार को 3 राज्य समिति मेंबर समेत 37 हार्डकोर नक्सलियों ने तेलगांना स्टेट के डीजीपी शिवधर के समक्ष हथियार डालकर मुख्यधारा में शामिल हो गए। समर्पण करने वाले नक्सलियों में 3 राज्य समिति मेंबर, 3 डिवीजनल कमेटी सदस्य, 9 एरिया कमेटी मेंबर और 22 पार्टी मेंबर शामिल हैं। इन सभी पर कुल 1,40,05,000 रुपए का इनाम घोषित था। समर्पण करने वालों में हाल ही मे आध्रंप्रदेश में ढेर माड़वी हिड़मा का करीबी एर्रा भी शामिल है।

तेलंगाना में माओवादी संगठन को तगड़ा झटका लगा है जहां पहली बार बड़ी संख्या में शीर्ष नेतृत्व से जुड़े माओवादियों ने एक साथ हथियार ▶▶|शेष पेज 7 पर

### छत्तीसगढ़ के बाद तेलंगाना में नक्सल संगठन को बड़ा झटका

- आत्मसमर्पण करने वालों में 60 लाख के ईनामी तेलगांना व छग के तीन स्टेट कमेटी मेंबर भी शामिल
- तेलंगाना डीजीपी शिवधर के समक्ष 37 माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

### समर्पित नक्सलियों में बस्तर के 23

जिन 37 माओवादियों ने शनिवार को समर्पण कर मुख्यधारा में शामिल हुए इनमें 12 तेलंगाना स्टेट कमेटी से जुड़े थे। जबकि 23 दक्षिण बस्तर डिवीजन कमेटी और 2 पीएलजीए बटालियन नंबर 1 व 2 के सक्रिय मेंबर भी शामिल थे। समर्पण के दौरान राज्य समिति सदस्य व 20 लाख के ईनामी आजाद ने सरेंडर के दौरान कहा कि वह लंबे समय से मुख्यधारा में लौटना चाहते थे। संगठन को ▶▶|शेष पेज 7 पर

### एक बड़ा कदम-आईजी

तेलगांना में करोड़ों के ईनामी शीर्ष नक्सल कैडर के समर्पण पर प्रतिक्रिया देते हुए बस्तर आईजी सुंदरराज पट्टलिंगम ने कहा कि सरकार ने विभिन्न मंचों पर लगातार यह स्पष्ट किया है कि जो भी कैडर हिंसा छोड़कर मुख्यधारा में वापस लौटने का निर्णय लेते हैं। उन्हें पूर्ण सुरक्षा और अपने जीवन को नई आशा और विश्वास के साथ पुनर्निर्मित करने के अवसर और सहयोग प्रदान किए जाएंगे। यह विकास शांति और बेहतर भविष्य की एक सच्ची ▶▶|शेष पेज 7 पर

## नई दुनिया के संपादक सतीश की पुत्री की हादसे में मौत, जगदलपुर में एमबीबीएस की थी छात्रा

*मीडिया जगत में शोक व्याप्त, हरिभूमि के प्रधान संपादक डा. हिमांशु ने शोक जताया*

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

नेशनल हाईवे पर हाईवे ढाबा के करीब तेज रफ्तार ट्रक ने सामने से आ रही बाइक को चपेट में ले लिया। हादसे में बाइक चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि मेडिकल छात्रा आली श्रीवास्तव ने उपचार के दौरान डिमरापाल मेडिकल कॉलेज में दम तोड़ दिया। मेडिकल छात्रा नई दुनिया, रायपुर के संपादक सतीश श्रीवास्तव की पुत्री थी। वह जगदलपुर मेडिकल में एमबीबीएस ▶▶|शेष पेज 7 पर

### आज होगा पीएम

बाइक ट्रक के सामने के हिस्से में फंस गई थी। चालक ने बाइक को अपने साथ घसीटते हुए 100 मीटर आगे ले जाकर रोक दिया। इस दौरान आसपास के लोगों ने दोनों को मेकाज पहुंचाया था। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर चालक को हिरासत में लेकर आगे की जांच कर रही है। दोनों के शव को मेकाज के मरच्यूरी में रखा गया है और परिजनों को ▶▶|शेष पेज 7 पर

# चौधरी के गृह मंत्री बनते ही बिहार में एनकाउंटर

**पटना।** बिहार में नई सरकार के गठन होने के साथ ही पुलिस बदमाशों के खिलाफ एक्शन मोड में आ गई है। बेगूसराय जिले में हथियार तस्करी के कई मामलों में वांछित अपराधी को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई के दौरान आरोपी शिवदत्त राय के पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया। एक खुफिया सूचना के आधार पर विशेष कार्य बल और जिला पुलिस की संयुक्त टीम शुक्रवार शाम साहेबपुर कमाल क्षेत्र में राय की तलाश में पहुंची। पुलिस को देखते ही राय ने गोली चलाते हुए भागने की कोशिश की।

### पिस्तौल और नकद बरामद

पुलिस ने शालिग्राम इलाके में छापेमारी कर एक "मिनी-गन फैक्टरी" का भी पता लगाया। पुलिस के अनुसार, आरोपी के पास से सात देसी पिस्तौल, मैगजीन और 3.7 लाख रुपए बरामद किए गए हैं।

### पुलिस को देखते ही भागने लगे 6 बदमाश

एसटीएफ और स्थानीय थाना की पुलिस इनपुट वाले जगह पर पहुंची, तो दो बाइक पर सवार 6 बदमाश पुलिस को देखते ही गोली चलाने लगे। आत्मरक्षा में पुलिस ने गोली चलाई तो एक गोली शिवदत्त राय की जांघ में लगी तो वह गिर गया। जबकि, अन्य अपराधी अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गए।

### खाई में गिरने से सेना के जेसीओ की मौत

**मेंढर/जम्मू।** जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले में सेना के एक 'जूनियर कमीशन्ड अधिकारी' की गलती से फिसलकर गहरी खाई गिर जाने से मौत हो गई। सूबेदार शुक्रवार शाम को बेहरामगल्ला के सेरी मस्तान इलाके में एक तलाश अभियान दल का नेतृत्व कर रहे थे। तभी एक खड़ी ढलान पर चढ़ते समय उनका संतुलन बिगड़ गया और वह खाई में गिर गए। सेना के जवानों ने राहत अभियान शुरू किया और जेसीओ को मृत पाया।

### ट्रक के टक्कर से बाइक सवार तीन की मौत

**अमेठी।** अमेठी जिले के गांव थौरा के पास एक ट्रक की टक्कर से बाइक सवार तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। यह घटना अमेठी कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत हुई। मृतकों की पहचान महाराजपुर निवासी उत्कर्ष सिंह (32), बजरंग सिंह (25) और अंशु सिंह (29) हारीपुर के रुप में हुई है। तीनों युवक मोटरसाइकिल (बुलेट) से वापस घर लौट रहे थे, तभी थौरा गांव के पास तेज गति से सामने से आ रहे ट्रक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी।

### 4.79 करोड़ का मादक पदार्थ जब्त, चार गिरफ्तार

**आइजोल।** मिजोरम के आइजोल जिले में शनिवार को 4.79 करोड़ रुपये मूल्य की प्रतिबंधित 'मेथ' गोलियां और हेरोइन जब्त की गई। इस बरामदगी के सिलसिले में म्यांमा के दो नागरिकों समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। संयुक्त टीम ने आइजोल में एक घर से 5.89 किलोग्राम 'मेथामफेटामाइन' गोलियां और 41 ग्राम हेरोइन जब्त की।

# साइंस कालेज में हिंदी के 300 छात्रों की उपस्थिति जीरो, फिर भी परीक्षा में बैठने की अनुमति

ऑटोनॉमस मतलब मेरी मर्जी। ऐसी ही हालत साइंस कॉलेज की हो गई है। हाल यह है कि बीएससी फर्स्ट सेमेस्टर हिंदी के 300 छात्रों की क्लास एक भी दिन नहीं लगी और अब इन्हें परीक्षा में बैठने की अनुमति दी जा रही है।

**बिलासपुर।** नियमानुसार 75% की उपस्थिति इसके लिए जरूरी है लेकिन इसको भी नजरअंदाज किया जा रहा है। इसमें कालेज प्रबंधन पर पैसे लेने और चहेतों को लाभ पहुंचाने के आरोप लग रहे हैं। सबसे बड़ी बात की जिस अटल यूनिवर्सिटी से यह कॉलेज संबंद है उसके आला अधिकारियों ने भी इस मामले से हाथ खींच लिए हैं। सीपत रोड स्थित साइंस कॉलेज में बीएससी फर्स्ट सेमेस्टर में 300 बच्चों ने हिंदी विषय का चयन करते हुए एडमिशन लिया है। यह बच्चे गणित और विज्ञान समूह दोनों के हैं। दरअसल नई शिक्षा नीति के तहत कोई भी छात्र एक सामान्य विषय के तौर पर हिंदी या अंग्रेजी का चयन कर सकता है।

### परीक्षा 25 से और अब एक्स्ट्रा क्लास लगाने की कह रहे बात

साइंस कालेज प्रबंधन ने बकायदा परीक्षा समय सारिणी भी जारी कर दी है। इसमें सोमवार 25 नवंबर से पेपर लिए जाने हैं। अब जब छात्रों ने शिकायत की है तो कालेज प्रबंधन एक्स्ट्रा क्लास लेकर उपस्थिति को बढ़ाने की बात कर रहा है। इससे पहले हिंदी विभाग की ओर से भी प्राचार्य को पत्र लिखा गया था लेकिन सुनवाई नहीं हुई थी। विभाग के मुताबिक छात्र की सेमेस्टर परीक्षा के दौरान आयोजित कुल कक्षाओं (व्याख्यान, प्रायोगिक/ट्यूटोरियल आदि सहित) में न्यूनतम 75% उपस्थिति अनिवार्य है। जो कि एक भी छात्र का नहीं है।

### सीधे हस्तक्षेप नहीं कर सकते

इस बारे में शिकायत मिली थी लेकिन अटल यूनिवर्सिटी की ओर से सीधे हस्तक्षेप नहीं किया जा सकता क्योंकि साइंस कालेज आटोनामस है। कालेज के प्राचार्य, परीक्षा विभाग के प्रभारी और हिंदी विभाग के शिक्षकों को मिलकर समस्या का समाधान निकालने कहा गया है। छात्रों को परीक्षा से बाहर करना ठीक नहीं होगा। एक्स्ट्रा क्लासेस लेकर उपस्थिति और पढ़ाई दोनों कराई जा सकती है।

- **तारणीश गौतम,** रजिस्ट्रार, अटल यूनिवर्सिटी

### 300 बच्चों की पढ़ाई के लिए एक कमरा

इसके साथ ही यूजीसी एवं शासन के मापदण्ड पर नजर डालें तो एक कक्षा में अधिकतम 60 बच्चों की पढ़ाई एक साथ कराई जा सकती है। साइंस कालेज में लेकिन इसका बिलकुल ध्यान नहीं रखा गया है। दो सेमेस्टर की पढ़ाई निकल चुकी है और अभी तक 300 बच्चों के क्लासेस का विभाजन नहीं किया गया है। इसलिए शिक्षकों ने भी पढ़ाने से इंकार कर दिया है। हिंदी विभाग की एक शिक्षिका ने क्लास विभाजन और कम से कम चार वर्ग बनाने की मांग करते हुए प्राचार्य को कई बार पत्र लिखा लेकिन इस पर भी ध्यान नहीं दिया।

**विज्ञान के पदों पर कामर्स और कला संकाय के चहेते उम्मीदवारों को पात्र बताकर नौकरी**

# सहायक शिक्षक भर्ती में गड़बड़ी, डीपीआई के कार्रवाई के आदेश, इधर बचाने का खेल जारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

सहायक शिक्षकों की भर्ती में गड़बड़ी के मामले में एक और बड़ा खुलासा हुआ है। इस भर्ती में दस्तावेजों की जांच का जिम्मा चार अधिकारियों सुशील पटेल, लता यादव, डा मीरा सिंह और आभा जैन को दिया गया था। इन्होंने जानबूझकर दस्तावेजों की अनदेखी की और विज्ञान के पदों पर कामर्स और कला संकाय के चहेते उम्मीदवारों को पात्र बता दिया। अब लोक शिक्षण संचालनालय की ओर से कार्रवाई के आदेश जिला शिक्षा अधिकारी को जारी कर दिए गए हैं। इसके साथ ही जो 12 अपात्र उम्मीदवार थे, उन्हें भी पात्र बताया गया है। उसकी भी जांच शुरू कर दी गई है। गौरतलब है कि जिले में संविदा शिक्षक के पदों पर भर्ती जुलाई 2025 में निकाली गई थी। इसमें कुल 191 पद थे। इसमें सहायक शिक्षक के 55 पद थे। इसमें 400 लोगों की अंतिम मेरिट सूची जारी की गई थी। प्रमाण पत्रों के सत्यापन के लिए बाद में 275 लोगों को बुलाया गया था। इसमें गड़बड़ी की शिकायत मस्तूरी निवासी कामिनी कौशिक पिता दिलीप कुमार कौशिक ने की थी।

### डिप्टी सीएम से शिकायत के बाद हरकत में अधिकारी

गड़बड़ी का आलम यह रहा कि अधिकारियों ने विज्ञान विषय में गोल्ड मैडलिस्ट को भी बाहर कर दिया। इस बारे में सीधे डिप्टी सीएम से शिकायत की गई थी। डिप्टी सीएम अरुण साव ने कलेक्टर बिलासपुर को जांच करने कहा था। दरअसल बसना निवासी नरेन्द्र साहू ने अपनी पुत्री का चयन नहीं होने पर सवाल उठाया था। संविदा शिक्षक के लिए अंतिम मेरिट सूची में उनकी पुत्री पूजा साहू का नाम 29 वें नंबर पर है। आगे-पीछे और कम अंकों वाले 5 उम्मीदवारों को नियुक्ति प्रदान की गई जबकि पूजा साहू को कोई सूचना ही नहीं दी गई। जांच में यह शिकायत भी सही पाई गई। जांच रिपोर्ट हरिभूमि के पास है जिसमें अपात्रों को नौकरी देने की बात लिखी है।

### प्रक्रिया की जानकारी ले रहे

यह सही है कि वांछनीय योग्यता मान्यता प्राप्त बोर्ड से हायर सेकण्डरी परीक्षा विज्ञान संकाय से उत्तीर्ण एवं डी.एड. / डी.एल.एड परीक्षा उत्तीर्ण होना प्रथम अनिवार्य शर्त थी। जांच रिपोर्ट के आधार पर पूरी भर्ती प्रक्रिया की जानकारी ली जा रही है। कलेक्टर के पास फाइल भेज दी गई है।

**विजय तांडे,** जिला शिक्षा अधिकारी

### दस्तावेजों की जांच करने वाले अधिकारियों की भी होगी जांच

दस्तावेजों के आधार पर कार्रवाई के निर्देश जिला शिक्षा अधिकारियों को दे दिए गए हैं। दस्तावेजों की जांच का जिम्मा जिन चार अधिकारियों को दिया गया था, उनके खिलाफ भी जांच होगी।

- **संजय अग्रवाल,** कलेक्टर

### प्रथम पात्रता की श्रेणी में ही नहीं आते

जांच रिपोर्ट में लिखा है कि चयनित अभ्यर्थी श्रद्धा परगनिहा पिता संतोष परगनिहा मुख्य चयन सूची में अन्य पि.व.क्र. 08. और मेंहदी देवांगन, पिता अनिल कुमार देवांगन मुख्य चयन सूची में अन्य पि.व.क्र. 09 के द्वारा प्रस्तुत हायर सेक स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा के अंकसूची का अवलोकन करने पर कामर्स (वाणिज्य) से उत्तीर्ण होना पाया गया। दस्तावेज सत्यापन पर परीक्षण सूची में मेरिट क्र. 48 और 51 में क्रमशः श्रद्धा परगनिहा एवं मेंहदी देवांगन को पात्र बताया गया है और यह भी त्रुटिपूर्ण है क्योंकि संबंधित दोनों अभ्यर्थी वांछित योग्यता के प्रथम शर्त के पालन में ही पात्रता के श्रेणी में नहीं आते हैं। सहा. शिक्षक (अन्य पि. वर्ग) के सरल क्र. 08 एवं 09 में क्रमशः श्रद्धा परगनिहा एवं मेंहदी देवांगन को चयनित किया गया है जो कि त्रुटिपूर्ण है।

## भले ही यह साबित हो गया हो कि अपराध घटित हुआ है, लेकिन यह नहीं कि अपराध अपीलकर्ता ने ही किया

**बिलासपुर।** छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने पॉक्सो (पास्को) एक्ट के तहत उम्रकैद की सजा पाए एक दोषी को बरी कर दिया है। कोर्ट ने अपने फैसले में स्पष्ट किया कि पुलिस द्वारा पहचान परेड की प्रक्रिया में भारी खामियां थीं और अभियोजन पक्ष आरोपी को

अपराध से जोड़ने वाली परिस्थितियों की कड़ी साबित करने में विफल रहा। मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति विभु दत्त गुरु की खंडपीठ ने निचली अदालत के फैसले को रद्द करते हुए कहा कि भले ही यह साबित हो गया हो कि अपराध घटित हुआ है, लेकिन यह साबित नहीं हो सका कि अपराध अपीलकर्ता ने ही किया है। प्रसेन कुमार भार्गव द्वारा दायर की गई थी। जिसे बलौदाबाजार की विशेष अदालत ने 8 जुलाई 2022 को आईपीसी की धारा 450, 363,506-II और पॉक्सो एक्ट की धारा 6 के तहत दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

### मेडिकल रिपोर्ट अपराधी की पहचान नहीं करती

अपीलकर्ता के अधिवक्ता, तर्क दिया कि पूरी जांच प्रक्रिया दोषपूर्ण थी। पीड़िता आरोपी को पहले से नहीं जानती थी, लेकिन औपचारिक पहचान परेड से पहले ही आरोपी को थाने में पीड़िता और गवाहों को दिखा दिया गया था। इसके अलावा पहचान परेड जेल के बजाय सिंचाई विभाग के रेस्ट हाउस में आयोजित की गई थी, जो नियमों का उल्लंघन है। बचाव पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला देते हुए कहा कि अगर परेड से पहले आरोपी को गवाह को दिखा दिया जाए, तो पहचान का कोई महत्व नहीं रह जाता। राज्य की ओर से निचली अदालत के फैसले का बचाव करते हुए कहा कि नाबालिग पीड़िता का बयान स्वाभाविक व विश्वसनीय है।

## 10वीं, 12वीं बोर्ड परीक्षा फरवरी की जगह मार्च में हो

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल के पूर्व सदस्य एवं शिक्षाविद संजय जोशी ने 20 फरवरी से 10वीं, 12वीं बोर्ड परीक्षा प्रारंभ करने का कड़ा विरोध किया है। उन्होंने इसे बोर्ड का तुगलकी फरमान कहा है। उन्होंने छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल से अपने निर्णय पर पुनर्विचार कर बोर्ड परीक्षाएं 1 मार्च से प्रारंभ करने की मांग की है। श्री जोशी ने कहा कि छत्तीसगढ़ में शैक्षणिक सत्र 16 जून से प्रारंभ होता है उसके अनुसार बोर्ड परीक्षाएं 1 मार्च से प्रारंभ होती रही है। शैक्षणिक कैलेंडर के पालन की यह एक आदर्श स्थिति थी। किंतु इस वर्ष शैक्षणिक सत्र के प्रारंभ में बोर्ड द्वारा बिना कोई पूर्व सूचना के एवं जब सत्र समाप्ति के मात्र चंद माह ही शेष है तब कल अचानक 20 फरवरी से बोर्ड परीक्षाओं के प्रारंभ की घोषणा ने समस्त शैक्षणिक जगत को स्तब्ध कर दिया है। बोर्ड परीक्षा के इस आकस्मिक घोषणा से छत्तीसगढ़ के समस्त विद्यार्थी,शिक्षक,पालक अचंभित हैं एवं तनाव की स्तिथि में आ गए है।

- पहले परीक्षा होने से छात्र पालक शिक्षक सभी चिंतित : जोशी

संजय जोशी ने कहा कि सीबीएसई की बोर्ड परीक्षाएं फरवरी में इसीलिए प्रारंभ होती है क्योंकि उनका सत्र 1 अप्रैल से प्रारंभ होता है किंतु सीजी बोर्ड के स्कूल 16 जून से प्रारंभ होता है, तब उस स्थिति में फरवरी माह में बोर्ड की परीक्षाएं कैसे संभव है? बोर्ड के अधिकारी अपनी सुविधा को ध्यान रख छात्रहित को तिलांजलि दे रहे हैं।

## इंजीनियर ने की खुदकुशी युवती के खिलाफ जुर्म दर्ज

**बिलासपुर।** 27 सितंबर को शाम 7.30 बजे अग्रसेन चौक साकेत अपार्टमेंट निवासी इंजीनियर गौरव सवन्नी 30 साल घर में किसी को बिना बताए निकल गए थे। देर रात उन्होंने उसलापुर रेलवे लाइन में ट्रेन से कटकर आत्महत्या कर ली थी। दूसरे दिन पुलिस को घर के रूम से पर्स में रखा इंग्लिश में लिखा एक पेज का सुसाइड नोट मिला था। सुसाइड नोट में लिखा था प्रियंका सिंह सिर्फ तुम ही मेरी मौत का कारण हो। पुलिस ने युवती के खिलाफ जुर्म दर्ज कर लिया है।

रायपुर
रविवार, 23 नवंबर 2025
अगहन शुक्ल पक्ष तृतीया
वर्ष : 24, अंक : 125
पृष्ठ : 12+4+4 =20 मूल्य : 5.00**

**मौसम**
अधि. 30.5
न्यून. 15.8

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com



3 बनीं थीं पहली ग्लोबल एंबेसेडर

विचार पेज
प्रदूषण पर लगाम की कारगर नीति बने

## पीएम मोदी की अगुवाई में अफ्रीका जी-20 ने बदल दिए दुनिया के नियम

# जी-20 की टूटी परंपरा, अमेरिका का बायकॉट फिर भी प्रस्ताव पास

**दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में आयोजित जी20 शिखर सम्मेलन में शामिल देशों ने जलवायु परिवर्तन पर एक ऐतिहासिक घोषणापत्र पारित किया है। पीएम मोदी की अगुवाई में अफ्रीका जी-20 ने दुनिया के नियम बदल दिए। जी20 देशों के समूह की ओर से घोषणापत्र पर अमेरिका के विरोध और बहिष्कार के बाद बावजूद सर्वसम्मति से सहमति बनी है।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

इतिहास गवाह है कि सदियों से दुनिया के नियम चंद अमीर देश तय करते आए हैं, लेकिन 22 और 23 नवंबर 2025 को जोहान्सबर्ग में जो हुआ, उसने पुरानी विश्व व्यवस्था की नींव हिला दी है। अमेरिका और यूरोप के कुछ देशों की दादागिरी और अब नहीं चलेगी। पहली बार अफ्रीका की धरती पर जी-20 का शिखर सम्मेलन हुआ। यह महज एक बैठक नहीं थी। यह ग्लोबल साउथ का शक्ति प्रदर्शन था। जी20 समूह की ओर से उठाए गए इस कदम को परंपरा के हटकर बताया जा रहा है, क्योंकि जी20 में शामिल दुनिया भर के नेताओं ने जलवायु परिवर्तन को लेकर अमेरिका की अनुपस्थिति ▶▶|शेष पेज 7 पर



### मेलोनी से की मुलाकात सिल्वा को लगाया गले

पीएम मोदी ने जी 20 समिट में इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी और दुनियाभर के नेताओं से मुलाकात की। इस दौरान ब्राजीली राष्ट्रपति लूला डि सिल्वा को उन्होंने गले लगा लिया। मोदी ने शनिवार को ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर और संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस से मुलाकात की।

### अफ्रीका में पहला जी20 शिखर सम्मेलन

अफ्रीका में आयोजित पहला जी20 शिखर सम्मेलन दुनिया के सबसे गरीब देशों को प्रभावित करने वाली लंबे समय से जारी कुछ समस्याओं के समाधान की दिशा में आगे बढ़ने के महत्वाकांक्षी एजेंडा के साथ शनिवार को शुरू हुआ। दुनिया की सबसे समृद्ध एवं प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं के नेता और शीर्ष सरकारी अधिकारी दक्षिण अफ्रीका के प्रसिद्ध सोवेटो कस्बे के पास स्थित एक प्रदर्शनी केंद्र में एकत्र हुए, ताकि वे मेजबान देश द्वारा निर्धारित प्राथमिकताओं को लेकर किसी सहमति पर पहुंचने की कोशिश कर सकें। इन प्राथमिकताओं में बढ़ती वैश्विक असमानता को कम करने के उपायों के तहत जलवायु-संबंधी आपदाओं से उबरने के लिए गरीब देशों को अधिक सहायता देना शामिल है।

**पीएम मोदी बोले**

### आतंकवाद को खत्म करने रोकनी पड़ेगी फेंटेनिल की तस्करी

अमेरिकी टैरिफ की वजह से दुनिया में मची हुई आर्थिक अस्थिरता और जटिल संघर्षों के दौर में शनिवार को दक्षिण-अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में जी-20 शिखर सम्मेलन का आयोजन किया गया। भारत की तरफ से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसमें शिरकत की और पहले उद्घाटन सत्र में ही नई दिल्ली के 'वसुधैव कुटुंबकम और एक पृथ्वी, एक परिवार और एक भविष्य' के व्यापक दृष्टिकोण के तहत चार महत्वपूर्ण प्रस्ताव रखें। आतंकवाद का मुद्दा भी इसमें शामिल है। जिसे लेकर प्रधानमंत्री ने खासतौर पर फेंटेनिल मादक पदार्थ का उल्लेख करते हुए इसकी तस्करी पर समूह देशों से तत्काल प्रभाव से रोक लगानी चाहिए। साथ की इस संबंध में समस्या के निदान स्वरूप मादक पदार्थों से जुड़े आतंकवाद के गठजोड़ के संबंध में जी-20 के ▶▶|शेष पेज 7 पर

# नशेड़ी ने पत्नी की हत्या कर कुएं में फेंकी लाश

- ऊपर से भर दिया पुआल, फरार आरोपी की तलाश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिहारपुर

सूरजपुर जिले में पत्नी की कहासुनी से नाराज नशेड़ी पति ने डंडे व सिलबट्टे से हमला कर बेहरमीपूर्वक पत्नी की हत्या कर दी। साक्ष्य को छिपाने के लिए मृतका की लाश को पास के कुएं में फेंक दिया। आरोपी पति ने लाश के ऊपर पुआल डाल दिया ताकि किसी की नजर ना बड़े। छोटे बेटे की सूचना पर मृतिका की लाश को कुएं से बरामद हो गई। घटना के बाद आरोपी पति फरार हो गया है।

सूरजपुर जिले के दूरस्थ चांदनी-बिहारपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम नवाटोला माझापारा निवासी अशोक राजक आदतन नशेड़ी है। नशे में वह आए दिन अपनी पत्नी देव कुमारी के साथ विवाद और मारपीट करता था। बीती रात वह शराब के नशे में घर पहुंचा तथा पत्नी देव कुमारी से किसी बात को लेकर विवाद करने लगा। ▶▶|शेष पेज 7 पर

### आरोपी की तलाश

सूचना पर पहुंची पुलिस एवं एफएसएल की टीम की मौजूदगी में लाश को बाहर निकाला गया। पुलिस व एफएसएल की टीम घटना की जांच कर रही है। थाना प्रभारी प्रदीप सिदार ने बताया कि मामले की जांच चल रही है और आरोपी की तलाश जारी है।

## जांच में जुटे 200 पुलिस कर्मी

# सात करोड़ की डकैती, पुलिस कांस्टेबल समेत 3 गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरू

बेंगलुरू पुलिस ने शहर में हाल ही में हुई सात करोड़ रुपए की लूट का खुलासा कर दिया है। एक पुलिस कांस्टेबल समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। साथ ही पुलिस ने लूटे गए सात करोड़ में से करीब पांच करोड़ रुपए भी बरामद कर लिए हैं। अब पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर लूट में शामिल अन्य संदिग्धों की तलाश में जुटी है।

### 5 करोड़ से ज्यादा की रकम बरामद

बेंगलुरु पुलिस आयुक्त सीमांत कुमार सिंह ने मीडिया से बातचीत में बताया कि अब तक 5.76 करोड़ रुपए बरामद किए गए हैं। बाकी रकम का पता लगाने की कोशिश की जा रही है। सिंह ने कहा, 'हमने ग्यारह टीमें बनाई थीं और इस काम के लिए 200 पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को लगाया था। 30 से ज्यादा लोगों से पूछताछ की गई और तीन को गिरफ्तार किया गया है।

## खबर संक्षेप

### मिलावटी घी से बने 20 करोड़ लड्डू

**चेन्नई।** तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम के प्रसाद में मिलावट मामले में शनिवार को नया खुलासा हुआ। स्पेशल इन्वेस्टिगेंशन टीम ने बताया कि टीटीडी ट्रस्ट बोर्ड के चेयरमैन बीआर नायडू ने कबूला है कि साल 2019 से 2024 के बीच 48.76 करोड़ लड्डू बनाए गए। टीटीडी के मुताबिक यह अनुमान रोजाना दर्शनार्थियों की संख्या, खरीद के रिकॉर्ड, बनाने और सप्लाई के आंकड़ों को मिलाकर निकाला गया है। एसआईटी ने चेयरमैन बीआर नायडू से आज करीब आठ घंटे पूछताछ की।

*शीतकालीन सत्र में सरकार लाएगी 10 नए बिल*

# परमाणु क्षेत्र में निजी कंपनियों के प्रवेश का खुलेगा रास्ता!

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

संसद का शीतकालीन सत्र 1 दिसंबर से शुरू होने जा रहा है और सरकार इस बार 10 नए विधेयक (बिल) पेश करने की तैयारी में है। इनमें सबसे महत्वपूर्ण है 'परमाणु ऊर्जा विधेयक, 2025', जो देश के नागरिक परमाणु क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोलने का रास्ता बनाएगा। अब तक यह क्षेत्र पूरी तरह सरकारी नियंत्रण में रहा है। सरकार मध्यस्थता और सुलह अधिनियम में भी बदलाव लाने पर विचार कर रही है। ज्यादा स्पष्टता के लिए एक समिति को इसकी समीक्षा का काम दिया गया है।



नेशनल हाईवेज (संशोधन) बिल, कॉरपोरेट लॉज (संशोधन) बिल, 2025 और सिक्योरिटीज मार्केट्स कोड (एसएमसी) बिल, 2025 पेश करने की तैयारी है। इसके अलावा कुछ और बिल पेश किए जा सकते हैं।

### उच्च शिक्षा में बड़े बदलाव का प्रस्ताव

सत्र के एजेंडे में हायर एजुकेशन कमीशन ऑफ इंडिया बिल भी शामिल है। लोकसभा के बुलेटिन के मुताबिक यह बिल ऐसे आयोग की स्थापना करेगा, जो विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थानों को अधिक स्वायत्तता दे, उन्हें स्वतंत्र और स्वयं-शासित संस्थान बनने में मदद करे और मान्यता की प्रक्रिया को पारदर्शी और मजबूत बनाए। यह प्रस्ताव काफी समय से सरकार की योजना में रहा है और अब इसे आगे बढ़ाया जा रहा है।

## निर्वाचन का दावा अब तक 99 प्रतिशत फार्म प्रदेश में वितरित

# दावा: 99 फीसदी वोटरों को बांटे एसआरआई फार्म, हकीकत: लोग कह रहे मिला ही नहीं

**खास खबर**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य जारी है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी का दावा है कि प्रदेशभर में पंजीकृत मतदाताओं को गणना प्रपत्र का वितरण लगभग पूर्ण हो चुका है। निर्वाचन के दावे के बीच बहुत से मतदाताओं के पास गणना पत्रक अब तक नहीं पहुंच पाए हैं। बीएलओ ▶▶|शेष पेज 7 पर

**सीईओ छत्तीसगढ़ की वेबसाइट में बीएलओ डिटेल्स और नंबर देख सकते हैं**

**धरसींवा और अभनपुर में सबसे अधिक:** बताया गया है कि जिले में सबसे अधिक धरसींवा व अभनपुर विधानसभा क्षेत्र में तेजी से गणना प्रपत्र वितरण की गई है। शहर के चारों विधानसभा में वितरण की स्थिति आपेक्षाकृत पीछे हैं। ▶▶|शेष पेज 7 पर

**आपके घर नहीं पहुंचे तो कर सकते हैं संपर्क:** यदि आपके घर अबतक बीएलओ अब तक नहीं पहुंचे तो आप सीईओ छत्तीसगढ़ की वेबसाइट में बीएलओ डिटेल्स और नंबर देख सकते हैं। उनसे संपर्क कर पूरी जानकारी ली जा सकती है। शासन के निर्देश के अनुसार बीएलओ को घर-घर जाकर एसआईआर करने के निर्देश दिए गए हैं।

### बड़ी संख्या में लोगों तक नहीं पहुंचे

शहर के लोग अब तक असमंजस में फंसे हुए हैं, क्योकि शहर में वर्तमान में बहुत से लोगों के घर अबतक बीएलओ नहीं पहुंचे हैं। इसलिए अधिकारियों ने बीएलओ को शहरी क्षेत्रों में काम में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। बीएलओ का कहना है कि सूची में जो पता दिया गया है वहां कई मतदाता नहीं रहते, उनका पता बदल गया है। उनसे संपर्क नहीं होने के कारण इन क्षेत्रों में कमी बताई जा रही है।

# आखिरी पल तक तेजस को बचाने की कोशिश करते रहे विंग कमांडर नमांश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

दुबई एयर शो 2025 में हुए तेजस विमान हादसे का एक बिल्कुल साफ नया वीडियो सामने आया है। यह वीडियो दिखाता है कि हिमाचल के बहादुर पायलट विंग कमांडर नमांश स्याल (37) ने आखिरी पल में अपनी जान बचाने की पूरी कोशिश की।

उन्होंने इजेक्ट बटन दबाया, लेकिन ऊंचाई और समय दोनों कम थे। विमान जमीन से टकराया और आग का गोला बन गया। वीडियो में तेजस कम ऊंचाई पर बैरल रोल और नेगेटिव-जी टर्न कर रहा था। अचानक संतुलन बिगड़ा और विमान नीचे गिरने लगा। ठीक 49-52 सेकंड पर आग लगी। एक छोटा पैराशूट जैसा ऑब्जेक्ट दिखा – यानी विंग कमांडर स्याल ने आखिरी पल में इजेक्ट बटन दबाया। लेकिन ऊंचाई सिर्फ कुछ मीटर थी, पैराशूट नहीं खुल सका।

### पहले विमान बचाने की कोशिश की थी विंग कमांडर नमांश ने

*विशेषज्ञों का कहना है – नमांश स्याल ने पहले विमान को कंट्रोल करने की पूरी कोशिश की। तेजस का रिकॉर्ड बहुत अच्छा है, इसलिए उन्होंने सोचा शायद बचा लेंगे। जब कुछ नहीं हुआ तब इजेक्ट किया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। आपको बता दें, भारतीय वायु सेना का फाइटर जेट तेजस शुक्रवार को दुबई में एयर शो के दौरान हादसे का शिकार हो गया था। उड़ान भरने के ठीक बाद तेजस जमीन पर गिर गया था। 10 साल की सेवा में तेजस से पहली बार किसी पायलट की जान गई। पिछला हादसा मार्च 2024 में जैसलमेर के पास हुआ था, तब पायलट सुरक्षित निकल गए थे।*

### दुबई एयर शो में गई है बहादुर पायलट की जान

### दुबई में नम आंखों से विदाई हिमाचल में अंतिम संस्कार

*दुबई में अंतरराष्ट्रीय एयरशो के दौरान हुई तेजस लड़ाकू विमान दुर्घटना में मारे गए भारतीय वायुसेना के पायलट विंग कमांडर नमांश स्याल को शनिवार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में यूएई, भारतीय दूतावास और वायुसेना के अधिकारियों, उनके साथी पायलट और दोस्त ने भावपूर्ण श्रद्धांजलि के साथ अंतिम विदाई दी। इसके बाद तमाम जरूरी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद जल्द ही (रविवार या सोमवार तक) उनका पार्थिव शरीर अंतिम संस्कार के लिए स्वदेश पहुंचेगा। जहां उनके गृह राज्य हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा में उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। वायुसेना ने एक्स पर एक वीडियो साझा किया है। जिसमें दुबई में विंग कमांडर स्याल की पार्थिव देह को राष्ट्रीय ध्वज (तिरंगे) में लिपटा हुआ देखा जा सकता है। उन्हें सैन्य सम्मान यानी गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।*

### पिता ने यू-ट्यूब पर देखा था बेटे का प्लेन क्रैश होते

*बेटे की शहादत की खबर यू-ट्यूब पर वीडियो देखते हुए मिली। हादसे से एक दिन पहले नमांश ने ही उन्हें एयरशो के वीडियो टीवी या यूट्यूब पर देखने को कहा था। एयरशो की वीडियो देखते ही उन्हें हादसे के बारे में पता चला। थोड़ी देर बाद वायुसेना के 6 अधिकारी उनके घर पहुंचे। तभी उन्हें बेटे के साथ हुए हादसे की पुष्टि का एहसास हुआ। जगरनाथ स्याल भारतीय सेना में सेवाएं दे चुके हैं। उन्होंने बताया, मैं एयरशो के वीडियो देख रहा था, तभी एक रिपोर्ट में तेजस के गिरने की खबर आई। दिल दहल गया।*

## खबर संक्षेप

### यूपी में घुसपैठियों के लिए डिटेंशन सेंटर

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य के सभी जिलाधिकारियों को घुसपैठियों की पहचान कर उन पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश जारी कर दिए हैं। आदेश में प्रत्येक जिलों में अवैध घुसपैठियों के लिए अस्थायी डिटेंशन सेंटर बनाने के निर्देश भी हैं।' आवश्यक सत्यापन की प्रक्रिया पूरी होने तक वहीं आवास सुनिश्चित किया जाएगा। योगी ने कहा कि 'डिटेंशन सेंटर' में रखे गए अवैध घुसपैठियों को तय प्रक्रिया के तहत उनके मूल देश वापस भेजा जाएगा।'

### शूटिंग के दौरान श्रद्धा कपूर की ऊंगली टूटी

**मुंबई।** एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म ईथा पर काम कर रही हैं। यह फिल्म मशहूर लावणी डांसर और तमाशा कलाकार विठाबाई भाऊ नारायणगांवकर की बायोपिक है। फिल्म की शूटिंग महाराष्ट्र के नासिक के पास औंधेवाडी में चल रही थी। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पिछले हफ्ते डायरेक्टर लक्ष्मण उतेकर को शूटिंग रोकनी पड़ी, क्योंकि श्रद्धा के बाएं पैर की एक उंगली में फ्रैक्चर हो गया। चोट उन्हें उस समय लगी, जब वह लावणी डांस का एक सीन कर रही थीं।

**इंटेलिजेंस रिपोर्ट में हुआ खुलासा, विदेशी नागरिक भी शामिल**

# व्हाइट कॉलर आतंकी नेटवर्क नया खतरा जम्मू-कश्मीर में 131 दहशतगर्द एक्टिव

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

इंटेलिजेंस रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि जम्मू-कश्मीर में वर्तमान में 131 आतंकवादी सक्रिय हैं और बड़ी आतंकी घटना की फिराक में हैं। सुरक्षा बलों ने जवाब में सतर्कता और ऑपरेशनल तैयारी बनाए रखी है और कई काउंटर-टेररिज्म ऑपरेशन कर रही है। 2025 में अब तक, सेना, पुलिस और दूसरे सुरक्षाकर्मियों ने अलग-अलग मुठभेड़ों में लगभग 45 आतंकवादियों को मार गिराया है, जो यूटी में ऑपरेशन की तेज रफ़्तार को दिखाता है।

नवंबर 2025 की लेटेस्ट इंटेलिजेंस रिपोर्ट के आंकड़ों के मुताबिक 131 आतंकियों में 122 पाकिस्तानी आतंकवादी हैं और 9 स्थानीय कश्मीरी हैं। बहरहाल, आतंकवादियों की यह संख्या साल की शुरुआत से काफी ज़्यादा है, जब मार्च 2025 में पाकिस्तानी आतंकवादियों की संख्या 59 बताई गई थी, जो बॉर्डर पार से घुसपैठ की कोशिशों में दोगुने से ज़्यादा बढ़ोतरी दिखाता है। सुरक्षा एजेंसियों ने इस बढ़ोतरी का कारण दुश्मन ताकतों द्वारा लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) के पार आतंकवादियों की घुसपैठ कराने की लगातार कोशिशों को बताया है।

## दिल्ली ब्लास्ट के बाद देशभर में सुरक्षाबलों द्वारा चलाया जा रहा है अभियान

### कई राज्यों में फैला व्हाइट कॉलर नेटवर्क

*हालांकि अब आतंकी संगठन नया तरीका अपना रहे हैं। वे कैंपों में भर्ती करने की बजाय पढ़े-लिखे नौजवानों, डॉक्टरों, इंजीनियरों, सरकारी अफसरों और बिजनेसमैन को चुपके से कट्टरपंथी बना रहे हैं। ये लोग बाहर से बिल्कुल सामान्य लगते हैं, इसलिए इन्हें व्हाइट कॉलर टेररिस्ट कहा जा रहा है। ये नेटवर्क सिर्फ कश्मीर में नहीं, देश के कई राज्यों में फैल चुका है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद सैकड़ों ओजीडब्लू (ओवर ग्राउंड वर्कर) पकड़े गए हैं।*

### इस साल 31 आतंकी मारे

इस साल (2025) अब तक सुरक्षा बलों ने 31 आतंकवादियों को मार गिराया है। 2024 में 61 आतंकवादी मारे गए थे। लेकिन सबसे बड़ा झटका ऑपरेशन सिंदूर से लगा, जिसमें पाकिस्तान के अंदर 100 से ज़्यादा आतंकवादी मारे गए।

### स्थानीय भर्ती लगभग बंद

131 आतंकियों में 122 पाकिस्तानी आतंकवादी हैं और 9 स्थानीय कश्मीरी हैं। इस साल पारंपरिक आतंकी संगठनों (लश्कर, जैश, हिज्बुल) ने सिर्फ एक स्थानीय युवक को भर्ती किया था, वो भी कुछ ही दिनों में मार दिया गया। यानी 2025 में स्थानीय स्तर पर आतंकियों की भर्ती लगभग जीरो हो गई है। लोग अब आतंकवाद से दूर भाग रहे हैं। एलओसी पर घुसपैठ बहुत कम हो गई है।

### 'सफेदपोश टेरर मॉड्यूल' का आरोपी तुफेल भट गिरफ्तार

जम्मू-कश्मीर पुलिस की राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) ने शनिवार को 'सफेदपोश टेरर मॉड्यूल' मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान शहर के बटमालू इलाके के निवासी तुफेल नियाज भट के रूप में हुई है। यह गिरफ्तारी मॉड्यूल की चल रही जांच के तहत की गई है। सूत्रों के अनुसार, यह पूरा मॉड्यूल अक्तूबर के मध्य में बुनपोरा और नौगाम में पुलिस और सुरक्षाबलों को धमकी देने वाले पोस्टरों की जांच के दौरान पकड़ा गया। सीसीटीवी फुटेज और जांच के बाद पहले तीन संदिग्ध आरिफ निसार दर (उर्फ साहिल), यासिर-उल-अशरफ और मकसूद अहमद दर (उर्फ शाहिद) को गिरफ्तार किया गया। उनके पूछताछ से मौलवी इरफान अहमद, एक पूर्व पैरामेडिक और मौलाना, गिरफ्तार हुए, जिन्होंने कथित रूप से पोस्टर सप्लाई किए और डॉक्टरों को उग्रवादी बनाया।

**बिहार में एनडीए की हुई है एकतरफा जीत**

# सीमांचल की शर्त पर नीतीश को समर्थन देने को तैयार ओवैसी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने संकेत दिया है कि उनकी पार्टी बिहार में नीतीश कुमार सरकार को समर्थन देने को तैयार है, लेकिन इसके लिए एक शर्त है- सीमांचल क्षेत्र को उसके हक का न्याय मिले. अमौर में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए ओवैसी ने कहा कि सीमांचल दशकों से उपेक्षा का शिकार रहा है और अब यह स्थिति बदलनी चाहिए। ओवैसी ने कहा, 'हम नीतीश कुमार की सरकार का समर्थन देने को तैयार हैं, लेकिन सीमांचल को न्याय मिलना चाहिए। विकास सिर्फ पटना और राजगीर तक सीमित नहीं रहना चाहिए। सीमांचल आज भी नदी कटाव, भारी पलायन और भ्रष्टाचार जैसी समस्याओं से जूझ रहा है। सरकार को इन मुद्दों पर गंभीरता दिखानी होगी।'

### सीमांचल के 5 सीटों पर ओवैसी की पकड़

सीमांचल, जो बिहार के पूर्वोत्तर में स्थित है, राज्य का सबसे पिछड़ा इलाका माना जाता है। यहां मुसलमानों की आबादी अधिक है और हर साल कोसी नदी की बाढ़ इस इलाके को तबाह करती है। क्षेत्र की करीब 80% आबादी ग्रामीण है और विकास कार्यों में इसकी हिस्सेदारी बेहद कम देखी जाती है। हालिया विधानसभा चुनावों में सीमांचल की 24 सीटों में से 14 सीटें एनडीए ने जीतीं. इसके बावजूद ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम ने यहां अपनी पकड़ बनाए रखी और 5 सीटें अपने नाम कीं. यही संख्या 2020 में भी थी। हालांकि, 2020 में चुने गए एआईएमआईएम के 5 में से 4 विधायक बाद में आरजेडी में शामिल हो गए थे।

## पश्चिम बंगाल में एक और बीएलओ ने की आत्महत्या

**कोलकाता।** पश्चिम बंगाल में शनिवार को एक और बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) ने आत्महत्या कर ली। बुधवार को ही जलपाईगुड़ी में एक बीएलओ ने आत्महत्या की थी। 9 नवंबर से अब तक यहां तीन बीएलओ की मौत हो चुकी है, जिनमें से दो ने आत्महत्या की है। पुलिस के अनुसार, यह ताजा घटना नदिया जिले में हुई है। मृतक बीएलओ का नाम रिंकू तरफदार है, उसके परिवार ने आरोप लगाया है कि वह एसआईआर के काम के कारण काफी तनाव में थी और इसी वजह से उसने आत्महत्या की है।

**तख्तापलट मामले में सजा से पहले एक्शन**

# ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति बोल्सोनारो हुए गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶| ब्राजिलिया

ब्राज़ील की राजनीति में शनिवार को एक बड़ा मोड़ तब आया जब पूर्व राष्ट्रपति जैर बोल्सोनारो को 27 साल की जेल की सज़ा काटने से कुछ ही दिन पहले गिरफ़्तार कर लिया गया। यह वही मामला है जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने सितंबर 2025 में उन्हें दोषी पाया था। 2022 के चुनाव में जब बोल्सोनारो लूला दा सिल्वा से हार गए, तभी से उन्होंने सत्ता पर बने रहने की कोशिशें तेज़ कर दी थीं। अदालत की जांच में सामने आया कि उन्होंने सेना और अपने समर्थकों के साथ मिलकर एक सैन्य तख्तापलट की योजना बनाई। उन्होंने चुनाव की वैधता पर सवाल उठाए और एक ऐसी साज़िश रची जिसमें लूला और एक सुप्रीम कोर्ट जज को हटाने का प्लान तक शामिल था। जनवरी 2023 में उनके समर्थकों ने सरकारी इमारतों पर हिंसक हमला किया। हजारों लोग सड़क पर उतर आए, संसद और अन्य भवनों को नुकसान पहुंचाया था। अदालत ने इसे बोल्सोनारो द्वारा तैयार किए गए बड़े षड्यंत्र का हिस्सा माना. इस हमले के बाद 1500 से ज़्यादा लोगों को गिरफ्तार किया गया था।

### पांच अपराधों में दोषी

पांच न्यायाधीशों की पैनल ने बोल्सोनारो को पांच गंभीर अपराधों में दोषी ठहराया। तख्तापलट की साजिश, लोकतंत्र को नुकसान पहुँचाने की कोशिश, हिंसा को बढ़ावा देना, चुनाव प्रक्रिया को अस्थिर करना, एक आपराधिक नेटवर्क का नेतृत्व करना। एक जज ने उन्हें बरी करने की बात कही, लेकिन बहुमत ने उन्हें दोषी मानते हुए लंबी सजा का रास्ता साफ़ कर दिया।

# पहली बार छह देशों के चीफ जस्टिस-जज होंगे शामिल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

जस्टिस सूर्यकांत 24 नवंबर (सोमवार) को देश के चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) के रूप में राष्ट्रपति भवन में शपथ लेंगे। इस शपथ ग्रहण समारोह में कई देशों के मुख्य न्यायाधीश और न्यायाधीश शामिल होंगे।

यह पहली बार है जब किसी भारतीय मुख्य न्यायाधीश के शपथ ग्रहण समारोह में कोई अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल शामिल होगा। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, इस दिन भूटान से लेकर श्रीलंका तक छह देशों के एक दर्जन से ज्यादा न्यायाधीश और मुख्य न्यायाधीश मौजूद रहेंगे। प्रतिनिधिमंडल में भूटान, केन्या, मलेशिया, मॉरीशस, नेपाल और श्रीलंका के मुख्य न्यायाधीश, सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश तथा उनके परिवार के सदस्य शामिल हैं।

**ऐतिहासिक होगा जस्टिस सूर्यकांत का शपथ समारोह**

### 53वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में लेंगे शपथ

जस्टिस सूर्यकांत 53वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ लेंगे। वे मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई का स्थान लेंगे। 10 फरवरी, 1962 को हरियाणा के हिसार जिले में एक मध्यमवर्गीय परिवार में जन्मे न्यायमूर्ति सूर्यकांत को 24 मई, 2019 को सर्वोच्च न्यायालय में पदोन्नत किया गया। 2019 में सर्वोच्च न्यायालय में पदोन्नति से पहले, उन्होंने हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्य किया। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने 1981 में राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, हिसार से स्नातक की उपाधि प्राप्त की। उन्होंने 1984 में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक से विधि स्नातक की उपाधि प्राप्त की।


हरिभूमि HEALTH CARE — छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज – अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल | डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA | भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर
मो. 7999450384, 7042974029
समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं • लेजर हेयर रिमूवल • केमिकल पीलिंग • हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

अहलूवालिया हॉस्पिटल
81031 28515, 0771-4050006
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids • दंत रोग • मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर

Vrinda Multispeciality Hospital Chest & Allergy Centre
वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल
सभी प्रकार की एलर्जी • जैसे नाक • कान • गला • आंख • श्वास की (अस्थमा) • त्वचा
डेंटल सुविधा भी उपलब्ध
छाती रोग • अस्थमा • सी.पी.ओ.डी. • फेफड़े सिकुड़ना • पानी भरना • न्यूमोनिया • स्वाइन फ्लू • मोटापे • खर्राटे • छाती दर्द
अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क : 8962566221, 07714916125, 7223065604

निवेद चेस्ट & आई केयर
डॉ. देवी ज्योति दास M.D. DNB PULMONARY MEDICINE (DELHI) (Gold medalist)
डॉ. नमित नंदे MS Ophthalmology
उपलब्ध सुविधायें : एलर्जी, अस्थमा, निमोनिया, फिजीयोथेरेपी, धुम्रपान नियंत्रण स्लिप स्टडी और आईसीयू केयर
आई केयर सुविधायें : मोतियाबिंद, काला मोतिया, डायबिटिक रेटिनोपेथी और मेडिकल रेटिना
24, Central Avenue, Ground Floor, Below SBI Personal Banking Branch, Choubey Colony, Raipur (C.G.), Mob.: 0711-4337888,7697752001

सुधा सूरज फर्टिलिटी केयर
डॉ. सूरज कुमार चौधरी MD (Physician, Pathology)
डॉ.सुधा अग्रवाल चौधरी MBBS, MS (OBG) FRM स्त्री रोग विशेषज्ञ, इंफर्टिलिटी कंसल्टेंट
• पुरुष और महिला बांझपन परीक्षण • आईवीएफ, आईयूआई, पीसीओएस, सोनोग्राफी, • सभी पैथोलॉजी परीक्षण (रक्त, मूत्र, मल और वीर्य विश्लेषण) • गर्भवती महिला एवं गर्भाशय की सोनोग्राफी (टीवीएस, डॉपलर 3डी, 4डी)
C-81, VIP Estate, Opposite Ashoka Ratan Gate No.2, Shankar Nagar, Raipur, Mob. 63549 65797, 95120 44488

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर Makeover Skin, Hair & Aesthetic Centre
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311 Email:bsinghania111@yahoo.co.in
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479, 0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल (ISO 9001-2000 Certified)
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-4044551
समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल

उपलब्ध विशेषताएं • लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी • जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स • जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी • ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल) • गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कोपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेंडिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा निडास, फाफाडीह, रायपुर
समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, निर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्ष पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
* आयुष्मान कार्ड / राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव *
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

निराकार मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल 24/7 Emergency Services
पैथोलॉजी लैब, मेडिकल एवं 24 घंटे आपातकालीन सेवा उपलब्ध
0771-3133896 +91 6264070071, 9893299953
पुरानी बस्ती थाना के सामने, कंकाली पारा रोड, पुरानी बस्ती, रायपुर (छ.ग.) nirakarmaltispecialityhospital@gamil.com

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक सेवाएं • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टैली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

पाइल्स क्षारसूत्र विशेषज्ञ
राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक वेलनेस सेंटर
25 वर्षों का अनुभव
11000 से ऊपर सफल चिकित्सा
फाफाडीह / पंडरी, रायपुर, मो. 9039050422

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770, 9329004557, 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

विज्ञापन हेतु संपर्क करें:-
7987119756, 9303508130

## तरकश

संजय के. दीक्षित

### आखिर इस्तीफा क्यों?

बहरहाल, प्रफुल्ल भारत ने इस्तीफा दिया क्यों, इस पर कोई खुलकर बोल नहीं रहा। मगर पर्दे के पीछे कुछ बातें रहीं, जिससे सरकार और महाधिवक्ता कार्यालय के बीच सब कुछ अच्छा नहीं था। उसमें जैजैपुर विधायक बालेश्वर साहू का केस ताबूत का आखिरी कील जैसा साबित हुआ। बालेश्वर ने किसानों के साथ गंभीर धोखाधड़ी की थी। पुलिस ने उनके खिलाफ तीन-तीन एफआईआर किया। मगर कोर्ट से गिरफ्तारी पर रोक लग गई। मामला जांच में चला गया। जबकि, पुलिस ने जांच करने के बाद मुकदमा कायम किया था। सरकारी पक्ष ने कोर्ट में इस बात को ढंग से रखा नहीं। पिछले एक साल में कई ऐसे एपिसोड हुए, जिसमें सरकारी विभाग के काम लटके रहे। प्राचार्य प्रमोशन में भी ऐसा ही हुआ। अप्रैल में प्रमोशन हुआ, और इस महीने जाकर मामला निबटा। तब तक 200 से अधिक प्राचार्य बेचारे बिना नेम प्लेट लगाए रिटायर हो गए। हालत ये हो गए थे कि अति महत्वपूर्ण केसों में थोक में सरकारी वकील होने के बाद भी पेनल लायर खड़े हो जाते थे। चना-मुर्रा टाईप केसों में भी सरकार की स्थिति दयनीय हो जा रही थी। इसमें राज्य महिला आयोग सहित तीन आयोगों में अब तक सत्ता पक्ष के पदाधिकारी की नियुक्ति न हो पाना भी शामिल है। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष किरणमयी नायक ने कांग्रेस शासन में पदभार संभाला था। इसी तरह दो और आयोग में अब भी पुराने पदाधिकारी ही नियुक्त हैं। एक आयोग के अध्यक्ष की नियुक्ति के बाद सरकार की किरकिरी हो गई, जब नवनियुक्त अध्यक्ष को पदभार संभालने का मौका ही नहीं मिला और उन्हें आखिरकार दूसरे निगम का अध्यक्ष बना दिया गया। बहरहाल, हाई कोर्ट बनने के बाद नौ महाधिवक्ता बने हैं, जिनमें से रविश अग्रवाल, देवचरण सुराना, कनक तिवारी और प्रफुल्ल भारत की विदाई असहज स्थिति में हुई।

### 100 से अधिक की फौज और रिजल्ट?

हाई कोर्ट बनने के 25 साल में यह पहला मौका होगा, जब बिलासपुर महाधिवक्ता ऑफिस में 100 से अधिक की फौज है। सात एडिशनल एजी...सात डिप्टी एजी। 33 गवर्नमेंट वकील और 100 के करीब पेनल लायर। इतना भारी-भरकम अमला होने के बाद भी सरकारी पक्ष में कमजोर क्यों पड़ जा रहा, सिस्टम को इस पर सोचना चाहिए।

### ओपी के बंगले में अमित शाह

डीजीपी कांफ्रेंस के दौरान वित्त मंत्री ओपी चौधरी के बंगले में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह तीन दिन रुकेंगे। हालांकि, उनके लिए नवा रायपुर स्थित एक नए मंत्री के बंगले की बात हुई थी। मंत्रीजी तैयार भी हो गए थे। मगर शायद उन्हें किसी ने सलाह दे दी कि पूजा-पाठ के बाद बंगले में किसी और को रहना शुभ नहीं होगा। लिहाजा, उन्होंने लिखित रिप्लाई में अनिच्छा प्रगट कर दी। इसके बाद खाली बंगले की तलाश शुरू हुई। ओपी चौधरी को एलाटेड एम11 बंगला अभी खाली है। अफसरों ने उनसे बात की तो वे सहर्ष तैयार हो गए।

### गेस्ट हाउसों के दिन फिरे

अभी तक वीआईपी और वीवीआईपी रायपुर आते थे तो वे बड़े होटलों में रुकते थे। मगर पीएम नरेंद्र मोदी का इंस्ट्रक्शन है, सरकारी विश्राम गृहों, अतिथि गृहों में सरकारी नुमाइंदे ठहरेंगे...जो पैसा सितारा होटलों में खर्च होता है, उसे गेस्ट हाउसों को रिनोवेशन में लगाया जाए। यही वजह है कि 28 से 30 नवंबर तक होने वाले डीजीपी, आईजी कांफ्रेंस के लिए युद्ध स्तर पर सरकारी गेस्ट हाउसों को तैयार किया जा रहा है। इसके लिए भारत सरकार से पैसा मिला है, तो राज्य ने भी दिया है। निमोरा स्थित गेस्ट हाउस में 91 कमरे हैं। वहां वॉशरुम से लेकर दरवाजा, खिड़की, बेड सब कुछ बदल दिया गया। रायपुर और नवा रायपुर के सर्किट हाउसों को भी सजाया-संवारा जा रहा है। सभी प्रदेशों और केंद्र शासित प्रदेशों के सिकरेट्री होम रायपुर के सर्किट हाउस में ठहरेंगे। नेशनल सिक्यूरिटी एजवाइजर याने एनएसए अजीत डोभाल नवा रायपुर के सर्किट हाउस में पूरा एक फ्लोर दिया जा रहा है। हालांकि, उनके लिए आईआईएम के गेस्ट हाउस को देखा गया मगर अफसरों ने सर्किट हाउस को बेहतर समझा गया।

### मंत्री, प्रेयसी और सर्वधर्म सम्भाव

पिछले तरकश स्तंभ में एक सवाल था, मंत्री ने माशूका को खरीद कर दिया 3 करोड़ का बंगला....पार्टी के हिटलिस्ट में मंत्री। इस पर काफी प्रतिक्रियाएं आईं। 200 से अधिक अननोन पाठकों ने व्हाट्सएप्प के जरिये अपनी जिज्ञासा प्रगट की। मगर सबसे अधिक खरी-खरी फोन बीजेपी के एक वरिष्ठ नेता का रहा। बोले... देश में प्रेयसी पर सर्वस्व न्यौछावर करने के अनेकों दृष्टांत रहे हैं...मुगलों के दौर में शाहजहां ने अपनी प्रियतमा के लिए विश्व प्रसिद्ध स्मारक बनवा दिया था। फिर छत्तीसगढ़ के एक मंत्री ने 3 करोड़ में बंगला खरीद अपनी प्रेयसी को दे दिया तो फिर हाय-तोबा क्यों? कैबिनेट मंत्री के लिए 3 करोड़ रुपए क्या मायने रखता है? आखिरी लाइन उनका ज्यादा टचिंग था...धर्मनिरपेक्ष देश में मंत्रीजी प्रेयसी के जरिये सर्वधर्म समभाव का उदाहरण पेश कर रहे तो इसमें किसी को दिक्कत क्यों? और क्या ये पहली बार हुआ है...? बात सही है। छत्तीसगढ़ बनने के बाद कई मंत्रियों, राजनेताओं और नौकरशाहों द्वारा इस तरह बंगला, फ्लैट खरीद दूसरा घर बनाने की चर्चाएं होती रही हैं। अबकी मंत्रीजी ने जल्दी कर दी, इसलिए एक्सपोज हो गए।

### कलेक्ट्रेट से विस भवन तक

बहुत कम लोगों का पता होगा कि विधानसभा सचिवालय कुछ दिनों तक कलेक्ट्रेट और मंत्रालय में लगा था। राजकुमार कॉलेज में प्रोटेम स्पीकर का चुनाव और विधायकों की शपथ के बाद बलौदा बाजार रोड पर स्थित भारत सरकार के जल संसाधन विभाग की बिल्डिंग को विधानसभा के लिए चुना गया था। मगर सदन के अनुकूल उसे तैयार करने में करीब दो महीने का वक्त लगा। लिहाजा, पहले कलेक्ट्रेट में विधानसभा सचिवालय लगा, फिर मंत्रालय में दो कमरे दिए गए। विधानसभा के वर्तमान सिकरेट्री दिनेश शर्मा न केवल सबसे पहले यहां ज्वाईन किए बल्कि अब उनके साथ एक और रिकार्ड जुड़ गया है। वह है मध्यप्रदेश के समय पुराने से नए विधानसभा में जाने का और अब छत्तीसगढ़ में भी यही संयोग दुहरा रहा। याने उन्हें एमपी, छत्तीसगढ़ को मिलाकर कुल चार विधानसभा भवनों में काम करने का मौका मिला।

### डिस्ट्रिक्ट जज सिकरेट्री

आजादी के बाद कई साल तक जिला न्यायाधीश स्तर के जज विधानसभाओं के सचिव होते थे। अविभाजित मध्यप्रदेश में सालों डीजे लेवल के सचिव रहे तो छत्तीसगढ़. बनने के बाद पहला सचिव भी डीजी टीपी शर्मा को बनने बनाया गया। टीपी शर्मा बाद में विधि सचिव रहे और हाई कोर्ट जज बने। खैर, टीपी शर्मा के बाद डीजे मिन्हाजुद्दीन को दूसरा सचिव बनाया गया। मगर दो-चार दिन काम करने के बाद उन्होंने अनिच्छा प्रगट कर दी। तब तक भोपाल से भगवानदेव इसरानी आ गए थे। स्पीकर स्व. राजेंद्र प्रसाद शुक्ल ने इसरानी को सचिव अपाइंट किया। इसके बाद विधानसभा के अधिकारी प्रमोट होकर यह पद संभालने लगे।

### देर आए, दुरुस्त आए?

सात सदस्यीय कमेटी द्वारा रायपुर में कमिश्नर सिस्टम लागू करने के लिए रिपोर्ट देने के बाद भी किन्हीं वजहों से राज्योत्सव के मौके पर इसे लागू नहीं किया जा सका। मगर अब खबर है, अगले महीने विधानसभा के शीतकालीन सत्र में पुलिस कमिश्नर के एक्ट को पारित कराया जाएगा। ओड़िसा की तरह छत्तीसगढ़ में भी एक्ट के जरिये पुलिस कमिश्नर सिस्टम लागू किया जाएगा। मगर अब देखना है कि ओड़िसा की तरह अपने रायपुर का पुलिस कमिश्नर सिस्टम भी प्रभावशाली होगा या सिर्फ नाम का रहेगा?

### कांग्रेस की नियुक्ति पॉलिसी

कांग्रेस पार्टी ने लंबे समय के एक्सरसाइज के बाद 11 जिला अध्यक्षों की नियुक्ति का आदेश जारी कर दिया। बाकी जिलों में कब होगा, इस पर पार्टी मौन है। कांग्रेस के नियुक्ति प्रक्रिया पर पार्टी के लोग ही सवाल उठा रहे हैं। कार्यकताओं और नेताओं को रिचार्ज करने के नाम पर संगठन में नियुक्तियों से पहले कांग्रेस में काफी बड़े स्तर पर राय-मशविरा, भेंट-मुलाकात चलता है मगर इससे कार्यकर्ता जितना रिचार्ज नहीं होते, उससे अधिक डिस्चार्ज हो जाते हैं। असल में, अत्यधिक कवायदों से सबकी उम्मीदें बंध जाती है और होता वही है, जो पहले से तय रहता है। और जब उम्मीदें टूटती है तो फिर सेल्फ गोल शुरू हो जाता है। अब पार्टी भले ही इसे लोकतांत्रिक प्रक्रिया कहकर खुश हो लें, मगर पार्टी के जिम्मेदार लोगों का कहना है कि इस एक्सपेरिमेंट से फायदे की जगह नुकसान हो रहा है।

### मनी लॉन्ड्रिंग पर लगाम

अरुण जेटली ने वित्त मंत्री रहते 2017 में मुख्यमंत्री को DO लेटर लिख छत्तीसगढ़ में जमीनों के गाइड लाइन रेट देश में सबसे कम होने पर चिंता जताई थी। उन्होंने लिखा था...रेट में भारी विषमता होने से छत्तीसगढ़ में मनी लॉन्ड्रिंग तेजी से बढ़ रहा है। जेटलीजी उसके बाद नहीं रहे। मगर आठ साल बाद अब उनकी आत्मा को शांति मिलेगी। पंजीयन विभाग ने रेट का युक्तियुक्तकरण करते हुए रेट में काफी सुधार किया है । इस पर सूबे के बिल्डरों और भूमाफियाओं में हाहाकार मचा हुआ है। दरअसल, 2017 से पहले गाइड लाइन दर हर साल सात से 10 परसेंट बढ़ता था। मगर पिछली सरकार ने रेट बढ़ाने की बजाय 30 परसेंट कम कर दिया। इससे छत्तीसगढ़ में दिल्ली, मुंबई जैसे मेट्रो सिटी से ब्लैक मनी का फ्लो बढ़ा। जाहिर है, सरकारी दर कम होने से खजाने को पंजीयन शुल्क का नुकसान होता ही है, इन्कम टैक्स विभाग को भी हर साल करीब 500 करोड़ का चूना लगता था। वो इसलिए कि, शंकर नगर, कचना, सड्डू जैसे एरिया में जो बिल्डर छह से सात हजार रुपये फुट में जमीन और मकान बेच रहे, उसका सरकारी रेट हजार, बारह सौ से ज्यादा नहीं। इस अंतर की राशि को कैश में देना पड़ता है। याने मकान या जमीन के लिए जितनी राशि एक नम्बर में ली जाती है, उससे कहीं अधिक दो नम्बर में। यही वजह है कि छत्तीसगढ़ में बड़े स्तर पर ब्लैक मनी को व्हाइट किया जा रहा था। ऊपर से नौकरी पेशा और मिडिल क्लास को सरकारी रेट कम होने से बैंकों से जरूरत के हिसाब से लोन नहीं मिल रहा था, फिर दो नम्बर में कैश जुटाने की मुसीबत थी, वो अलग। उम्मीद है, युक्तियुक्तकरण से स्थिति कुछ बदलेगी।

### अंत में दो सवाल आपसे?

1. क्या ये सही है...आयुष्मान योजना अगर बंद हो जाए तो सूबे के 60 परसेंट हॉस्पिटल बंद हो जाएंगे?
2. क्या ये सही है कि जिस राज्य में ब्यूरोक्रेसी कमजोर और सियासी हस्तक्षेप ज्यादा होता है, वहां डेवलपमेंट ठहर जाता है?

# बनी थीं पहली ग्लोबल एंबेसेडर

**मुंबई।** दीपिका पादुकोण सच में एक ग्लोबल आइकन हैं। जिस तरह वो भारतीय सिनेमा को इतनी शान और आत्मविश्वास के साथ दुनियाभर में लेकर गई हैं, वो कमाल है। उनकी अपनी अलग स्टाइल, जबरदस्त परफॉर्मेंस और उनकी नैचुरल करिश्मा ने उन्हें दुनिया भर में पसंद किया जाने वाला चेहरा बना दिया है। फिल्मों से लेकर बिजनेस तक, मेट गाला से लेकर फीफा वर्ल्ड कप तक, और यहां तक कि ऑस्कर तक दीपिका लगातार दुनिया के सबसे बड़े मंचों पर भारत का नाम रोशन करती रही हैं। एक ऐसी एक्ट्रेस के तौर पर, जिसने कई और लोगों को दुनिया भर में चमकने का रास्ता दिखाया, दीपिका ने अपने सफर में बहुत लंबा रास्ता तय किया है। आज वह गर्व के साथ 'ग्लोबल इंडियन' कहलाती हैं और इसे वह अपनी नहीं बल्कि हम सबकी जीत मानती हैं। दीपिका, जो एक तरह से शुरुआत करने वाली रहीं, उन्होंने दुनिया भर के बड़े-बड़े लग्जरी ब्रांड्स में भारत की बढ़ती पहचान को आगे बढ़ाने में बहुत अहम भूमिका निभाई है। वह पहली भारतीय थीं जिन्हें दुनिया के

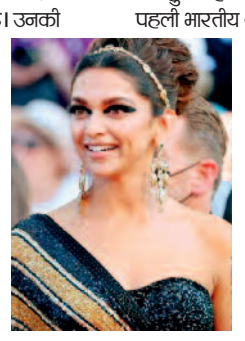

मशहूर और महंगे फैशन ब्रांड्स लुई वुइटन और कार्टियर ने अपना चेहरा बनाया। इसी से उन्होंने भारत की बढ़ती पहचान के लिए रास्ता तैयार किया और आने वाले सालों में बाकी भारतीय सितारों के लिए भी ये दरवाजा खोल दिया, ताकि वे भी इस नई लहर का हिस्सा बन सकें। एक इंटरव्यू के दौरान उनसे पूछा गया कि "एक एक्टर और बिजनेसवुमन के तौर पर आपने सच में भारत को दुनिया के बड़े मंच तक पहुँचाया है। आपके साथ 'ग्लोबल इंडियन' शब्द हमेशा जुड़ा रहता है। इसका आपके लिए असली मतलब क्या है?" तो उन्होंने जवाब दिया, "ये बहुत आसान है।

# 'भाभीजी घर पर हैं' करेगी धमाका

**मुंबई।** टीवी का चर्चित कॉमेडी शो 'भाभीजी घर पर हैं' अब बड़े पर्दे पर धमाका करने के लिए तैयार है। अभिनेता आसिफ शेख, शुभांगी अत्रे और रोहिताश गौड़ अभिनीत यह शो करीब एक दशक से लोगों का मनोरंजन करता आ रहा है। काफी समय पहले ऐलान किया गया था कि निर्माता इस शो पर फिल्म बना रहे हैं, जिसे जानने के बाद लोग उतावले थे। आखिरकार 'भाबीजी घर पर हैं-फन ऑन दा रन' की रिलीज तारीख का ऐलान हो गया है। निर्माताओं ने फिल्म का शीर्षक और पोस्टर जारी करते हुए लिखा, 'भाभीजी जो अब तक घर पर थीं, अब बड़े पर्दे पर आएंगी।' पोस्टर में शुभांगी (अंगूरी भाभी) विदिशा शर्मा (अनीता भाभी) और

को दुल्हन की पोशाक में हैं। एक अन्य पोस्टर में दोनों के अलावा आसिफ और रोहिताश भी अस्त-व्यस्त हालात में दिख रहे हैं। रवि किशन और दिनेश लाल यादव (निरहुआ) भी इसका हिस्सा हैं। 'भाबीजी घर पर हैं' सिनेमाघरों में 6 फरवरी, 2026 को रिलीज की जाएगी।

# फरहान की पिछली 5 फिल्मों का बॉक्स ऑफिस रिपोर्ट कार्ड, 2 हुईं बुरी तरह फ्लॉप

**मुंबई।** अभिनेता और निर्माता फरहान अख्तर इन दिनों अपनी नई फिल्म '120 बहादुर' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है और फरहान जोर-शोर से इसका प्रचार-प्रसार कर रहे हैं। समीक्षकों से फिल्म को सकारात्मक प्रतिक्रिया भी मिल रही है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि फरहान की पिछली 5 फिल्मों का बॉक्स ऑफिस रिकॉर्ड कैसा रहा?

**'द स्काई इज पिंक'** : फरहान को आखिरी बार सिनेमाघरों में फिल्म 'द स्काई इज पिंक' में देखा गया था, जो साल 2019 में रिलीज हुई थी। फिल्म में वो प्रियंका चोपड़ा के साथ इश्क लड़ाते नजर आए थे। इस फिल्म को टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में खूब तारीफ मिली थी।समीक्षकों से भी इसे सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली, लेकिन 24 करोड़ रुपये के बजट में बनी ये फिल्म भारत में बस 20 करोड़ रुपये कमा पाई थी। 'स्काई इज पिंक' नेटफ्लिक्स पर मौजूद है।

**'लखनऊ सेंट्रल'** : साल 2017 में फरहान 'लखनऊ सेंट्रल' लेकर आए थे। फिल्म की कहानी उत्तर प्रदेश के छोटे से शहर मुरादाबाद में रहने वाले किशन मोहन गिरहोत्रा (फरहान) के इर्द-गिर्द घूमती है। इस फिल्म को दर्शकों ने साफ नकार दिया था, वहीं समीक्षकों से भी इसे हरी झंडी नहीं मिली। 30 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म को 11 करोड़ कमाने में भी पसीने छूट गए थे। बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी ये फिल्म जियो हॉटस्टार पर मौजूद है।

**'रॉक ऑन 2'**: साल 2016 में रिलीज हुई फरहान की 'रॉक ऑन 2' को काफी उम्मीदों के साथ बनाया गया था, लेकिन फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अपना जादू नहीं चला पाई। नोटबंदी के समय रिलीज होने की वजह से दर्शक सिनेमाघरों तक नहीं पहुंच पाए और फिल्म की कमाई बुरी तरह प्रभावित हुई। इसके अलावा कहानी और गाने भी 'रॉक ऑन' का मुकाबला न कर पाए। 40 करोड़ रुपये की लागत में बनी ये फिल्म बस 10 करोड़ रुपये जुटा पाई थी।

**'वजीर' और 'दिल धड़कने दो'**: अमिताभ बच्चन के साथ आई फरहान की 'वजीर' ने 35 करोड़ की लागत में 41 करोड़ रुपये की कमाई की थी। फिल्म का बॉक्स ऑफिस पर प्रदर्शन औसत रहा। ये फिलम अमेजन प्राइम वीडियो और सोनी लिव पर है। उधर 'दिल धड़कने दो' में फरहान ने एक्टिंग भी की। वो फिल्म के डायलॉग राइटर और निर्माता भी थे। रणवीर सिंह भी इसमें अहम भूमिका में थे।

# 'सूर्या 47': पुलिसवाले बनकर 8 साल बाद पर्दे पर लौटेंगे सूर्या, एक्शन से भरपूर होगी फिल्म

**मुंबई।** दक्षिण सिनेमा के सुपरस्टार सूर्या पुलिसवाले बनकर फिर पर्दे पर धमाल मचाएंगे। उनकी नई फिल्म 'सूर्या 47' से जुड़ी जानकारी लोगों को उत्साहित करने आ गई है। फिल्म के निर्देशन की कमान जीतू माधवन संभाल रहे हैं। दोनों साथ मिलकर एक्शन, कॉप फिल्म बनाने की तैयारी में हैं, जिसकी शूटिंग दिसंबर, 2025 में शुरू हो सकती है। पुलिस अधिकारी के किरदार में सूर्या को 'सिंघम 3' में देखा गया था। यह फिल्म 8 साल पहले 2017 में रिलीज हुई थी।

### 'सूर्या 47' में ये अभिनेत्री आ सकती है नजर

रिपोर्ट के मुताबिक, अस्थायी नाम वाली 'सूर्या 47' में मुख्य अभिनेत्री के रूप में नाजरिया नाजिम फहाद नजर आ सकती हैं। उन्हें सोनी लिव की हालिया वेब सीरीज 'द मद्रास मिस्ट्री' में देखा गया है। पहले चर्चा थी कि सूर्या और नाजरिया फिल्म 'पुरानानूरु' में काम करेंगे, लेकिन अब यह परियोजना रद्द हो गई है। सूर्या के काम की बात करें, तो अभिनेता को आखिरी बार फिल्म 'रेट्रो' में देखा गया था। यह फिल्म मई, 2025 में रिलीज हुई थी।

### केरल में फिल्मांकन शुरू होने की संभावना

पिंकविला की रिपोर्ट के मुताबिक, 'सूर्या 47' की शूटिंग 8 दिसंबर, 2025 से शुरू हो सकती है। टीम द्वारा अन्य जगहों पर जाने से पहले, फिल्मांकन केरल में शुरू होने की संभावना है। हालांकि ये अपडेट अटकलें हैं, क्योंकि निर्माताओं की तरफ से आधिकारिक ऐलान नहीं हुआ है। यह बात अलग है, कि अगर अफवाहें सच हुईं तो सूर्या और जीतू की जोड़ी दोबारा साथ करेगी। इससे पहले दोनों फिल्म 'सोरारई पोटरु स्टार' और 'आवेशम' में काम कर चुके हैं।

# ऑस्कर 2026 में बड़ा बदलाव, मिलेगा ये खास पुरस्कार

*लॉस एंजिल्स। फिल्मी दुनिया के सबसे बड़े पुरस्कार समारोह ऑस्कर का इंतजार दुनियाभर के सिनेप्रेमियों को है। ऑस्कर 2026 से जुड़ीं आए दिन रोचक जानकारियां सामने आ रही हैं और अब इस पर ऐसा धमाकेदार अपडेट आया है, जिससे इस प्रतिष्ठित समारोह का इंतजार कर रहे प्रशंसक और बेसब्र हो जाएंगे। दरअसल, ऑस्कर 2026 अपने इतिहास में एक बड़ा बदलाव लेकर आ रहा है। 20 साल से अधिक समय के बाद पहली बार अकादमी अवॉर्ड्स में एक नई श्रेणी जोड़ी गई है।*

**ऑस्कर 2026 भारत में कब और कहां देख सकेंगे?** : ऑस्कर 2026 का मजा दोगुना करेंगे मशहूर कॉमेडियन कॉनन ओ'ब्रायन, जो खुद भी इस समारोह की मेजबानी करने की पुष्टि कर चुके हैं। ऑस्कर का आयोजन सोमवार, 16 मार्च 2026 को होगा। भारत में इस समारोह को सुबह 4:30 बजे से 7:30 बजे तक लाइव देखा जा सकेगा। इसके अलावा भारत की तरफ से करण जौहर की फिल्म 'होमबाउंड' को सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय फीचर फिल्म श्रेणी के लिए आधिकारिक एंट्री के रूप में चुना गया है।

### कास्टिंग करने वालों को भी मिलेगा पुरस्कार

20 साल से ज्यादा समय के बाद ऑस्कर में एक नई श्रेणी जोड़ी गई है। इस नई श्रेणी का पुरस्कार कास्टिंग के लिए होगा। कास्टिंग अवॉर्ड का मतलब है कि उस फिल्म के लिए सबसे अच्छे अभिनेताओं और कलाकारों को चुनने वाले लोगों को सम्मानित किया जाएगा। ये पुरस्कार उन लोगों की मेहनत को पहचानता है, जो फिल्म के लिए सही कलाकारों का चुनाव करते हैं। इस श्रेणी के आने के बाद अब ऑस्कर में कुल 24 पुरस्कार होंगे।

### *साल 2001 के बाद से अब जुड़ी ऑस्कर में एक नई श्रेणी*

*अकेडमी ऑफ मोशन पिक्चर एंड साइंसेज ने साल 2001 के बाद से अब तक कोई नई श्रेणी नहीं जोड़ी थी। 2001 में आखिरी बार बेस्ट एनिमेटेड फीचर फिल्म नाम से नई श्रेणी बनाई गई थी। अब इतने सालों बाद पहली बार कोई नई श्रेणी कास्टिंग अवॉर्ड जुड़ी है। इससे न केवल कास्टिंग निर्देशकों की मेहनत को मान्यता मिलेगी, बल्कि यह दर्शाता है कि ऑस्कर समय के साथ बदल रहा है और इंडस्ट्री के हर पहलू को सम्मान दे रहा है।*

# संजय और महिमा की फिल्म 'दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी' 19 को होगी रिलीज...

**मुंबई।** अभिनेता संजय मिश्रा और महिमा चौधरी आगामी रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म 'दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी' से खूब चर्चा बटोर रहे हैं। फिल्म का पोस्टर पहले जारी हो गया था। अब निर्माताओं ने नया पोस्ट जारी करते हुए फिल्म की रिलीज तारीख बताई है।

फिल्म के निर्देशन की कमान सिद्धांत राज ने संभाली है। एकांश बच्चन और हर्ष बच्चन निर्माता हैं। 'दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी' के पोस्टर ने लोगों को उत्साहित कर दिया है। निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर 'दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी' का मोशन पोस्टर जारी किया गया है, जिसमें महिमा दुल्हन के

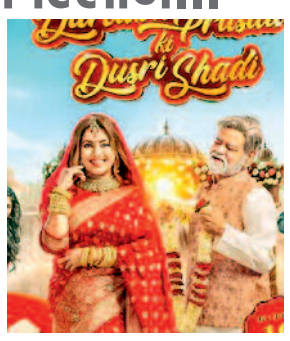


अवतार में हैं। वहीं संजय वरमाला लिए उनकी ओर देखते नजर आ रहे हैं। 'दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी' अगले महीने 19 दिसंबर को सिनेमाघरों में रुख करने के लिए तैयार है।

### अनीत संग ऐसा-वैसा कुछ भी नहीं...

**मुंबई।** सैयारा' फिल्म से रातों-रात चर्चा में आए अभिनेता अहान पांडे

इंटरनेट के सबसे चर्चित सेलिब्रिटी बन चुके हैं। काम से ज्यादा उनकी निजी जिंदगी लोगों का ध्यान खींचती रहती है। दरअसल, सोशल मीडिया यूजर्स का मानना है कि अभिनेता अपनी सह-अभिनेत्री अनीत पड्डा को डेट कर रहे हैं। इस बीच, फिल्म निर्माता करण जौहर की प्रतिक्रिया ने अहान और अनीत के रिश्ते की अफवाह को फिर से हवा दे दी। अब 'सैयारा' अभिनेता ने खुद ही सच बता दिया है। अहान ने हालिया इंटरव्यू में, 'सैयारा' अभिनेत्री संग उन्हें जोड़ने वाली अफवाहों को खारिज किया है। एक बातचीत में उन्होंने अनीत को सिर्फ अच्छा दोस्त बताया है। अभिनेता ने कहा, अनीत मेरी सबसे अच्छी दोस्त है।

**देश की राजधानी दिल्ली समेत पूरा एनसीआर एक बार फिर जहरीली हवा की गिरफ्त में है। सांस लेना तक मुश्किल हो गया है। पिछले कुछ सालों से लगातार इस महासंकट से जूझ रही दिल्ली-एनसीआर को कोई स्थायी समाधान की रोशनी क्यों नहीं मिलती? सरकारें और राजनेता एक-दूसरे पर जिम्मेदारी ठहराने की बजाय समाधान के लिए तत्पर क्यों नहीं होते? कागज पर भले सरकार ने वायु गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए कई कदम उठाए हैं, लेकिन इसके बावजूद प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ रहा है। ध्यान देने वाली बात यह है कि चीन जो कभी खतरनाक प्रदूषण से जूझ रहा था, एक दशक के अंदर अपनी वायु गुणवत्ता में सुधार लाने में कामयाब रहा। हम ऐसा क्यों नहीं कर पा रहे। चीन ने इसे राष्ट्रीय आपातकाल मानकर तेज गति से काम किया है। चीन की इस सफलता में निगरानी ने एक बड़ी भूमिका निभाई। देश ने एक व्यापक रियल टाइम वायु निगरानी नेटवर्क बनाया, जो शहर दर शहर और यहां तक कि फैक्ट्री दर फैक्ट्री प्रदूषकों पर नजर रखता था। इससे उन्हें उत्सर्जन कहां से आया, इसका एक सटीक डेटा मिला और उसी के मुताबिक कार्रवाई संभव हुई। हम ऐसा करने में कहां कमजोर पड़ रहे हैं, इसी का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...**

# प्रदूषण पर लगाम की कारगर नीति बने

**पर्यावरण**

रविशंकर

स्वतंत्र पत्रकार

उत्तर भारत एक बार फिर जहरीली हवा की गिरफ्त में हैं। लोगों के लिए सांस लेना तक मुश्किल हो गया है। आसमान में मौजूद धुंआ जनस्वास्थ्य संकट बन चुका है। लोग गैस चैंबर में रहने को मजबूर हैं। दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता सूचकांक कई इलाकों में 400 के पार पहुंच चुका है,जो गंभीर श्रेणी में आता है। यानी सांस लेना भी खतरे से खाली नहीं। भले इस गंभीर होती समस्या से पार पाने के लिए दिल्ली सरकार ने कई उपाय आजमाए, प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए निर्देश जारी किए गए, मगर वे कारगर साबित नहीं हो पा रहे। पर्यावरण के लिए काम करने वाली संस्था ग्रीनपीस की एक रिपोर्ट के मुताबिक़ भारत की राजधानी दिल्ली दुनियाभर में सभी देशों की राजधानी में सबसे ज़्यादा प्रदूषित शहर है।

**दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता सूचकांक 400 के पार पहुंच चुका है,जो गंभीर श्रेणी में आता है। यानी सांस लेना भी खतरे से खाली नहीं। भले इस गंभीर होती समस्या से पार पाने के लिए दिल्ली सरकार ने कई उपाय आजमाए, प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए निर्देश जारी किए गए, मगर वे कारगर साबित नहीं हो पा रहे। वायु प्रदूषण से निपटने के लिए तात्कालिक कार्रवाई के बजाय निरंतर प्रयासों की जरूरत है। स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों को अपनाना, वाहनों की संख्या को नियंत्रित करना और सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देना जैसे उपाय दीर्घकालिक प्रभाव डाल सकते हैं।**

## स्थायी समाधान क्यों नहीं

सवाल है कि पिछले कुछ सालों से लगातार इस महासंकट से जूझ रही दिल्ली-एनसीआर को कोई स्थायी समाधान की रोशनी क्यों नहीं मिलती? सरकारें और राजनेता एक दूसरे पर जिम्मेदारी ठहराने की बजाय समाधान के लिए तत्पर क्यों नहीं होते? कागज पर भले सरकार ने वायु गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए कई कदम उठाए हैं, लेकिन इसके बावजूद प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ रहा है। इससे पता चलता है कि हमारे यहां व्यवस्था प्रदूषण को कंट्रोल करने के लिए कितनी कारगर है। इसी बीच, ध्यान देने वाली बात यह है कि चीन जो कभी खतरनाक प्रदूषण से जूझ रहा था, एक दशक के अंदर अपनी वायु गुणवत्ता में सुधार लाने में कामयाब रहा। सवाल अहम यह है कि भारत दुनिया के दूसरे देशों से सबक क्यों नहीं ले रहा है। यह ठीक है कि भारत ने प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए कई उपाय शुरू किए हैं लेकिन धीमी गति और जमीनी स्तर पर कमजोर प्रवर्तन की वजह से उनका प्रभाव सीमित ही रहा। वहीं चीन ने प्रदूषण को राष्ट्रीय आपातकाल मानकर तेज गति से काम किया है। चीन की इस सफलता में निगरानी ने एक बड़ी भूमिका निभाई। देश ने एक व्यापक रियल टाइम वायु निगरानी नेटवर्क बनाया, जो शहर दर शहर और यहां तक कि फैक्ट्री दर फैक्ट्री प्रदूषकों पर नजर रखता था। इससे उन्हें उत्सर्जन कहां से आया, इसका एक सटीक डेटा मिला और उसी के मुताबिक कार्रवाई संभव हुई।

## चीन ने किया नीति में बदलाव

इसी के साथ चीन ने अपनी परिवहन प्रणाली में भी बदलाव किया। बीजिंग जैसे शहरों में मेट्रो नेटवर्क का विस्तार किया, चौड़े पैदल यात्री क्षेत्र बनाएं,निजी वाहन पर निर्भरता कम की और साथ ही सार्वजनिक परिवहन में निवेश किया। इसी के साथ प्रदूषणकारी उद्योगों के प्रति भी चीन ने सख्ती दिखाई। चीन ने उद्योगों को स्वच्छ ईंधन और रिन्यूएबल एनर्जी की तरफ मोड़ कर कोयल पर अपने निर्भरता को भी कम किया। गैस आधारित बॉयलरों ने अनगिनत कोयला इकाइयों की जगह ली,जिस वजह से सल्फर उत्सर्जन में काफी कमी आई। भारत में अभी भी कोयले पर निर्भरता काफी ज्यादा है। साफ है, चीन का मॉडल दिखाता है कि मजबूत प्रवर्तन और एकीकृत सरकारी दृष्टिकोण से बड़ा बदलाव लाया जा सकता है। गौर करने वाली बात ये है कि प्रदूषण से आबादी के लिहाज से सबसे ज्यादा नुकसान भारत को ही होता है,लिहाजा भारत को अपनी जिम्मेदारी बखूबी समझते हुए तत्काल ही कुछ सार्थक और ठोस उपाय करना होंगे। साफ है, आज के समय दुनिया में सबसे ज्यादा बीमारियां पर्यावरण प्रदूषण की वजह से हो रही हैं। मलेरिया, एडस और तपेदिक से हर साल जितने लोग मरते हैं उससे ज्यादा लोग प्रदूषण से होने वाली बीमारियों से मर जाते हैं।

## उदासीन बनी है सरकार

बहरहाल, हर साल सवाल यही उठता है कि वायु प्रदूषण से हर साल होने वाली मौत को रोकने के लिए सरकार की तरफ से क्या कदम उठाए जा रहे हैं? इसके बावजूद लोग अपने त्रासदीपूर्ण भविष्य को लेकर पूरी से तरह से बेखबर हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर हमारी सरकार और समाज कर क्या रहे हैं? वास्तव में वायु प्रदूषण की समस्या इतनी जटिल होती जा रही है कि भविष्य अंधकारमय होता प्रतीत हो रहा है। वस्तुतः आज मनुष्य भोगवादी जीवन शैली का इतना आदि और स्वार्थी हो गया है कि अपने जीवन के मूल आधार समस्त वायु को दूषित कर रहा है, नैतिकता, धर्म, कर्तव्य सब भूल रहा है। बढ़ते वाहनों और कारखानों से निकलते धुएं ने वायु का, वृक्षों की कटाई से जीवनदायिनी गैसों को, मनुष्य द्वारा फैलाई जा रही गंदगी से जल को इस तेजी के साथ प्रदूषित कर रहा है कि दुगनी गति से बीमारियां भी फैल रही हैं। मानवीय सोच और विचारधारा में इतना ज्यादा बदलाव आ गया है कि भविष्य की जैसे मानव को कोई चिंता ही नहीं है। अमानवीय कृत्यों के कारण आज मनुष्य प्रकृति को रिक्त करता चला जा रहा है। जिसके परिणामस्वरूप पर्यावरण असंतुलन के चलते भूमंडलीय ताप, अम्लीय वर्षा, बर्फीली चोटियों का पिघलना, सागर के जल-स्तर का बढ़ना, मैदानी नदियों का सूखना, उपजाऊ भूमि का घटना और रेगिस्तानों का बढ़ना आदि विकट परिस्थितियां उत्पन्न होने लगी है। ये सारा किया कराया मनुष्य का है और आज विचलित, चिंतित भी स्वयं मनुष्य ही हो रहा है। लेकिन अफ़सोस की बात है कि हम चेत नहीं हो रहे हैं। साल दर साल बीत जाने के बाद भी भारत में वायु प्रदूषण बढ़ता ही जा रहा है। चाहे केंद्र सरकार हो या फिर राज्य सरकारें, कोई भी प्रदूषण से लड़ने के लिए गंभीर नहीं दिखता। ऐसे में सरकारों के प्रदूषण से लड़ने के लिए दीर्घकालीन नीतियां बनाने की जरूरत है, तो वहीं दूसरी तरफ लोगों को अपने स्तर पर वे सभी जतन करने की जरूरत है जो हवा को जहरीली होने से रोकें।

## विदेशों से सीख ले भारत

ये ठीक है कि वायु प्रदूषण से निपटने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों ने कई कदम उठाए थे। फिर भी हम फिसड्डी साबित हुए। ऐसे में भारत की जिम्मेदारी बड़ी और ज्यादा गंभीर चुनौतीपूर्ण हो जाती है क्योंकि हमें विकसित और विकासशील दोनों ही प्रकार के देशों में किए जा रहे उपायों को अपनाना पड़ेगा। दअरसल, वायु प्रदूषण एक ऐसा मुद्दा है जो पूरी दुनिया के लिए चिंता की बात है ओर इसे बिना आपसी सहमति और ईमानदार प्रयास के हल नहीं किया जा सकता है। वायु प्रदूषण से निपटने के लिए तात्कालिक कार्रवाई के बजाय निरंतर प्रयासों की जरूरत है। स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों को अपनाना, वाहनों की संख्या को नियंत्रित करना, और सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देना जैसे उपाय दीर्घकालिक प्रभाव डाल सकते हैं। एक व्यवस्थित निगरानी तंत्र से पूरे वर्ष वायु गुणवत्ता का मूल्यांकन करना जरूरी है

# माइक्रो प्लास्टिक बिगाड़ रहा दिल्ली की सेहत

**प्रदूषण**

सुनील कुमार महला

स्वतंत्र पत्रकार

जहरीली हवा ने जहां एक ओर दिल्ली वालों की दिनचर्या बदल दी है, वहीं दूसरी ओर प्रदूषित हवा ने बच्चों, बुजुर्गों समेत महिलाओं के समक्ष अनेक प्रकार की स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं खड़ी कर दी हैं। सच तो यह है कि साल दर साल राजधानी में प्रदूषण से परेशानियां बढ़ती ही जा रही हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि दिल्ली पिछले कई वर्षों से प्रदूषण की मार झेल रही है। गर्भस्थ शिशुओं तक पर प्रदूषण का व्यापक प्रभाव पड़ रहा है। इस क्रम में यदि हम जन्म पंजीकरण के आंकड़ों पर गौर करें तो पिछले वर्ष जन्म लेने वाले 30.31 प्रतिशत नवजात शिशुओं का वजन दो किलोग्राम तक था। वहीं, वर्ष 2023 में यह आंकड़ा 31.54 प्रतिशत था। गौरतलब है कि जन्म के समय नवजात का वजन ढाई किलोग्राम से कम हो तो उसे सामान्य से कम माना जाता है। ऐसे में जन्म के समय सामान्य से कम वजन वाले नवजात शिशुओं की संख्या 30-31 प्रतिशत से अधिक है। इतना ही नहीं, एक प्रतिष्ठित हिंदी दैनिक में छपी एक खबर के अनुसार चांदनी चौक की हवा में प्लास्टिक के कण भी पाये गये हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, जैसा कि दैनिक ने लिखा है-'चेन्नई और मुंबई की तुलना में कोलकाता और दिल्ली की आबोहवा में माइक्रो प्लास्टिक की मौजूदगी कहीं अधिक है। इस वजह से इन दोनों शहरों की हवा में प्लास्टिक के ऐसे सूक्ष्म अंश अधिक हैं, जो सांस के जरिये शरीर में पहुंच सकते हैं। इस तरह के आइएमपी (सांस के साथ शरीर में पहुंचने योग्य माइक्रो प्लास्टिक) का कोलकाता में स्तर 14.23 माइक्रोग्राम घन मीटर और दिल्ली में 14.18 माइक्रोग्राम घन मीटर पाया गया। चेन्नई और मुंबई के वातावरण में इसकी मौजूदगी बहुत कम रही।' बताता चलूं कि खराब कूड़ा प्रबंधन इसके लिए जिम्मेदार है। वास्तव में, सर्दी के मौसम में प्रदूषण बढ़ने के साथ हवा में माइक्रो प्लास्टिक का स्तर भी 14 से 71 प्रतिशत बढ़ जाता है। दरअसल,यह सब इसलिए हो रहा है क्योंकि सर्दियों में कूड़े का ठीक से प्रबंधन नहीं हो पाता और लोग सिंथेटिक कपड़े ज्यादा पहनते हैं। ठंड की वजह से हवा नीचे ही अटकी रहती है, जिससे प्रदूषण ऊपर नहीं उठ पाता। इस मौसम में पैकेट वाले खाने और प्लास्टिक वाले सेनेटरी नैपकिन का इस्तेमाल भी बढ़ जाता है, जिससे प्लास्टिक कूड़ा ज्यादा बनता है। दिल्ली के चांदनी चौक और सरोजिनी नगर जैसे बाजारों में हवा में माइक्रोप्लास्टिक ज्यादा पाया गया है। बहरहाल, क्या यह चिंताजनक बात नहीं है कि राजधानी में 22 स्थानों पर प्रदूषण का स्तर हाल ही में 400 पार कर गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, 19 नवंबर 2025 को बुधवार के वायु गुणवत्ता सूचकांक में 18 नवंबर 2025 मंगलवार की अपेक्षा लगभग 20 अंकों की वृद्धि दर्ज की गई। गौरतलब है कि मंगलवार को मानक एक्यूआई 374 दर्ज किया गया, जबकि बुधवार को यह 392 दर्ज किया गया। शाम 7 बजे 22 जगहों पर वायु गुणवत्ता सूचकांक 400 से ऊपर दर्ज किया गया, जो कि गंभीर श्रेणी में आता है। वास्तव में, हवा की गति कम, तापमान में गिरावट और आंशिक रूप से बादल छाए रहने के कारण राजधानी में प्रदूषण के स्तर में लगातार पिछले कुछ दिनों से एक्यूआई 300 से अधिक है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि राजधानी में बुधवार की सुबह 8 बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 391 दर्ज किया गया। इसी के साथ दिल्ली में लगातार छठे दिन वायु गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी में रही। बहरहाल, दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में दिल्ली और दिल्ली एनसीआर के कई क्षेत्र लगातार शामिल होते रहे हैं। यहाँ सर्दियों में हवा की गुणवत्ता बेहद खराब स्तर तक पहुँच जाती है, क्योंकि वाहन धुआँ, औद्योगिक उत्सर्जन, निर्माण धूल और आसपास के राज्यों में पराली जलने का असर मिलकर प्रदूषण बढ़ा देते हैं। ठंडी हवा और कम हवा की रफ्तार प्रदूषित कणों को जमीन के पास रोके रखती है, जिससे पीएम 2.5 और पीएम10 का स्तर तेजी से बढ़ जाता है। दिल्ली के साथ-साथ नोएडा, गाजियाबाद, गुरुग्राम और फरीदाबाद भी अक्सर 'बहुत खराब' या 'गंभीर' श्रेणी में पहुँच जाते हैं। इस प्रदूषण से साँस और हृदय संबंधी बीमारियाँ बढ़ती हैं और बच्चों-बुजुर्गों पर इसका सबसे ज्यादा असर होता है। लगातार बढ़ते प्रदूषण ने दिल्ली-एनसीआर को वैश्विक स्तर पर अत्यधिक प्रदूषण प्रभावित क्षेत्र बना दिया है। इसी क्रम में हाल ही में शीर्ष अदालत ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) से दिल्ली-एनसीआर के स्कूलों को नवंबर-दिसंबर में प्रस्तावित खेल स्पर्धाएं स्थगित करने का निर्देश देने पर भी विचार करने को कहा है।

***सर्दी के मौसम में प्रदूषण बढ़ने के साथ हवा में माइक्रो प्लास्टिक का स्तर भी 14 से 71 प्रतिशत बढ़ जाता है। दरअसल, यह सब इसलिए हो रहा है क्योंकि सर्दियों में कूड़े का ठीक से प्रबंधन नहीं हो पाता***

# ऐसे तो गल जाएंगे दिल्ली के फेफड़े

**महारोग स्मॉग**

डॉ. घनश्याम बादल

स्वतंत्र पत्रकार

दिल्ली में क्लाउड सीडिंग के माध्यम से कृत्रिम बारिश का सपना टूट गया है। लगातार तीन दिन तक आकाश में क्लाउड सीडिंग करने के बावजूद एक बूंद भी बारिश नहीं हुई और दिल्ली वासी 400 से ऊपर एक क्यू आई यानी हवा की बहुत ख़राब क्वालिटी के साथ सांस लेने को मजबूर हैं। हालत इतनी ख़राब है कि 100 मीटर दूर की बिल्डिंग दिखाई नहीं दे रही है। दीपावली के बाद अक्सर दिल्ली में स्मॉग की समस्या आती रही है और इसके पीछे जहां दीपावली के पटाखों को जिम्मेदार ठहराया जाता है वहीं हरियाणा, पंजाब और उत्तर प्रदेश के किसानों द्वारा पराली जलाए जाने के आरोप लगाकर भी पल्ला झाड़ लिया जाता है जबकि असलियत यह है कि जिस तरह दिल्ली में परिवहन एवं वाहनों की स्थिति है उसके चलते आने वाले वर्षों में पूरे साल ऐसी ही स्थिति रहने वाली है और यदि कारगर उपाय नहीं किए गए तो फिर दिल्ली के फेफड़े खराब होने तय हैं। दिल्ली ही नहीं दूसरे व्यस्त महानगरों में भी भारी स्मॉग और कहर बरपा रही है। हर साल दिसंबर जनवरी के महीने कोहरे व स्मॉग के शिकार होते ही हैं। जितना बड़ा शहर उतना ही ज़्यादा स्मॉग और उससे ज़्यादा उससे उपजा संकट। इन दिनों में स्मॉग के चलते बीमार होने के साथ-साथ सड़क दुर्घटनाओं में भी न जाने कितनी जानें जाती हैं। रोज ही लाखों यात्री समय से अपने गंतव्य पर नहीं पंहुच पाते हैं। देश भर में यातायात प्रभावित होता है। प्रतिदिन कितनी ही ट्रेन व बसें तथा हवाई जहाजों की उड़ानें भी लेट होती हैं या फिर रद्द की जाती हैं। कोहरे के प्रकोप का तोड़ ढूंढ पाने हर प्रयास नाकाम सिद्ध हो रहा है। स्मॉग ज्यादातर औद्योगिक शहरी क्षेत्रों में जल कणों का कार्बन कणों तथा अन्य सूक्ष्म कणों के मिश्रण से अधिक तीव्रता से बनता है और ज्यादा देर तक बना रहता है। इसमें विभिन्न रसायनों के वाष्पकण मिल जाने से इसकी प्रकृति अम्लीय भी हो जाती है जो अधिक हानिकारक है। कुदरत से छेड़छाड़ की प्रवृत्ति सबसे बड़ी वजह है स्मॉग के कहर की। यदि सचमुच ही दिल्ली एवं दूसरे शहरों के लोगों को स्मॉग की मार से बचाना है तो हमें दलीय राजनीति एवं क्षुद्र स्वार्थ सबसे पहले छोड़ने होंगे। आज यह समय की मांग है कि हमें स्मॉग से पीड़ित शहरों एवं लोगों को राहत दिलाने के लिए उन सब कारणों को दूर करना जिनकी वजह से स्मॉग की समस्या उत्पन्न होती है। कुल मिलाकर यदि स्मॉग का हल नहीं ढूंढ पाए तो फिर यह तो तय है कि दिल्ली के फेफड़े जल्द ही ख़राब हो जाएंगे और दिल्ली ही क्यों हर उस नगर, महानगर की हालत ऐसी ही होना निश्चित है। इसलिए बेहतर हो कि समय रहते यथार्थ परक व्यवहारिक और गहन सोच वाले कदम उठाए जाएं।

***कुदरत से छेड़छाड़ की प्रवृत्ति सबसे बड़ी वजह है स्मॉग के कहर की। यदि लोगों को स्मॉग की मार से बचाना है तो हमें दलीय राजनीति सबसे पहले छोड़नी होगी***

# नकली बादल से हल नहीं होती वायु प्रदूषण की असली समस्या

**दो टूक**

पंकज चतुर्वेदी

स्वतंत्र पत्रकार

जब भीषण चक्रवात मोंथा ने सारे देश को भीगा दिया था और बादल दिल्ली के आसपास ही मंडरा रहे थे, वायु प्रदूषण से हताश दिल्ली महानगर पर नकली बरसात करवाकर हवा साफ करवाने का प्रयास असफल ही रहा। याद करें डेढ़ महीने पहले ही राजस्थान में कभी जयपुर के करीब विशाल झील रही और बीते दो दशक से पूरी तरह सूखी जमवा रामगढ़ की झील को भरने के लिए कृत्रिम बारिश के प्रयोग एक तमाशे से अधिक नहीं रहे। वहां कई बार ड्रोन उड़ाये और चार बार असफल रहने के बाद नाममात्र की बूंदें गिरी जिसने झील के तल को गीला तक नहीं किया। दिल्ली सरकार दीपावली के ठीक अगले दिन कृत्रिम बादल से पानी बरसाने की बात कर रही थी और यह होता तो एसिड रैन या तेजाब की बारिश एक बड़ी संभावना थी। कैसी विडंबना है कि समाज और सरकार दोनों के स्तर पर वायु प्रदूषण कम करने के कोई प्रयास होते नहीं, उलटे जब आतिशबाजी के धुएं से दम घुटने लगा तो तकनीक के बदौलत एक छद्म प्रयास किया जा रहा है। दिवाली के एक हफ्ते बाद भी दिल्ली-समग्र की कोई चार करोड़ जनसंख्या जिस वायु में सांस ले रही हैं, वह न केवल उनकी उम्र घटा रही है, बल्कि विभिन्न गंभीर बीमारियों के इलाज में खर्च से जेब में भी छेद कर रही है। सालों से चर्चा होती रही है कि इस शहर को गैस चेम्बर बनाने में सड़कों पर जाम, अनियोजित निर्माण से उड़ती धूल का बड़ा हिस्सा है। निरंकुश आतिशबाजी ने इसमें रासायनिक जहर को और जोड़ दिया और इस तरह से हवा को दूषित करने को काबू करने के कोई निर्णायक उपाय हो नहीं रहे। ऐसे में नकली बादलों का भ्रम एकबारगी आंकड़ों में भले हवा साफ दिखा दे, लेकिन हालात उससे भी बदतर होने की संभावना है। जिस कृत्रिम बरसात का झांसा दिया जा रहा है, उसकी तकनीक को समझना जरूरी है। इसके लिए हवाई जहाज से

**नकली बादलों का भ्रम एकबारगी आंकड़ों में भले हवा साफ दिखा दे, लेकिन हालात उससे भी बदतर होने की संभावना है। कृत्रिम बरसात की तकनीक को समझना जरूरी है।**

सिल्वर-आयोडाइड और कई अन्य रासायनिक पदार्थों का छिड़काव किया जाता है, जिससे सूखी बर्फ के कण तैयार होते हैं। असल में सूखी बर्फ ठोस कार्बन डाइऑक्साइड ही होती है। सूखी बर्फ के पिघलने से पानी नहीं बनता और यह गैस के रूप में ही लुप्त हो जाती है। यदि परिवेश के बादलों में थोड़ी भी नमी होती है तो यह सूखी बर्फ के कणों पर चिपक जाते हैं और इस तरह बादल का वजन बढ़ जाता है, जिससे बरसात हो जाती है। एक तो इस तरह की बरसात के लिए जरूरी है कि वायुमंडल में कम से कम 40 फ़ीसदी नमी हो, फिर यह थोड़ी सी देर की बरसात ही होती है। इसके साथ यह ख़तरा बना रहता है कि वायुमंडल में कुछ ऊंचाई तक जमा स्मॉग और अन्य छोटे कण फिर धरती पर आ जाएं। साथ ही सिल्वर आयोडाइड, सूखी बर्फ के धरती पर गिरने से उसके संपर्क में आने वाले पेड़-पौधे, पक्षी और जीव ही नहीं, नदी-तालाब पर भी रासायनिक ख़तरा संभावित है। वैसे भी दिल्ली के आसपास जिस तरह सीएनजी वाहन अधिक है, वहां बरसात नए तरीके का संकट ला सकती है। विदित हो सीएनजी दहन से नायट्रोजन ऑक्साइड और नाइट्रोजन की ऑक्सीजन के साथ गैसें जिन्हें 'आक्साईड आफ नाइट्रोजन' का उत्सर्जन होता है। चिंता की बात यह है कि "आक्साईड आफ नाइट्रोजन " गैस वातावरण में मौजूद पानी और ऑक्सीजन के साथ मिलकर तेजाबी बारिश कर सकती है। यह वैश्विक रूप से प्रामाणिक तथ्य है कि नकली तरीके से बरसात करवाना कई बार बहुत भारी पड़ता है, फिर उस दिल्ली एनसीआर में, जहां कुछ मिनट की बरसात से सड़कों पर नदी-नाले भरने से जाम होता है और यही जाम दिल्ली की हवा में सबसे अधिक जहर घोलता है। जाहिर है बरसात से जितना प्रदूषण कम नहीं होगा, उससे अधिक बरसात के कारण वाहनों के ठिठकने से उपजे धुएं से बढ़ेगा ही। कृत्रिम बारिश से होने वाली भारी बारिश से बाढ़ आ सकती है, जिससे जान-माल की हानि हो सकती है। प्रकृति को कोई भी नकली या बाहरी प्रयास बचा नहीं सकता। इसके लिए मानव को ही आत्म नियंत्रण करना होगा ताकि कम से कम हवा दूषित हो। कृत्रिम बरसात करवाना वैसा ही है जैसे नल की टोंटी कर पोंछा लगाने की कवायद।

# विकासशील देशों के लिए संकट बनी प्लास्टिक कचरे की सुनामी

**ई-कचरा**

प्रमोद भार्गव

स्वतंत्र पत्रकार

पर्यावरण पर वैश्विक निगरानी रखने वाली सिएटल स्थित संस्था 'बासेल एक्शन नेटवर्क' (बीएएन) की ताजा रिपोर्ट में जानकारी दी गई है कि अमेरिका से लाखों टन खराब इलेक्ट्रॉनिक सामग्री कई देशों में ठिकाने लगाने की दृष्टि से भेजी जा रही है। इनमें से अधिकांश दक्षिण पूर्व एशिया के विकासशील देश हैं। इन देशों में इस खतरनाक कचरे का सुरक्षित रूप से नष्ट करने का कोई उपाय नहीं है, इसलिए वे इसे लेने को तैयार नहीं हैं। बावजूद दस अमेरिकी बहुराष्ट्रीय कंपनियां प्रयोग की उम्र समाप्त कर चुके इलेक्ट्रॉनिक्स को एशिया और पश्चिमी एशिया के निर्धन देशों में ठिकाने लगा रही हैं। इसे ई-कचरे की छिपी हुई सुनामी माना जा रहा है।

रपट के अनुसार यह ई-कचरे की अदृश्य सुनामी है, क्योंकि ये विकासशील एवं गरीब देश इस कचरे का पुनर्चक्रण करने में समर्थ नहीं है। फिर भी ताकतवर पूंजीपति देश इन देशों को अपने कचरे का ठिकाना बनाने में बेहिचक लगे हुए हैं। अतएव पर्यावरण को हानि पहुंचाने वाली संस्थाओं को यह आकलन करना कठिन हो रहा है कि घातक कचरा जिन देशों में फेंका जा रहा है, वहां का वायुमंडल किस हद तक प्रभावित एवं प्रदूषित होगा। इसका वहां के लोगों के स्वास्थ पर कितना असर पड़ेगा, यह अंदाजा कोई नहीं लगा पा रहा है। इस कचरे में कंप्यूटर, लैपटॉप, टैबलेट, मोबाइल और अन्य आईटी उपकरण शामिल हैं। इनमें सीसा, कैडमियम और पारा जैसी सामग्रियां हैं, जो मूल्यावन होने के साथ विषाक्त हैं। जैसे-जैसे गैजेट्स नए मॉडल के साथ तेजी से बदले जा रहे हैं, वैसे-वैसे पुनर्चक्रित नहीं किया जाने वाला कचरा पांच गुना बढ़ता जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र के अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ और अनुसंधान शाखा (यूएनआईटीएआर) के अनुसार एकत्रित आंकड़े बताते हैं कि वैश्विक स्तर पर 2022 में 6.2 करोड़ मीट्रिक टन ई-कबाड़ उत्पन किया गया। 2030 तक इसके उत्पादन की मात्रा 8.2 करोड़ मीट्रिक टन हो जाने का अनुमान हैं। रपट के अनुसार हर महीने लगभग 2000 कंटेनरों में लगभग 33,000 मीट्रिक टन अमेरिका में इस्तेमाल किया गया। ई-कचरा अमेरिकी बंदरगाहों से बाहर भेजा जाता है। इन कंटेनरों की खेपों की आपूर्ति करने वाली कंपनियों को ई-कचरा ब्रॉकर कहा जाता है। ये आमतौर पर स्वयं कचरे का पुनर्चक्रण करने की बजाय इसे लाचार गरीब देशों के बंदरगाहों पर उतार देती हैं।

**पर्यावरण को हानि पहुंचाने वाली संस्थाओं को यह आकलन करना कठिन हो रहा है कि घातक कचरा जिन देशों में फेंका जा रहा है, वहां का वायुमंडल किस हद तक प्रभावित एवं प्रदूषित होगा।**

यह कचरा लगातार एशियाई देशों में कचरे के बोझ को बढ़ाकर कई तरह के पर्यावरणीय संकट पैदा कर जल-वायु और पृथ्वी को प्रदूषित कर रहा है। इस कचरे से घातक लैंडफिल गैसों का भी उत्सर्जन कुछ सालों के बाद होने लगता है। इनसे उत्पन्न जहरीला रसायन जल और मिट्टी को दूषित करता है। इस कचरे का बहुत बड़ा हिस्सा गरीब लोग अपनी आजीविका चलाने के लिए कबाड़खानों में पहुंचा देते हैं। यहां काम करने वाले मजदूर अक्सर बिना किसी सुरक्षा उपकरणों के उन्हें हाथों से जला एवं पिघला कर अलग कर खोलते हैं। इस प्रक्रिया विषाक्त धुआं निकलता है, जो अत्यंत हानिकारक होता है। बासेल एक्शन नेटवर्क की संधि के मुताबिक इस्तेमाल किए गए ई-कचरे को एक देश से दूसरे देश भेजने की अनुमति केवल ऐसे कचरे को हैं, जिसे पुनर्चक्रित करके पुनः इस्तेमाल किया जा सके और जो पर्यावरण को प्रदूषित नहीं करने वाला हो। लेकिन ये कंपनियां ऐसी किसी शर्त का पालन नहीं कर रही हैं। यही कारण है कि दुनिया में पुनर्चक्रण की तुलना में ई-कबाड़ में पांच गुना वृद्धि हो रही है। आज ई-कचरा,जिसमें बड़ी मात्रा में प्लास्टिक के उपकरण भी शामिल हैं,नष्ट करना भारत समेत दुनिया के देशों के लिए मुश्किल हो रहा है। इसे नष्ट करने के जैविक उपाय तलाशे जा रहे हैं। जापान के क्योटो विश्वविद्यालय ने एक ऐसे जीवाणु के अनुसंधान का दावा किया है,जो जैविक रूप से प्लास्टिक नष्ट कर सकता है। हालांकि भारत में यही काम औद्योगिक एवं प्रौद्योगिकी कचरे को नष्ट करने के लिए केंचुओं से कराया जा रहा है। औसतन एक टन ई-कचरे के टुकड़े करके उसे यांत्रिक तरीके से पुनर्चक्रित किया जाए तो लगभग 40 किलो धूल या राख जैसा पदार्थ तैयार होता है। इसमें अनेक कीमती धातुएं समाहित रहती हैं। इन धातुओं के पृथक्करण की प्रक्रिया मानव शरीर और पर्यावरण को हानि पहुंचाने वाली है, इसलिए इस हेतु बायो-हाइड्रो मेटलर्जिकल तकनीक कहीं ज्यादा बेहतर मानी जा रही है। इस तकनीक को अमल लाते वक्त सबसे पहले बैक्टीरियल लीचिंग प्रोसेस ; बायो लीचिंग का प्रयोग करते हैं। इसके लिए ई-कचरे को बारीक पीसकर उसे जीवाणुओं के साथ रखा जाता है। बैक्टीरिया में मौजूद एंजाइम कचरे में उपस्थित धातुओं को ऐसे यौगिकों में बदल देते हैं कि उनमें गतिशीलता पैदा हो जाती है। बायो-लीचिंग की विधि में जीवाणु कुछ विशेष धातुओं को अलग करने में मदद करते हैं। हालांकि कई प्रकार के जीवाणुओं और फफूंद का उपयोग प्रिंटेड सर्किट बोर्ड से सीसा, तांबा और टिन को अलग करने के लिए किया जाता रहा है। इस कचरे को जो कंपनियां जिन देशों में ठिकाने लगा रही हैं, वहां इस कचरे के निस्तारण संबंधी जैविक उपाय स्टार्टअप के रूप में बेरोजगारों को उपलब्ध करा दें तो गरीब देशों के युवाओं को रोजगार तो उपलब्ध होगा ही, दुनिया प्रदूषण मुक्त भी बनी रहेगी।

# बच्चे के जन्म से शुरू करें निवेश, 18 साल होने पर तैयार होगा 50 लाख का फंड

पढ़ाई से लेकर शादी तक, सबका खर्च बढ़ रहा है खर्च, क्या आप अपने बच्चे के भविष्य निर्माण के लिए तैयार हैं? यह सवाल इसलिए क्योंकि घर में बच्चे सबको प्रिय होते हैं। लेकिन बच्चों के सपनों को साकार करने के लिए बच्चे का आर्थिक भविष्य संवारने का काम सभी नहीं करते।

आमतौर पर देखा जाता है कि मा ता - पि ता अपने बच्चों की पढ़ाई या शादी जैसे लंबे लक्ष्यों के लिए उनके नाम पर ही एक अलग फंड बनाना पसंद करते हैं। यह फंड अक्सर जन्मदिन या खास मौकों पर मिली छोटी-छोटी रकम से शुरू होता है और फिर माता-पिता समय-समय पर इसमें नियमित रूप से पैसा जोड़ते रहते हैं। विशेषज्ञ भी इसे अच्छा तरीका मानते हैं। आज हम आपको बता रहे हैं म्यूचुअल फंड में चिल्ड्रेन फंड के बारे में।

**बच्चे की पढ़ाई और शादी की चिंता रहेगी दूर**

**भविष्य में अच्छे बिजनेस करने के लिए भी मिलेगा पैसा**

## निवेश का भरोसेमंद तरीका

चिल्ड्रन म्यूचुअल फंड के क्षेत्र में उदाहरण के लिए हम आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल चिल्ड्रन फंड को देखते हैं। यह एक ऐसी योजना है जिसका लंबा और भरोसेमंद रिकॉर्ड रहा है। इसने समय के साथ अच्छे रिटर्न दिए हैं। यह एक ओपन-एंडेड निवेश योजना है जो बच्चों के लिए बनाई गई है। इसमें कम से कम पांच साल का लॉक-इन होता है, या फिर जब बच्चा बालिग हो जाए, जैसा भी पहले हो। यह फंड इक्विटी और डेट दोनों प्रकार की संपत्तियों में निवेश करता है और जरूरत पड़ने पर बेंचमार्क से बाहर के विषयों में भी अवसर के अनुसार निवेश करने का फ्रीडम रखता है।

## उतार-चढ़ाव का असर भी कुछ हद तक कम होता

इस योजना की खासियत इसका बदलते हालात के मुताबिक ढलने वाला निवेश तरीका है। यह किसी एक तय निवेश फॉर्मूले पर अडिग नहीं रहती, बल्कि बाजार की स्थिति के अनुसार कभी बचाव की मुद्रा में तो कभी आक्रामक रुख अपनाती है। इससे फंड मैनेजर को समय-समय पर आर्थिक माहौल के हिसाब से उलट दिशा में भी कदम उठाने का अवसर मिलता है, जिससे पोर्टफोलियो में एक लचीलापन और जीवंतता बनी रहती है।

### बाजार के हिसाब से होता है काम

जब बाजार में स्थिरता की जरूरत हो, तो यह फंड अपनी हिस्सेदारी का करीब 35% तक डेट में ले जा सकता है। और जब माहौल अनुकूल हो, तो उसी तेजी से फिर इक्विटी में लौट भी सकता है। इससे एक तरफ बढ़त के अवसरों का लाभ मिलता है और दूसरी तरफ अनिश्चित समय में उतार-चढ़ाव का असर भी कुछ हद तक कम होता है। कुल मिलाकर, यह चिल्ड्रन फंड उन अभिभावकों के लिए एक बेहतर विकल्प बनकर उभरता है जो अपने बच्चों की निवेश योजना में लचीलापन, सक्रिय फैसले और लंबी अवधि की सोच इन तीनों का संतुलित मेल चाहते हैं।

### क्या है रिटर्न

अगर कोई व्यक्ति 31 अगस्त 2001 को आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल चिल्ड्रन फंड में 10 लाख रुपये निवेश किया होता तो 31 अक्टूबर 2025 तक यह राशि बढ़कर लगभग 3.3 करोड़ रुपये हो जाती। यह 15.58% की उल्लेखनीय वार्षिक कंपाउंडेड वृद्धि है। इसकी तुलना में, बेंचमार्क में ऐसा ही निवेश करीब 2.12 करोड़ का होता। यानी सीएजीआर 13.46 पर्सेंट का रिटर्न मिला है। इस फंड के एसआईपी रिटर्न भी कमाल के रहे हैं। अगर शुरुआत से हर महीने 10,000 रुपये की एसआईपी की जाती, तो कुल 29 लाख का निवेश 31 अक्तूबर, 2025 तक 2.2 करोड़ रुपये का हो जाता। अगर पिछले 15 साल से निवेश किया जा रहा है तो 18 लाख का योगदान बढ़कर 55.4 लाख रुपये तक पहुंच जाता। इसका मतलब 13.76 फीसदी सीएजीआर की दर से रिटर्न मिला। इसी अवधि में इसके बेंचमार्क का रिटर्न केवल 11.88 फीसदी है। पिछले एक, तीन और पांच साल में भी फंड ने लगातार अपने बेंचमार्क से बेहतर प्रदर्शन किया है।

## जल्दी निवेश करना क्यों है जरूरी

मान लीजिए कि किसी अभिभावक को अपने बच्चे के 18 साल का होने तक 50 लाख रुपये का कोर्पस तैयार करना है। अगर पहले माता-पिता (ए) ने बच्चे के जन्म के समय ही निवेश शुरू किया, तो 18 साल की अवधि में 12% की मान्य वृद्धि दर पर उन्हें हर महीने 6,598 रुपये निवेश करने होंगे। कुल मिलाकर 14.25 लाख रुपये का योगदान करना पड़ेगा। अगर दूसरे माता-पिता (बी) ने बच्चे के छह साल का होने पर निवेश शुरू किया, तो 12 साल की अवधि में उन्हें हर महीने 15671 रुपये लगाने होंगे। कुल योगदान 22.56 लाख रुपये का हो जाएगा। अगर तीसरे माता-पिता (सी) ने निवेश तब शुरू किया जब बच्चा 12 साल का हुआ, तो 12% की वृद्धि दर पर उन्हें हर महीने 47,751 रुपये लगाने होंगे और कुल योगदान 34.38 लाख रुपये तक पहुंच जाएगा। यानी लक्ष्य एक ही हो लेकिन देरी करने वालों को कहीं ज्यादा कीमत चुकानी पड़ती है। माता-पिता बी को ए की तुलना में 12.3 लाख और सी को 20.13 लाख रुपये अधिक निवेश करने पड़ेंगे। यही है निवेश में देरी की वास्तविक लागत। अंत में, बात फिर वहीं आती है। निवेश जितना जल्दी शुरू होगा, लंबे समय वाले इक्विटी निवेश की शक्ति उतनी ही प्रभावी होगी। माता-पिता चाहें तो बहुत सधी हुई रफ्तार से बच्चे के सपनों जैसा उज्ज्वल भविष्य गढ़ सकते हैं।

बिजनेस साइट

## श्री स्वास्तिक ग्रुपः प्रीमियम कमर्शियल प्रोजेक्ट 'प्राइम प्लाजा' की भव्य लॉन्चिंग आज

**रायपुर।** शहर के तेजी से विकसित हो रहे क्षेत्र में रियल एस्टेट की अग्रणी कंपनी श्री स्वास्तिक ग्रुप के विकसित किए जा रहे प्रीमियम कमर्शियल प्रोजेक्ट 'प्राइम प्लाजा' की भव्य लॉन्चिंग आज होने जा रही है। जैन पब्लिक स्कूल के सामने, डुमरतराई, धमतरी रोड पर स्थित यह प्रोजेक्ट आधुनिक व्यावसायिक ढांचे और अत्याधुनिक सुविधाओं का एक बेहतरीन संयोजन है। श्री स्वास्तिक ग्रुप के डायरेक्टर सुनील साहू ने कहा कि प्राइम प्लाजा का उद्देश्य व्यापारियों को ऐसा आधुनिक, सुरक्षित और सुविधाजनक स्पेस प्रदान करना है, जहां उनका व्यवसाय और निवेश दोनों नई ऊंचाइयों को छू सकें।

**शानदार लोकेशन में व्यवसाय करने का अवसर**

प्राइम प्लाजा को तेजी से विस्तार ले रहे व्यापारिक क्षेत्र थोक सब्जी मार्केट के निकट विकसित किया जा रहा है, जहां सीमित संख्या में उपलब्ध प्रीमियम शॉप्स और ऑफिस स्पेस निवेशकों व उद्यमियों के लिए आकर्षक अवसर प्रदान करते हैं। परियोजना को खासतौर पर आधुनिक व्यापारिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है, ताकि यहां स्थापित प्रत्येक व्यवसाय को बेहतर दृश्यता और सुगम संचालन का माहौल मिल सके।

**आधुनिक सुविधाओं से लैस प्रीमियम प्रोजेक्ट**

इस प्रोजेक्ट में हाई-टेक लिफ्ट, 24×7 पावर बैकअप, सीसीटीवी व एडवांस सिक्योरिटी सिस्टम, अंडरग्राउंड बिजली व ड्रेनेज सिस्टम, निरंतर पानी की सुविधा और पर्याप्त पार्किंग जैसी प्रीमियम सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। पूरी तरह सरकारी विभागों से अनुमोदित और रेरा-रजिस्टर्ड इस प्रोजेक्ट में अनेक प्रमुख बैंकों से फाइनेंस की सुविधा भी उपलब्ध है, जिससे निवेश और भी आसान हो जाता है।

**हर प्रकार के व्यवसायों के लिए उपयुक्त**

प्राइम प्लाजा की लोकेशन विभिन्न प्रकार के व्यवसायों के लिए अत्यंत उपयुक्त है। यहां फार्मेसी, ऑप्टिकल स्टोर, बुटीक, पार्लर/सैलून, फुटवियर, फोटो स्टूडियो, कैफे/फूड जोन, हार्डवेयर, स्टेशनरी, डेली नीड्स स्टोर, बुक स्टोर, कोचिंग क्लास, मेडिकल स्टोर, क्लिनिक, इलेक्ट्रॉनिक्स, सुपरमार्ट सहित विभिन्न प्रकार के शोरूम और ऑफिस आसानी से शुरू किए जा सकते हैं।

## वीआईटी ने क्यूएस सस्टेनेबिलिटी रैंकिंग 2026 में दर्ज की बड़ी छलांग

**वेल्लोर।** वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (वीआईटी) ने क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंगः सस्टेनेबिलिटी 2026 में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। विश्वविद्यालय ने भारत में 7वां और वैश्विक स्तर पर 352वां स्थान प्राप्त कर अपनी स्थिरता प्रयासों को सशक्त रूप से स्थापित किया है। पर्यावरणीय प्रभाव श्रेणी में वीआईटी ने 78.1 अंकों के साथ विश्व स्तर पर 194वीं रैंक हासिल की, जो इसे इस क्षेत्र में अग्रणी संस्थानों में शामिल करती है। यह प्रदर्शन पिछली रैंकिंग की तुलना में महत्वपूर्ण सुधार दर्शाता है, जहां वीआईटी ने 2025 के मुकाबले 44 स्थानों की छलांग लगाई है। उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए वीआईटी के चांसलर डॉ. जी. विश्वनाथन ने कहा कि वैश्विक शीर्ष 400 में स्थान विश्वविद्यालय की पर्यावरणीय जिम्मेदारी और सामाजिक कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

## इट्सा हॉस्पिटल में हार्ट के मरीज का सफल इलाज

**रायपुर।** इट्सा हॉस्पिटल के कंसल्टेंट इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. अक्षत जैन के नेतृत्व में एक जटिल हार्ट अटैक केस का सफल इलाज किया गया, राजिम के 50 वर्षीय सीआरएस तीव्र सीने के दर्द और हार्ट अटैक के लक्षणों के साथ इट्सा हॉस्पिटल पहुंचे। स्थानीय डॉक्टर के पहले ही हाई-डोज ब्लड थिनर्स दिए जाने के बावजूद, इट्सा की कार्डियक टीम ने तुरंत ईसीजी, इको और आपातकालीन एंजियोग्राफी की। रिपोर्ट में पता चला कि ब्लॉकेज कोलेस्ट्रॉल या कैल्शियम से नहीं, बल्कि एक बड़े खून के थक्के (थ्रोम्बस) से था, जिसका लगभग 50% हिस्सा दवाओं से पहले ही घुल चुका था। यह वह स्थिति थी, जहां कई अस्पताल सीधे एंजियोप्लास्टी कर देते, परंतु डॉ. अक्षत जैन ने मरीज के सर्वोत्तम हित में निर्णय लेते हुए किसी भी अनावश्यक प्रक्रिया से इनकार किया। टीम ने 48 घंटे तक आईवी ब्लड थिनर्स देकर मरीज की स्थिति की लगातार मॉनिटरिंग की। परिणाम बेहद सकारात्मक रहे और मरीज सुरक्षित रूप से डिस्चार्ज हुए और तीन महीने बाद उनकी ईसीजी व इको रिपोर्ट पूरी तरह सामान्य आई। बिना एंजियोप्लास्टी, बिना स्टेंट-सिर्फ सही दिशा में किया गया उपचार। यह मामला इट्सा हॉस्पिटल की ईमानदारी और डॉ. अक्षत जैन की विशेषज्ञता का उत्कृष्ट उदाहरण है।

सत्यमेव जयते
सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय
भारत सरकार

**सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग**
**वर्ष 2025-26 के लिए**
एससी तथा अन्य लाभवंचित समूहों के छात्रों हेतु
**मैट्रिक-पूर्व छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत छात्रवृत्तियों की घोषणा करता है।**

घटक 1: एससी छात्रों के लिए मैट्रिक पूर्व छात्रवृत्ति

| पात्रता | कार्य क्षेत्र | छात्रवृत्ति |
|---|---|---|
| ✔ एससी वर्ग से संबंधित छात्र<br>✔ माता-पिता / अभिभावक की वार्षिक आय **2.50** लाख रुपए से अधिक नहीं होनी चाहिए | ✔ मान्यता प्राप्त विद्यालयों के **कक्षा 9 तथा कक्षा 10** में अध्ययनरत छात्र<br>✔ लाभार्थियों का चयन राज्य सरकार/संघ राज्य क्षेत्र द्वारा किया जाएगा<br>✔ सबसे गरीब परिवारों के आवेदको को प्राथमिकता | ✔ प्रतिवर्ष डे स्कॉलर के लिए **3500/-** रुपए और हॉस्टलर के लिए **7000/-** रुपए का अकादमिक भत्ता<br>✔ दिव्यांग छात्रों (विशेष रूप से सक्षम) के लिए **10%** अतिरिक्त भत्ता |

घटक 2: अस्वच्छ एवं खतरनाक व्यवसाय में कार्यरत माता-पिता/अभिभावकों के बच्चों के लिए मैट्रिक पूर्व छात्रवृत्ति

| पात्रता | कार्य क्षेत्र | छात्रवृत्ति |
|---|---|---|
| ✔ छात्र जिनके माता-पिता/अभिभावक अस्वच्छ एवं खतरनाक व्यवसाय में कार्यरत हैं<br>✔ कोई आय सीमा पात्रता नहीं है | ✔ मान्यता प्राप्त विद्यालयों के **कक्षा 1 से कक्षा 10** में अध्ययनरत छात्र<br>✔ लाभार्थियों का चयन राज्य सरकार/संघ राज्य क्षेत्र द्वारा किया जाएगा<br>✔ सबसे गरीब परिवारों के आवेदको को प्राथमिकता | ✔ प्रतिवर्ष डे स्कॉलर के लिए **3500/-** रुपए और हॉस्टलर के लिए **8000/-** रुपए का अकादमिक भत्ता<br>✔ दिव्यांग छात्रों (विशेष रूप से सक्षम) के लिए **10%** अतिरिक्त भत्ता |

✔ छात्र के पास वैध **मोबाइल नम्बर, आधार नम्बर (यूआईडी), आधार से जुड़ा बैंक खाता, आय प्रमाण-पत्र, पिछले वर्ष की मार्कशीट तथा जाति प्रमाण-पत्र होना चाहिए।**

✔ योजना के दिशा-निर्देश तथा विस्तृत पात्रता मानदंड नीचे दिए गए लिंक पर उपलब्ध हैं।
**https://socialjustice.gov.in/schemes/23**

योजना के दिशा-निर्देशों के लिए QR कोड स्कैन करें

cbc38101/11/0037/2526

सत्यमेव जयते
सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय
भारत सरकार

**सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग**
**वर्ष 2025-26 के लिए**
एससी छात्रों हेतु मैट्रिकोत्तर छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत उच्चतर शैक्षिक अध्ययन हेतु
**अनुसूचित जाति वर्ग के छात्रों को छात्रवृत्तियाँ प्रदान करने की घोषणा करता है।**

| पात्रता | कार्य क्षेत्र | छात्रवृत्ति |
|---|---|---|
| ✔ माता-पिता / अभिभावक की वार्षिक आय **2.50** लाख रुपए से अधिक नहीं होनी चाहिए<br>✔ मान्यता प्राप्त संस्थानों/विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों/विद्यालयों में पाठ्यक्रमों का अध्ययन करने वाले छात्र | ✔ कक्षा **11** एवं उसके बाद वाले सभी मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम<br>✔ लाभार्थियों का चयन राज्य सरकारों / संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों द्वारा किया जाएगा<br>✔ सबसे गरीब परिवारों के आवेदको को प्राथमिकता | ✔ पूर्ण अप्रतिदेय शुल्क (ट्यूशन शुल्क सहित)<br>✔ प्रतिवर्ष **2500/-** रुपए से लेकर **13500/-** रुपए का अकादमिक भत्ता<br>✔ दिव्यांग छात्रों (विशेष रूप से सक्षम) के लिए **10%** अतिरिक्त भत्ता |

✔ छात्र के पास वैध **मोबाइल नम्बर, आधार नम्बर (यूआईडी), आधार से जुड़ा बैंक खाता, आय प्रमाण-पत्र, पिछले वर्ष की मार्कशीट तथा जाति प्रमाण-पत्र होना चाहिए।**

✔ योजना के दिशा-निर्देश तथा विस्तृत पात्रता मानदंड नीचे दिए गए लिंक पर उपलब्ध हैं।
**https://socialjustice.gov.in/schemes/25**

योजना के दिशा-निर्देशों के लिए QR कोड स्कैन करें

cbc38101/11/0036/2526

## बदल रहा मौसम का मिजाज

# बढ़ती गर्मी-घटती सर्दी

हालांकि इस वर्ष आने वाले दिनों के लिए कड़ाके की ठंड पड़ने की संभावना बताई जा रही है। लेकिन जिस तरह से मौसम का मिजाज वैश्विक स्तर पर बदल रहा है, उससे आगामी वर्षों में सर्दी की अवधि और उसकी तीव्रता घटती जाएगी। इसके उलट वर्षा कम होगी और गर्मी की तपिश बढ़ती जाएगी। इसके कई दुष्प्रभाव देखने को मिलेंगे। ऐसे में प्रभावी नीति बनाने के साथ सामूहिक प्रयास भी करने होंगे।

कवर स्टोरी
संजय श्रीवास्तव

सर्दी धीरे-धीरे बढ़ रही है। मौसम विभाग की ताजा भविष्यवाणी के अनुसार आने वाले दिनों में उत्तरी भारत में प्रबल शीत लहर की आशंका है। मौसम विज्ञानियों का कहना है कि इस साल जबरदस्त ठंड पड़ेगी। वजह होगी पर्याप्त वर्षा और अलनीनो प्रभाव। मगर क्या इस दौरान हम कड़कड़ाती सर्दियों वाले दिनों के लंबे दौर भी देखेंगे? यह भी आशंका है कि ठेठ ठिठुरन वाले दिन कुछ कम ही रहेंगे। सर्द रातों और ठंडी हवाओं का कम होना, केवल मौसम का प्रश्न नहीं बल्कि जीवन के संतुलन से भी जुड़ा है। यदि सरकारों ने वैज्ञानिक नीतियों को जनजीवन से जोड़ने की गति नहीं बढ़ाई और आम लोगों ने जरूरी सहभागिता नहीं की तो आने वाले वर्ष 2100 तक भारतीय उपमहाद्वीप का मौसम ऐसा होगा, जहां 'गर्मी ही सामान्य' और 'सर्दी एक दुर्लभ अनुभव' रह जाएगी।

### आने वाले वर्षों में घटेगी सर्दी

संयुक्त राष्ट्र संघ एन्वॉयर्नमेंटल पैनल ऑफ क्लाइमेट की रिपोर्ट बताती है कि 1980 से 2020 के बीच यानी चालीस सालों में बेहद ठंडी रातों और अत्यंत सर्द दिनों की संख्या में चार गुना की कमी आई है। ग्लोबल वार्मिंग के चलते जमीनी सतह का तापमान बढ़ने से बाकी दिनों में भी ठंड सामान्य ही रह रही है। ऐसे में घने कोहरे वाले दिन भी साल दर साल घट रहे हैं। यदि मौजूदा रुझान जारी रहा तो साल 2050 तक भारत में भीषण सर्दी वाले दिनों में 60 से 70 प्रतिशत की उल्लेखनीय गिरावट आने और गर्मी वाले दिनों में तीन गुना बढ़ोत्तरी की आशंका है।

### ठंड की अवधि होती जाएगी कम

नेचर पत्रिका के अध्ययन के अनुसार 2080 से 2100 के बीच गर्म दिनों और रातों की घटनाएं सात गुना तक बढ़ेंगी। इस कारण 'कड़ाके की ठंड के दिन' लगभग विलुप्त हो सकते हैं। फिलहाल यह तय है कि अब सर्दियां 'पिछली शताब्दियों जैसी लंबी और स्थायी' नहीं होंगी। ठंड की अवधि कुछ कम और तीव्रता अस्थाई रहेगी। अल्पकालिक मौसमी उतार-चढ़ाव बने रहने के साथ सर्दी में भी कभी-कभी बारिश, गर्मी और पश्चिमी विक्षोभ के जैसे मौसम के अतिरेकी तेवर देखने को मिलेंगे। पांच-सात दशकों के बाद सर्दी का लगभग लोप हो जाना भविष्य के लिए कितना विनाशकारी होगा, इसका अंदाजा भी भयावह है।

### बदल रहा है मौसम का चक्र

इस बात के संकेत अब स्पष्ट होने लगे हैं कि हिमालय से लेकर दक्षिण तक मौसम का पारंपरिक चक्र तेजी से बदल रहा है। भारत 'गर्मी प्रधान देश' बनने की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है।

उत्तराखंड में कई जगहों पर बीते एक-दो दशकों के बीच तापमान में सामान्यतः तीन डिग्री तक की बढ़त देखी गई है। कमोबेश यही हाल हिमाचल और कश्मीर का भी है। वैज्ञानिकों के अनुसार भारत में न्यूनतम तापमान प्रति दशक औसतन 0.2 डिग्री सेल्सियस की दर से बढ़ता जा रहा है। इसका मतलब है कि ठंडी हवाएं चलने की अवधि सिमटती जा रही है, जबकि गर्म रातें अब लंबी चलती हैं। इसका नतीजा यह है कि मिट्टी में नमी दिन-प्रतिदिन घट रही है। पेड़ कटने से हवा की नमी भी कम हो रही है। उधर जलस्रोत सूख रहे हैं, तो नदियों और पहाड़ी जलस्रोतों का पुनर्भरण कम हो रहा है और इसके चलते वर्षा चक्र अस्थिर हो गया है।

### फसलों पर दिख रहा असर

हिमालयी और पर्वतीय राज्यों में इसका असर अब साफ दिख रहा है। सेब, केसर और बागवानी की अन्य फसलें जो ठंडी रात-दिन के अंतर पर निर्भर हैं, उनका उत्पादन गिरने लगा है। सेब के फूल बिन मौसम खिल जा रहे हैं, तो उनके पकने और रसीले होने के लिए जो कड़क सर्दी चाहिए, वह उनको लगातार कुछ दिनों तक नहीं मिल रही, सो गुणवत्ता पर प्रभाव पड़ रहा है। किसान अब कम ऊंचाई पर 'ऊष्णकटिबंधीय फसलें', बाजरा और मक्का उगाने को मजबूर हैं, जिससे पहाड़ी कृषि की पारंपरिक पहचान मिटती जा रही है। फूलों और

औषधीय पौधों की जैवविविधता भी खतरे में है, उनकी रासायनिक गुणवत्ता, औषधीय प्रभावशीलता भी कम हो रही है, क्योंकि तापमान बढ़ने से परागण और फूलने का समय असंतुलित हो गया है, उनके रासायनिक संघटक बदल जा रहे हैं।

### स्वास्थ्य-पर्यावरण पर पड़ेगा असर

पर्यावरणविद और मौसम विज्ञानी दोनों इस बात पर सहमत हैं कि बदलते मौसम की वजह से नमी विहीन सूखी गर्म हवाओं की अवधि 2050 तक दोगुनी हो सकती है। यह बदलाव खेती किसानी से लेकर जीवन के लिए आवश्यक जैविक सूक्ष्मजीवों के पनपने में असंतुलन तो पैदा करेगा ही, साथ ही कीट-रोगों के फैलाव जैसी समस्याएं भी बढ़ेंगी। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार 2030 तक भारत में गर्मी से उपजी बीमारियों से मरने वालों की संख्या तीन गुना बढ़ सकती है। डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियां नए क्षेत्रों में भी पैर पसारेंगी। विशेष रूप से वृद्धजन, बच्चे और मजदूरी करने वाले सबसे अधिक जोखिम में हैं। जाहिर है इस प्रक्रिया से जनधन दोनों को बहुत नुकसान होगा। जंगलों में आग को भी इससे हवा मिलेगी। इस तरह सर्द रातों का घट जाना सिर्फ मौसम परिवर्तन नहीं बल्कि पारिस्थितिक संतुलन के अस्थिर होने का संकेत है।

### होगा भारी आर्थिक नुकसान

भीषण सर्दी वाले दिनों के दौर कम होने से पैदा जलवायु असंतुलन का सीधा नुकसान अर्थव्यवस्था और स्वास्थ्य तंत्र पर पड़ेगा। बताते हैं, वैश्विक तापमान में चार डिग्री सेल्सियस का इजाफा, अर्थव्यवस्था को 40 फीसदी कमजोर कर देगा। अनुमान है कि जलवायु आपदाओं के कारण देश को हर साल सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 2 फीसदी तक घट सकता है। अगर दुनिया वैश्विक तापमान में होती वृद्धि को दो डिग्री सेल्सियस पर सीमित रखने में सफल भी हो जाती है, तो इसकी वजह से प्रति व्यक्ति औसत जीडीपी में 16 फीसदी की गिरावट आ सकती है।

### बढ़ेंगी प्राकृतिक आपदाएं

घटती सर्दी, बढ़ती गर्मी के कारण श्रम उत्पादकता में कमी, जीडीपी को कम करेगी। फ्लैश फ्लड, बादल फटने एवं बाढ़ तथा भू-स्खलन की घटनाओं की संख्या और भयावहता दोनों बढ़ेंगी तो अवसंरचना को नुकसान होगा। इसका परोक्ष प्रभाव अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। *

### बनना होगा एन्वॉयर्नमेंटल कॉन्शस

एन्वॉयर्नमेंटल मैनेजमेंट की ताजा रिपोर्टों ने भारत की जलवायु को लेकर जो गंभीर चेतावनी दी है, उसके प्रति सरकार और जनमानस में कितनी चिंता है, इसके प्रति उनका सरोकार कैसा है यह तो निकट भविष्य में पता चलेगा। लेकिन अब समय आ गया है कि सरकारों को इसके लिए बहुस्तरीय तैयारी करनी होगी। शहरों में 'ग्रीन बेल्ट' और कूलिंग-कॉरिडोर नीति को अनिवार्यतः लागू करना होगा। पर्वतीय राज्यों में जलवायु अनुकूल कृषि, जल संरक्षण, ग्लेशियर तथा निगरानी प्रणालियां बढ़ानी होंगी। शहरी इलाकों में हरित आवरण, वर्षा जल संचयन और ऊर्जा दक्ष भवनों को बढ़ावा देना होगा। जलवायु परिवर्तनों को सह सकने वाली फसलों के अनुसंधान को बढ़ावा मिलना चाहिए। जंगलों की कटाई पर रोक लगे। पर्यावरणीय चेतना को प्राथमिकता दिए बिना इस आसन्न संकट से बचाव कठिन है।

हम जैसा भोजन करते हैं, उससे हमारे स्वास्थ्य पर ही नहीं पर्यावरण पर भी असर होता है। कई स्टडीज में साबित हुआ है कि प्लांट बेस्ड डाइट हैबिट, हमारी हेल्थ और पर्यावरण को सुरक्षित रखने में बहुत मददगार साबित हो सकता है। इस बारे में जानिए।

## प्लांट बेस्ड डाइट हैबिट

# स्वस्थ जीवन-सुरक्षित पर्यावरण

जीवनशैली
मोनिका सिन्हा

आज की तेज रफ्तार जीवनशैली में जहां जंक फूड, नॉनवेज फूड्स और अत्यधिक प्रिजर्व्ड फूड्स हमारी थाली का हिस्सा बन चुकी हैं, वहीं वैज्ञानिक शोध बार-बार यह सिद्ध कर रहे हैं कि प्लांट आधारित भोजन यानी पौधों से उत्पन्न होने वाली डाइट, हमारे स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी है। यह न केवल शरीर को पोषण देता है बल्कि गंभीर बीमारियों जैसे कैंसर, मधुमेह और हृदय रोगों का जोखिम भी काफी हद तक कम करता है।

**स्टडीज में हुआ खुलासा:** जुलाई 2024 में वी. वियालोन और उनके सह-लेखकों द्वारा प्रकाशित एक वैज्ञानिक रिपोर्ट में यह बताया गया कि जिन लोगों की जीवनशैली में धूम्रपान, अत्यधिक शराब सेवन, असंतुलित खान-पान और अनियमित नींद जैसी आदतें शामिल नहीं थीं, उनमें टाइप 2 डायबिटीज, कैंसर और हृदय संबंधी रोगों का खतरा बहुत कम पाया गया। यह अध्ययन 'स्वस्थ जीवनशैली सूचकांक' पर आधारित था और इसका उद्देश्य यह समझना था कि व्यक्ति की आदतें उसके दीर्घकालिक स्वास्थ्य पर कितना प्रभाव डालती हैं।

**कई बीमारियों से बचाए:** प्लांट बेस्ड डाइट के फायदों को जानने की दिशा में किए गए डॉ. डी सुब्रमणियन के एक रिसर्च पेपर में यह बताया गया कि पौधों पर आधारित आहार लेने वाले लोगों में कैंसर और हृदय संबंधी बीमारियों का खतरा बहुत कम होता है। इस अध्ययन में डेनमार्क, दक्षिण कोरिया, स्पेन और ब्रिटेन सहित कई देशों के लगभग चार लाख लोगों के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया। शोधकर्ताओं ने पाया कि जो लोग फलों, सब्जियों, साबुत अनाज, दालों और मेवों पर आधारित भोजन लेते हैं, उनमें 'मल्टीमॉर्बिडिटी' अर्थात एक साथ दो या अधिक दीर्घकालिक बीमारियों का खतरा, काफी घट जाता है। शोध में यह भी पाया गया कि प्लांट आधारित आहार इंसुलिन प्रतिरोध को कम करता है, जिससे शरीर में ग्लूकोज का स्तर नियंत्रित रहता है और मेटाबॉलिक बीमारियों पर काबू पाया जा सकता है।

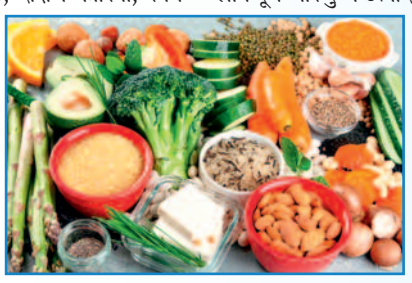

**कई पोषक तत्वों से होता है भरपूर:** पौधों पर आधारित आहार उच्च फाइबर, विटामिन, खनिज और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होता है, जो शरीर को बीमारियों से लड़ने की शक्ति देता है और कोशिकाओं को क्षति से बचाता है। अध्ययन से यह भी सिद्ध हुआ कि जो लोग नियमित रूप से फल, सब्जियां और अनाज का सेवन करते हैं, उनमें बीपी, कोलेस्ट्रॉल, स्ट्रोक, हृदयाघात और टाइप 2 डायबिटीज जैसी बीमारियों का खतरा बहुत कम होता है।

**होता है ईकोफ्रेंडली:** प्लांट आधारित भोजन का एक और बड़ा लाभ यह है कि यह पर्यावरण की दृष्टि से भी अत्यंत उपयोगी है। मीट, मछली और अंडे जैसे पशु आधारित भोजन की तुलना में पौधों पर आधारित भोजन से ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन बहुत कम होता है। इसका सीधा संबंध जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय संतुलन से है। हालांकि वैज्ञानिक दृष्टि से मेडिटेरेनियन आहार को दुनिया के कई देशों में स्वास्थ्यवर्धक माना जाता है, परंतु उसमें मछली और चिकन का उपयोग होता है। इसके विपरीत वीगन आहार में किसी भी पशु उत्पाद यहां तक कि दूध का भी उपयोग नहीं किया जाता। इस दृष्टि से प्लांट आधारित या वीगन आहार स्वास्थ्य के साथ-साथ नैतिक और पर्यावरणीय दृष्टि से भी अधिक उपयुक्त माना जाता है।

**करना चाहिए प्रोत्साहित:** अगर हम भारत की बात करें तो यहां लगभग 35 प्रतिशत लोग शाकाहारी हैं। वे अनाज, दालें, फल और सब्जियों को अपने भोजन में नियमित रूप से शामिल करते हैं। इनमें से कुछ लोग दूध और दुग्ध उत्पाद भी लेते हैं, जबकि लगभग 10 प्रतिशत लोग पूरी तरह वीगन डाइट लेते हैं। हालांकि चिंता की बात यह है कि भारत की शहरी आबादी का लगभग 16 प्रतिशत हिस्सा मधुमेह से पीड़ित है और ग्रामीण क्षेत्रों में भी प्री डायबिटीज के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। धूम्रपान, तंबाकू सेवन, अस्वस्थ खान-पान और शारीरिक निष्क्रियता इस समस्या को और गंभीर बना रही हैं। अब समय आ गया है कि हमारे नीति निर्माता, स्वास्थ्य विशेषज्ञ और आम नागरिक प्लांट आधारित आहार के महत्व को समझें। विद्यालयों, कार्यस्थलों और अस्पतालों में प्लांट आधारित भोजन को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। लोगों को यह बताया जाना आवश्यक है कि मांस और तले हुए भोजन की जगह ताजे फल, सब्जिया, दालें और साबुत अनाज को अपनी थाली में शामिल करना फायदेमंद है। वर्तमान समय में जब जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं, ऐसे में प्लांट आधारित भोजन केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन की आवश्यकता है। यह न केवल रोगों से बचाव करता है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और नैतिक जीवनशैली की दिशा में भी एक सशक्त कदम है। अब समय है कि हम अपने भोजन के प्रति सचेत हों। प्लांट आधारित भोजन को अपनाकर हम न केवल अपना स्वास्थ्य सुधार सकते हैं, बल्कि धरती को भी अधिक सुरक्षित और संतुलित बना सकते हैं। *

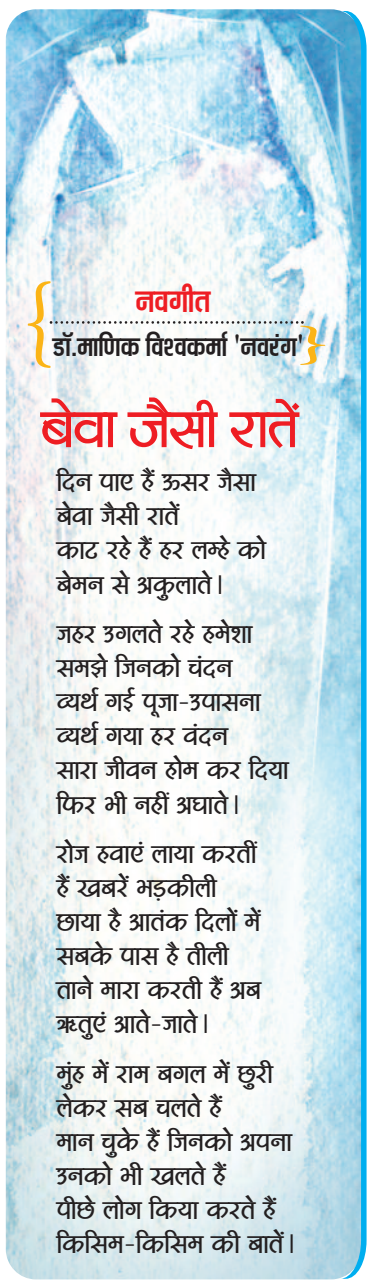

नवगीत
डॉ.माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

## बेवा जैसी रातें

दिन पाए हैं ऊसर जैसा
बेवा जैसी रातें
काट रहे हैं हर लम्हे को
बेमन से अकुलाते।

जहर उगलते रहे हमेशा
समझे जिनको चंदन
व्यर्थ गई पूजा-उपासना
व्यर्थ गया हर वंदन
सारा जीवन होम कर दिया
फिर भी नहीं अघाते।

रोज हवाएं लाया करतीं
हैं खबरें भड़कीली
छाया है आतंक दिलों में
सबके पास है तीली
ताने मारा करती हैं अब
ऋतुएं आते-जाते।

मुंह में राम बगल में छुरी
लेकर सब चलते हैं
मान चुके हैं जिनको अपना
उनको भी खलते हैं
पीछे लोग किया करते हैं
किसिम-किसिम की बातें।

लघुकथाएं

## कंपोस्ट

समाज सेवा के क्षेत्र में बृजेश जी के योगदान से प्रभावित वह उनसे मिलने उनके घर पहुंचा। लेकिन वहां पहुंचकर उसे बृजेश जी के व्यवहार और जीवनशैली में अलग ही रंग नजर आया।

दो सौ पांच .. दो सौ छह.. और यह दो सौ सात पता तो यही है, लेकिन यह मकान तो नहीं लग रहा।' मकान खोजते हुए मैं सोच रहा था। तभी नेमप्लेट पर नजर पड़ी- ब्रजेश आहूजा 'हम्म यही है।'

दरअसल, आठ-नौ वर्ष बाद मैं इस इलाके में आया था। इस बीच ये साधारण-सा घर न केवल सिंड्रेला की तरह कीमती लिबास पहन चुका था, बल्कि साथ वाले दो सौ आठ नंबर को डकार कर खासा मुटिया भी गया था। मकान की चार दीवारी के अंदर से झांकते अशोक के छोटे-छोटे पेड़ मानो, मुझे पहचानने की कोशिश कर रहे थे।

'जब मैं पिछली बार आया था तब तुम नहीं थे।' मैंने भी जतला दिया और घर के दरवाजे पर लगी घंटी बजा दी। ब्रजेश जी वर्षों से समाज-सेवा के लिए समर्पित हैं। गरीबों, बेसहारों और वंचितों के लिए तीन तो एनजीओ चलाते हैं, और इनके अतिरिक्त भी कई संस्थाओं के परामर्श-मंडल में शामिल हैं। आए दिन इस पुण्य कर्म हेतु पुरुस्कृत और सम्मानित भी होते रहते हैं। आज भी मैं अपनी संस्था द्वारा दिए जा रहे सम्मान का निमंत्रण लेकर ही उनके घर पर आया था।

गेट खुलने में ज्यादा देर नहीं लगी। खोलने वाला अशोक के पेड़ों से पुराना था, सो उसने आदर से अंदर आने के लिए कहा। अंदर घुसते ही मकान के वैभव से थोड़ी चमत्कृत-सी आंखें इधर-उधर टोहने लगीं तो बृजेश जी अपने बगीचे के एक कोने में खड़े नजर आए। शाम के छह बज रहे थे। एयर कंडीशनर की ठंडी हवा खाने के अरमान को जब्त करते हुए मैंने बृजेश जी का अभिवादन किया और अपने चेहरे पर उभर आया पसीना पोंछते हुए यह बोल ही दिया, 'बृजेश जी! इतनी गर्मी में घर से बाहर यहां?'

'अरे! आओ-आओ मित्र! हम तो सेवक ठहरे। हमारे लिए क्या गर्मी वर्मी, वैसे कंपोस्ट बना रहे हैं। सरकार तो अब जागी है, हम तो कब से पर्यावरण के लिए प्रयासरत हैं।' उन्होंने सगर्व कहते हुए अपने सामने खोदे गए लगभग तीन फीट गहरे और ढाई फीट चौड़े एक गड्ढे की ओर संकेत किया। तभी घर के अंदर से उनका बावर्ची एक थाली में सब्जियों और फलों के ढेर सारे छिलके लाया और उस गड्ढे में डाल कर चला गया। तब तक माली बगीची से बटोरी सूखी पत्तियां ले आया था। उसने वो पत्तियां उस गड्ढे में डालीं और फिर बृजेश जी के इशारे पर उस पर मिट्टी की एक मोटी परत लगा दी।

'ये जैविक कचरा भी न, बड़े काम का होता है। ये जो लहलहाती बगिया देख रहे हो न, ये इसी से बनी कंपोस्ट का कमाल हैं।' बृजेश जी मुझे बताने लगे। तभी, उनके सेकरेट्री ने एनजीओ के किसी विदेशी दानकर्ता के कॉल पर होने की सूचना देते हुए फोन उनके हाथों में पकड़ा दिया। वो फोन पर बात करते हुए 'हे..हे..' करते हंस रहे थे और मेरी नजर बगिया से हटकर अब उनकी आलीशान कोठी पर टिक गई थी। *

- शोभना श्याम

एआई इमेज

## सच्चाई

देखो नीलिमा, मुझे गांव जाना ही पड़ेगा। पिताजी इस दुनिया में नहीं रहे। उनके अंतिम संस्कार में तो नहीं जा पाया था लेकिन अब तेरहवीं में तो कम से कम जाना ही पड़ेगा। अरे भई, दुनिया को दिखाने के लिए जाना ही पड़ेगा। वरना लोग मुझे क्या कहेंगे? तुम बेबी के बर्थ-डे पार्टी को अच्छी तरह अरेंज कर लेना।'

तभी आठ वर्षीया बेबी वहां दौड़ती हुई आई और पापा से लिपटते हुए बोली, 'पापा आप कहां जा रहे हैं, मेरी बर्थ-डे पार्टी में आप नहीं रहेंगे क्या?'

यह सुनकर नीलिमा ने क्रोध भरे स्वर में कहा, 'तुम्हारे पापा अपने पिताजी की मरनी में जा रहे हैं। इन्हें तो हमारी कोई फिक्र ही नहीं है। अरे ऐसे व्यक्ति के मरने-जीने से हमें कोई मतलब नहीं रखना चाहिए। तुम्हारे पिताजी ने अपनी पूरी जमीन-जायदाद तुम्हारे छोटे भाई के नाम कर दी। तुम्हें क्या मिला? फिर भी तुम पिता की तेरहवीं में जाने के लिए परेशान हुए जा रहे हो।' अपने दादाजी के लिए मम्मी के मुंह से कटु वचन सुनकर बेबी को अच्छा नहीं लगा। वह रोते हुए अपनी मम्मी से बोली, 'दादाजी कितने अच्छे थे। एक बार यहां आए थे तो मुझे और चीकू भैया को कितना प्यार करते थे। हमें अच्छी-अच्छी कहानियां सुनाया करते थे। मैं भी पापा के साथ गांव जाऊंगी।'

नीलिमा ने गुस्से में कहा, 'बेबी तुम कहीं नहीं जाओगी। तुम्हारा बर्थ-डे है न। गांव में तुम्हारे पापा, चाचा सब देख लेंगे।'

'मम्मी, आप इसलिए नाराज हो न दादाजी से कि उन्होंने पापा को जमीन नहीं दिया। चाचू को सब दे दिया। पर दादाजी क्या करते। आप लोग तो दादाजी को यहां बुलाते भी नहीं थे, न ही गांव उनसे मिलने जाते थे। चाचू तो दादाजी को हॉस्पिटल ले जाते थे, उनकी अच्छी तरह देखभाल करते थे।'

कुछ ठहरकर बेबी ने बड़ी मासूमियत से पूछा, 'मम्मी, क्या पापा के मरने पर चीकू भैया भी नहीं आएंगे।' यह सुनकर बेबी के मम्मी-पापा अवाक रह गए। *

-डॉ. शैल चंद्रा

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

## प्रकृति से आबद्ध काव्याभिव्यक्तियां

वर्तमान हिंदी काव्य परिदृश्य में ज्ञानेंद्रपति, वरिष्ठतम पीढ़ी के प्रतिष्ठित कवियों में शामिल हैं। वह जीवन-संवेदना की जिस भावभूमि पर उतरकर कविता रचते हैं, उनकी अभिव्यक्ति दार्शनिक आख्यान बन जाती है। इस बात को प्रमाणित करती हैं, हाल में छप कर आए उनके नवीनतम कविता संग्रह 'प्रकृति और कृति' की कविताएं। यहां उनकी कविताओं में प्रकृति के तमाम घटक सहजता से आवाजाही करते हैं और हमें कुदरत को देखने का सर्वथा नवीन दृष्टिकोण प्रदान करते हैं। *'तुम चले गए/और तुम्हारे साथ मेरे जीवन का संगीत चला गया।'* (एक चिड़े के लिए अशोक गीत) और *'निफूले जीवन में भी/किसी फूल की सुगंध उठकर/नथुनों तक आती है/कभी कभी'* (चुपचाप) जैसी पंक्तियां इस बात का सघनता से अहसास कराती हैं कि प्रकृति से दूर होकर हमारा जीवन, निरंतर जीवंतता खोता जा रहा है। कितने मनोहारी और आनंदमयी अनुभूतियों से हम वंचित होते जा रहे हैं। कुछ कविताओं में वे बिल्कुल अलग तेवर में अपनी बात को पूरी सशक्तता से हमारे सामने रखते हैं। *'किताबें मनुष्यता की रीढ़ की उदग्र हड्डी बन चुकी हैं/ कोई भी अमानुषिक ताकत जिसे क्षत-विक्षत कर ले/क्षैतिज नहीं कर सकती।'* (मनुष्यता की रीढ़) *

**पुस्तक:** प्रकृति और कृति (कविता संग्रह),
**रचनाकार:** ज्ञानेंद्रपति, **मूल्य:** 350 रुपए,
**प्रकाशक:** राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

## जैकेट के शेष

### चिकित्सा शिक्षा की ....

अपना अस्पताल भी नहीं है। सभी सरकारी मेडिकल कालेजों में चिकित्सा शिक्षकों की कमी है और जिलों के मेडिकल कालेजों में सर्जरी की सुविधाएं नहीं हैं जिसकी वजह से भविष्य के डॉक्टरों को स्तरीय शिक्षा नहीं मिल पा रही। वहीं विद्यार्थियों के लिए हॉस्टल का अभाव भी बड़ी समस्या है।

राज्य में दस शासकीय मेडिकल कालेज संचालित है, मगर किसी भी कालेज में स्वीकृत सेटअप के अनुसार चिकित्सा शिक्षक नहीं हैं। कोरबा मेडिकल कालेज इंजीनियरिंग तो कांकेर और महासमुंद मेडिकल कालेज नर्सिंग कालेज के किराए के भवन में संचालित हो रहा है। खुद का अस्पताल नहीं होने की वजह से यहां के विद्यार्थी संबंधित जिला अस्पताल के भरोसे अपनी पढ़ाई पूरी कर रहे हैं। इतना ही नहीं, चिकित्सा शिक्षा के सफल संचालन के लिए दूसरी बड़ी दिक्कत विद्यार्थियों के हास्टल की है। रायपुर जैसे बड़े मेडिकल कालेज में हास्टल बनाने का काम चल रहा है और विद्यार्थियों को मोटी रकम देकर किराए के मकान में रहना पड़ रहा है।

**टेली क्लासेस सिस्टम लागू नहीं हुआ:** अन्य जिलों के मेडिकल कालेजों की पढ़ाई पूरी कराने के लिए रायपुर के शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय से टेली क्लासेस की योजना प्रारंभ की गई थी। इसमें ऑनलाइन तरीके से यहां के चिकित्सा शिक्षक विषय संबंधी व्याख्यान देते थे। इसमें बिलासपुर, अंबिकापुर, महासमुंद, दुर्ग, राजनांदगांव, कांकेर, कोरबा जैसे कालेजों को जोड़ने की योजना थी। प्रारंभिक दौर में कुछ कक्षाएं हुईं इसके बाद यह योजनाओं में रह गई।

### बस्तर के बाद ....

डाले हैं। तेलंगाना डीजीपी शिवधर रेड्डी के सामने कुल 37 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया जिनमें 3 स्टेट कमेटी सदस्य शामिल हैं। सरेंडर करने वालों में कोयदा सबैया उर्फ आजाद, अप्पासी नारायण उर्फ रमेश और दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी सदस्य व माड़वी हिड़मा का करीबी मुचाकी सोमडा उर्फ एर्रा भी शामिल हैं, एर्रा को लंबे समय से हिड़मा के सबसे भरोसेमंद साथियों में गिना जाता था। सरेंडर करने वालों में 3 स्टेट कमेटी सदस्य, 3 डिवीजनल कमेटी सदस्य, 9 एरिया कमेटी मेंबर और 22 पार्टी मेंबर शामिल हैं। इन सभी पर कुल 1,40,05,000 रुपए का इनाम घोषित था। समर्पित नक्सलियों ने अपने साथ अत्याधुनिक हथियार भी पुलिस को सौंपा है। इन हथियारों में एक एके 47 रायफल, दो एसएलआर, चार 303 रायफल व अन्य हथियार शामिल हैं।

**पुनर्वास योजनाओं का मिलेगा लाभ :** तेलंगाना स्टेट के डीजीपी शिवधर रेड्डी ने कहा कि यह सरेंडर माओवादियों की दक्षिण बस्तर व तेलंगाना सीमा पर कमजोर होती पकड़ का बड़ा संकेत है। विशेष रूप से हिड़मा के नेटवर्क में सक्रिय एर्रा का आत्मसमर्पण संगठन के लिए बड़ा मनोबल गिराने वाला माना जा रहा है। सुरक्षा एजेंसियां इसे माओवादी संगठन के भीतर बढ़ते अविश्वास और लगातार दबाव की परिणति बता रही हैं। तेलंगाना पुलिस का दावा है कि भविष्य में और बड़े स्तर पर सरेंडर की संभावनाएं हैं। इसके साथ ही राज्य सरकार ने सरेंडर करने वालों को पुनर्वास योजनाओं का लाभ देने की घोषणा की है। इस सामूहिक आत्मसमर्पण से दंडकारण्य क्षेत्र में नक्सली गतिविधियों पर बड़ा प्रभाव पड़ने की संभावना जताई जा रही है। तेलंगाना में 11 महीने में कुल 465 माओवादियों ने सरेंडर किया है।

### समर्पित नक्सलियों में ....

इसकी जानकारी देकर ही आए हैं। राज्य समिति सदस्यों में कोइयाडा उर्फ आजाद के अलावा अप्पासी नारायण अलियाज उर्फ रमेश व मुचाकी सोमडा उर्फ एर्रा भी शामिल है।

### एक बड़ा कदम-आईजी...

इच्छा को दर्शाता है। यह न केवल क्षेत्र में स्थिरता को मजबूत करेगा बल्कि माओवादी संगठन में फंसे अन्य लोगों को भी विकास, सम्मान और वैधानिक नागरिक जीवन की राह अपनाने के लिए प्रेरित करेगा। उन्होंने कहा कि सरकार, बस्तर पुलिस और स्थानीय प्रशासन की ओर से हम हिंसा छोड़कर मुख्यधारा में लौटने वाले प्रत्येक कैडर के सुरक्षित और सुगम सामाजिक पुनर्वास को सुनिश्चित करने के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध हैं।

### नई दुनिया के संपादक ....

कर रही था। इस घटना से मीडिया जगत में शोक व्याप्त है हरिभूमि के प्रधान संपादक डा. हिमांशु द्विवेदी ने शोक जताते हुए परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट की है। बताया जा रहा है कि परपा थाना क्षेत्र स्थित हाईवे इन ढाबा के सामने यह हादसा दोपहर लगभग 3 बजे हुआ, जब मेडिकल स्टूडेंट अंकित दानी निवासी भिलाई सेक्टर 7 और आली श्रीवास्तव, निवासी रायपुर जगदलपुर से मेकाज आ रहे थे। इसी दौरान ढाबा के सामने आयरन ओर से लदे ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक के परखच्चे उड़ गए, वहीं चालक अंकित की मौके पर ही मौत हो गई। पीछे बैठी आली श्रीवास्तव को गंभीर स्थिति में डिमरापाल मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां उसने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। घटना की जानकारी लगते ही मेडिकल छात्रों व डॉक्टरों का जमावड़ा अस्पताल में लग गया। बताया जा रहा है कि दोनों मृतक मेडिकल कॉलेज डिमरापाल में वर्ष 2021 बैच के थे। घटना जानकारी कैम्पस में लग गई और सीनियर डॉक्टरों व सहपाठियों का अस्पताल आना शुरू हो गया।

### आज होगा पीएम....

सूचना दे दी गई है। रविवार को पीएम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द किया जाएगा।

## पेज एक के शेष

### जी-20 की टूटी परंपरा, अमेरिका ...

में एक संयुक्त घोषणापत्र पारित किया। दरअसल, जोहानसबर्ग में आयोजित जी20 शिखर सम्मेलन का अमेरिका ने बहिष्कार किया है। इसके पीछे मेजबान दक्षिण अफ्रीका के साथ अमेरिका के राजनयिक मतभेद को कारण बताया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने कहा कि अमेरिका ने संयुक्त घोषणापत्र के शब्दों पर आपत्ति जताई है। हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि जलवायु परिवर्तन को लेकर पारित घोषणापत्र पर फिर से बातचीत नहीं की जा सकती है। राष्ट्रपति रामफोसा के दिए इस बयान से वॉशिंगटन और प्रिटोरिया के बीच जारी तनाव को उजागर किया है। शिखर सम्मेलन में अपना संबोधन देते हुए दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने संयुक्त घोषणापत्र के लिए व्यापक सहमति को स्वीकार किया और कहा, हमें इस शिखर सम्मेलन की शुरुआत में ही घोषणापत्र को स्वीकार करना चाहिए। रामफोसा के प्रवक्ता विंसेंट मैग्वेन्या ने कहा कि घोषणापत्र को शिखर सम्मेलन की कार्यवाही की शुरुआती दौर में असामान्य रूप से स्वीकार कर लिया गया और यह कदम इस मिले जबरदस्त समर्थन के कारण उठाया गया। जोहान्सबर्ग में 'उबंटू' का दर्शन अपनाया गया है। इसका मतलब है- 'मैं हूं, क्योंकि हम हैं'। यानी अब अमेरिका या यूरोप अपनी मनमानी करके और दूसरों को कुचलकर आगे नहीं बढ़ सकते। इस समिट में साफ कर दिया गया है कि अगर एक भी देश पीछे छूटा, तो पूरी दुनिया हार जाएगी। यह आर्टिकल आपको बताएगा कि कैसे विकासशील देशों ने एकजुट होकर पश्चिम की आर्थिक और कूटनीतिक दादागिरी को चुनौती दी है।

### आतंकवाद को खत्म करने रोकनी पड़ेगी फेंटेनिल ...

मुकाबले का प्रस्ताव भी पीएम ने रखा है। यहां बता दें कि फेंटेनिल वही ड्रग है, जिसे लेकर बीते वक्त में अमेरिका ने कुछ भारतीय कंपनियों पर भी प्रतिबंध लगाया था। सम्मेलन में जो तीन अन्य प्रस्ताव प्रधानमंत्री ने रखे। उनमें भारत का वैश्विक परंपरागत ज्ञान कोष, अफ्रीका में कौशल को बढ़ावा देने के लिए गुणक कदम, अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य देखभाल प्रतिक्रिया टीम का गठन किया जाना मुख्य हैं। संस्थापक के बहिष्कार से कोई घबराहट नहीं: इस साल जी-20 के संस्थापक सदस्य और अगले अध्यक्ष अमेरिका और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दक्षिण अफ्रीका में हुए इस सम्मेलन का बहिष्कार किया है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग भी इसमें शामिल नहीं हुए। ट्रंप ने राष्ट्रपति रामफोसा को आयोजन के अंत में संयुक्त घोषणापत्र की बजाय एक बयान जारी करने के लिए कहा है। जिसे दक्षिण-अफ्रीका के राष्ट्रपति ने मानने से इंकार कर दिया है। साथ ही वह अमेरिका को ये भी साफ कर चुके हैं कि उनका देश किसी से डरने वाले या दबाव में आने वाले नहीं है। सम्मेलन के अंत में अमेरिका के सरकारी प्रतिनिधियों को जी-20 की बैटन या अन्य दस्तावेज सौंपने के लिए भी दक्षिण-अफ्रीका तैयार नहीं है। वहीं, 22 नवंबर को आयोजन स्थल पर दक्षिण-अफ्रीका के राष्ट्रपति ने पीएम मोदी का जोरदार अंदाज में स्वागत किया। दोनों नेता कुछ देर तक एक दूसरे से हाथ मिलाते हुए मुस्कुराते हुए नजर आए। प्रधानमंत्री ने इस शानदार आयोजन और समूह की सफल अध्यक्षता के लिए राष्ट्रपति रामफोसा को बधाई दी। एक्स पोस्ट में उन्होंने कहा, दक्षिण अफ्रीका की अध्यक्षता में स्किल्ड माइग्रेशन, पर्यटन, खाद्य सुरक्षा, एआई, डिजिटल अर्थव्यवस्था, नवाचार व महिला जागरूकता जैसे विषयों पर सराहनीय काम हुआ है। नई दिल्ली में जी-20 सम्मेलन में जो ऐतिहासिक लिए गए थे। उन्हें यहां आगे बढ़ाया गया है। आतंकवाद को फाइनेंस करने का माध्यम फेंटेनिल: प्रधानमंत्री ने कहा कि आतंकवाद और उसे बढ़ावा देने के लिए मादक पदार्थों की तस्करी दुनिया के सामने खड़ा एक और बड़ा मुद्दा है। जिसमें फेंटेनिल जैसे अति घातक ड्रग्स बड़ी तेजी से फैल रहे हैं। यह सार्वजनिक स्वास्थ्य, सामाजिक स्थिरता और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती बन गया है। फेंटेनिल वर्तमान में आतंकवाद को वित्तीय मदद प्रदान करने यानी फाइनेंस करने का भी एक बड़ा माध्यम है। भारत ने इस वैश्विक खतरे का प्रभावी ढंग से मुकाबला करने के लिए प्रस्ताव रखा है। जिसके तहत हम आतंकवाद का वित्तपोषण, प्रशासन और सुरक्षा से जुड़े विभिन्न माध्यमों को एक साथ ला सकते हैं। मेरा मानना है कि तभी मादक पदार्थ-आतंकी अर्थव्यवस्था को कमजोर किया जा सकता है।

### नशेड़ी ने पत्नी की हत्या ..

विवाद बढने पर उसने डंडे व सिलबट्टे से देवकुमारी पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया, जिससे घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। मृतका के साथ मारपीट करने के दौरान उसका छोटा बेटा घर में ही मौजूद था जबकि दो बेटे अन्यत्र गए थे। छोटा बेटा बीच बचाव की कोशिश करने लगा तो नशेड़ी पिता उसपर भी हमला करने लगा। उसने घर से बाहर भागकर अपनी जान बचाई। पत्नी की हत्या करने के बाद उसने उसकी लाश को पास के कुएं में फेंक दिया तथा ऊपर से पुआल से ढंक कर फरार हो गया। बड़े भाई के घर पहुंचने पर छोटे भाई ने घटना की जानकारी दी। शनिवार की सुबह परिवार के सदस्यों के साथ मृतका का बेटा उसकी लाश को तलाश रहा था। इस दौरान घर के कुएं में पुआल भरा होने पर उसे संदेह हुआ। पुआल हटाने पर मृतका की लाश दिखी तो परिजन ने घटना की सूचना पुलिस को दी।

### दावा: 99 फीसदी वोटरों को बांटे ...

द्वारा जिन स्थानों पर वितरण किया गया है, उसे लेने दोबारा नहीं पहुंच रहे हैं। रायपुर के साथ ऐसे हालात प्रदेशभर के हैं। वितरण करने बीएलओ को बूथ वाइस जिम्मा दिया गया है। 4 नवंबर से वितरण शुरू हुआ, लेकिन एक पखवाड़ा बीतने के बाद लोगों तक गणना पत्रक नहीं पहुंचा है।

प्रदेश में राज्य निर्वाचन आयुक्त के निर्देश पर 63 हजार 439 बीएलओ एसआईआर की प्रक्रिया को पूरा करने में जुटे हुए हैं। सभी विधानसभा में बूथवार गणना पत्रक का वितरण कर फार्म वापस लेने की जिम्मेदारी बीएलओ की है। रायपुर में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण के लिए बीएलओ मतदाताओं के घर-घर पहुंच रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार रायपुर जिले में अबतक करीब 85 प्रतिशत गणना प्रपत्र वितरित किए जा चुके हैं। मिली जानकारी के अनुसार जिले में कुल 18,92,523 पात्र मतदाता हैं, जिनमें 16,08,644 को अबतक गणना प्रपत्र वितरित किए जा चुके हैं।

**31 प्रतिशत डिजिटलाइजेशन :** गणना पत्रक के वितरण के बाद इन प्रपत्रों के संग्रहण और डिजिटलाइजेशन का कार्य प्रगति पर है। अब तक लगभग 65 लाख से अधिक गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन पूर्ण हो चुका है, जो प्रदेश के 2 करोड़ 12 लाख 30 हजार 737 पंजीकृत मतदाताओं का लगभग 31 प्रतिशत है। तय फार्मेट में चुनाव आयोग मतदाताओं का वेरिफिकेशन करा रहा है। इसमें 2003 में हुई एसआईआर के आधार पर वर्तमान मतदाता के माता-पिता, परिजनों, रिश्तेदारों की मतदाता सूची संख्या के आधार पर वेरिफिकेशन किया जा रहा है।

**मांगी जा रही यह जानकारी :** एसआईआर वर्ष 2003 के मतदाता सूची को आधार मानकर की जा रही है। मतदाताओं से इसकी जानकारी मांगी जा रही है।मतदाता के लिए दुष्कर काम है। बीएलओ व चुनाव कार्यालय आदि में संपर्क करने पर यह अवगत करा रहे हैं कि जिनके द्वारा फार्म नहीं भरा जाएगा उसका नाम मतदाता सूची से कट जाएगा। 2003 में जन्मे व वर्तमान में मतदाता को अपने दिवंगत माता-पिता एवं मतदान, मतदाता सूची की जानकारी मांगी जा रही है।

### धरसींवा और अभनपुर ..

माना जा रहा है कि सभी बीएलओ एक दो दिनों में विरतण पूरा कर लेंगे। रायपुर ग्रामीण और उत्तर विधानसभा क्षेत्र में वितरण का काम धीमा है। बीएलओ से कहा गया है कि वितरण कार्य जल्द करें।

## कांग्रेस सांसद ने शेयर की क्लिप

# 'लोकतंत्र को ऐसे ही काम करना चाहिए' ट्रंप-ममदानी की मुलाकात पर बोले थरूर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने शनिवार को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की न्यूयॉर्क सिटी के मेयर जोहरान ममदानी के साथ बैठक पर प्रतिक्रिया दी है। हालांकि, न्यूयॉर्क में मेयर पद के चुनाव से पहले ट्रंप और ममदानी दोनों ने एक-दूसरे पर निशाना साधा था, लेकिन शुक्रवार को व्हाइट हाउस में उनके बीच हुई बैठक सौहार्दपूर्ण रही।

शशि थरूर ने इस मीटिंग की एक क्लिप शेयर करते हुए कहा, 'लोकतंत्र को इसी तरह काम करना चाहिए', साथ ही उन्होंने कहा कि वह भारत में इसे और ज्यादा देखना पसंद करेंगे। थरूर ने कहा, 'चुनावों में अपने दृष्टिकोण के लिए पूरे जोश से लड़ें, बिना किसी बयानबाजी की रोक-टोक के। लेकिन एक बार चुनाव खत्म हो जाए और लोग अपनी बात कह दें, तो उस राष्ट्र के साझा हितों में एक-दूसरे के साथ सहयोग करना सीखें जिसकी सेवा करने का आप दोनों ने संकल्प लिया है।' उन्होंने आगे कहा कि वह भारत में भी यही समीकरण बनाने की कोशिश कर रहे हैं।



### ममदानी की तारीफ की

ट्रंप ने ममदानी की जीत की सराहना की और जोर देकर कहा कि वह चाहते हैं कि आने वाले मेयर सफल हों। राष्ट्रपति ने कहा, 'वह जितना बेहतर करेंगे, मुझे उतनी ही खुशी होगी। हम दोनों में एक बात समान है, हम चाहते हैं कि हमारा यह शहर, जिसे हम प्यार करते हैं, अविश्वसनीय रूप से अच्छा प्रदर्शन करे।' ममदानी ने भी मीटिंग को प्रोडक्टिव बताया और कहा कि हमने किराया, राशन, बिजली बिल और रहने की बढ़ती कीमतों पर बात की। हम दोनों न्यूयॉर्क के 85 लाख लोगों के लिए जीवन को सस्ता बनाना चाहते हैं।

### दोनों माने जाते हैं धुर विरोधी

बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को व्हाइट हाउस में न्यूयॉर्क सिटी के मेयर जोहरान ममदानी का गर्मजोशी से स्वागत किया। राजनीतिक रूप से एक-दूसरे के धुर विरोधी माने जाने वाले दोनों नेताओं ने इस मुलाकात में क्राइम, माइग्रेशन, सिक्योरिटी और हाउसिंग जैसे मुद्दों पर सहयोग की प्रतिबद्धता जताई।

### न्यूयार्क के बने हैं मेयर

*जोहरान ममदानी का जन्म 1991 में युगांडा की राजधानी कंपाला में हुआ था। उनके पिता कोलंबिया यूनिवर्सिटी के जाने-माने प्रोफेसर रह चुके हैं। जोहरान के पिता महमूद ममदानी केपटाउन विश्वविद्यालय में प्रोफेसर थे। ममदानी की मां भारतीय-अमेरिकी फिल्म निर्देशक मीरा नायर हैं। ममदानी को वर्ष 2018 में अमेरिकी नागरिकता मिली। भारतीय मूल के डेमोक्रेट पार्टी के उम्मीदवार जोहरान ममदानी ने इस महीने की शुरुआत में न्यूयॉर्क सिटी मेयर का चुनाव जीत लिया था। इस महत्वपूर्ण मेयर चुनाव में जोहरान ममदानी का मुकाबला निर्दलीय उम्मीदवार पूर्व गवर्नर एंड्र्यू कुओमो और रिपब्लिकन उम्मीदवार कर्टिस स्लीवा से था। जोहरान ममदानी की मां भारतीय मूल की फिल्मकार मीरा नायर हैं।*

# पांच लाख में खरीदी एके-47 डीप फ्रीजर में रखे विस्फोटक

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

■ दिल्ली ब्लास्ट की जांच में बड़ा खुलासा

दिल्ली में 10 नवंबर को हुए आत्मघाती कार ब्लास्ट की जांच में खुफिया एजेंसियों को कई चौंकाने वाले सबूत मिले हैं। जांच में कई बड़े खुलासे हुए हैं। आतंकी मॉड्यूल द्वारा पांच लाख रुपये से अधिक कीमत में एके-47 राइफल की खरीद और विस्फोटकों को रखने के लिए डीप फ्रीजर का इस्तेमाल किया था। सूत्रों के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी डॉ. मुझम्मिल ने फरीदाबाद से पकड़े जाने से पहले 2,500 किलोग्राम से अधिक अमोनियम नाइट्रेट जुटाया था और इसके साथ ही पांच लाख से ज्यादा में एके-47 राइफल खरीदी थी। यह हथियार बाद में आरोपी अदील के लॉकर से बरामद किया गया। एक खुफिया अधिकारी के अनुसार, यह हथियार खरीद इस मॉड्यूल की तैयारी और फंडिंग के स्तर को दिखाती है।

### बम बनाने का वीडियो

खुफिया अधिकारियों ने बताया कि डॉ. उमर बम बनाने के वीडियो, मैनुअल और ओपन-सोर्स कंटेंट ऑनलाइन देख रहा था। उसने बम बनाने में इस्तेमाल होने वाले रसायन नूंह समेत कई जगहों से खरीदे, जबकि इलेक्ट्रॉनिक पाट्र्स के भागीरथ पैलेस और फरीदाबाद के एनआईटी मार्केट से जुटाए। जांच में यह भी सामने आया है कि उमर ने विस्फोटक मिश्रण को स्टोर और प्रोसेस करने के लिए एक डीप फ्रीजर खरीदा था। एक अधिकारी ने बताया कि फ्रीजर का इस्तेमाल मिश्रण को स्थिर और प्रोसेस करने के लिए किया गया। जो यह दिखाता है कि तैयारी कितनी व्यवस्थित और तकनीकी थी।

### सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल का नेटवर्क

सूत्रों के अनुसार, इस सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल के प्रत्येक आरोपी का अलग-अलग हैंडलर से संपर्क था। डॉ. मुजम्मिल का हैंडलर अलग था, जबकि ब्लास्ट के आरोपी डॉ. उमर किसी दूसरे हैंडलर को रिपोर्ट कर रहा था। दो खास हैंडलर, मंसूर और हाशिम के नाम सामने आये हैं, जो एक सीनियर हैंडलर के अंडर काम कर रहे थे, जिसके बारे में बाताया जा रहा है कि वह मॉड्यूल की सारी गतिविधियों पर नजर बनाए हुए था। खुफिया एजेंसियों का मानना है कि मॉड्यूल कई स्थानों पर विस्फोटक जमा कर एक साथ कई हमलों की योजना बना रहा था। अब तक बरामद सामग्री और डिजिटल साक्ष्यों से यही संकेत मिल रहे हैं।

# देश में तमिल भाषा सीखने पर जोर देगी सरकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

■ काशी तमिल संगमम' का होगा आयोजन

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय अगले महीने 2 दिसंबर को काशी तमिल संगमम (केटीएस) के चौथे संस्करण का आयोजन करेगा। तमिलनाडु और काशी के बीच मौजूद गहरे सभ्यतागत संबंधों का उत्सव मनाने से जुड़ी ये अनोखी पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन पर आधारित है। 2025 में इसकी थीम (विषय) 'तमिल सीखें, तमिल करकलम' रखी गई है। जिसका उद्देश्य पूरे देश में तमिल भाषा सीखने को बढ़ावा देना है।

मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि केटीएस-4.0 उत्तर और दक्षिण भारत के दोनों क्षेत्रों के बीच सभ्यतागत, सांस्कृतिक, भाषाई और लोगों के बीच संबंधों का सम्मान करता है। जिसमें एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना साफ तौर पर झलकती है। कार्यक्रम का आयोजन आईआईटी मद्रास और बीएचयू काशी के समन्वय से किया जाएगा। साथ ही उत्तर प्रदेश सरकार सहित कई अन्य केंद्रीय मंत्रालयों की भी भागीदारी रहेगी। पर्यटन एवं संस्कृति, आईएनबी, कपड़ा, खाद्य प्रसंस्करण, उद्योग, एमएसएमई जैसे केंद्रीय मंत्रालय मुख्य हैं। ये आयोजन सांस्कृतिक आदान-प्रदान, भाषाई संवर्धन, ज्ञान साझाकरण से राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ बनाने की केंद्र की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

### तमिलनाडु से शामिल होंगे 1400 प्रतिनिधि

तमिलनाडु से केटीएस में सात अलग-अलग श्रेणियों (छात्र, शिक्षक, लेखक-मीडिया पेशेवर, कृषि, पेशेवर-कारीगर, महिलाएं, आध्यात्मिक विद्वान और अभ्यासी) में कुल 1400 प्रतिनिधि शामिल होंगे। जो दोनों क्षेत्रों के 8 दिवसीय दौरे पर भी रहेंगे। इनकी वाराणसी, प्रयागराज और अयोध्या की यात्राएं होंगी। इसके अलावा बातचीत, सेमीनार, सांस्कृतिक प्रदर्शन, स्थानीय व्यंजनों, हस्तशिल्प और विरासत में भी शामिल होंगे। ये लोग वाराणसी के महत्वपूर्ण तमिल धरोहर स्थलों जैसे महाकवि सुब्रमण्यम भरतियार का पैतृक निवास, केदार घाट, लघु तमिलनाडु क्षेत्र में स्थित काशी मदम, काशी विश्वनाथ मंदिर और माता अन्नपूर्णा मंदिरों का भ्रमण करेंगे। अकादमिक और साहित्यिक बातचीत के लिए बीएचयू के तमिल विभाग की यात्रा भी की जाएगी।

# नाइजीरिया में 300 बच्चों का किया गया अपहरण

**नई दिल्ली।** नाइजीरिया में एक कैथोलिक बोर्डिंग स्कूल से हथियारबंद लोगों ने 303 छात्रों का अपहरण कर लिया है। क्रिश्चियन एसोसिएशन ऑफ नाइजीरिया ने बताया कि कुल 315 लोग अगवा किए गए, जिनमें 303 छात्र और 12 शिक्षक शामिल हैं। हथियारबंद हमलावर स्कूल में घुसे और छात्रों, टीचरों और एक सुरक्षा गार्ड को उठा ले गए। सुरक्षा गार्ड को गोली भी मारी गई। कुछ छात्र भागकर बच निकले हैं, और स्कूल बंद कर दिया गया है। माता-पिता अपने बच्चों को घर ले जाने के लिए पहुंच रहे हैं।

# मेयर की हत्या में 7 बॉडीगार्ड गिरफ्तार

**मेक्सिको।** मेक्सिको में उरुआपान शहर के मेयर कार्लोस मैनसो की 1 नवंबर को दिनदहाड़े उनके परिवार के सामने गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस हत्या की साजिश में उनके ही 7 बॉडीगार्ड शामिल थे। ये सातों गार्ड सक्रिय पुलिसकर्मी थे और हत्या के बाद भी ड्यूटी पर थे। मेयर की हत्या के बाद उनकी पत्नी को मेयर बनाया गया था। शुक्रवार को इन्हें गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। हत्या के समय 17 साल के एक लड़के ने मेयर पर गोली चलाई थी और मेयर के गाड्र्स ने उसी वक्त उसे मार गिराया था। अब जांच में पता चला है कि वह लड़का सिर्फ मोहरा था और असली साजिश मेयर के अपने सुरक्षा दल और ड्रग माफिया ने मिलकर रची थी।

**पूर्व तट रेलवे**
ई-निविदा सूचना सं.ETCTEECORBBS 202509, दिनांक :14.11.2025
**कार्य का नाम :** पूर्व तट रेलवे में मैकेनिकल प्रणाली के आधार पर "VERSE" नाम से तकनीकी उपयोग कर LWR/CWR ट्रैक के लिए तनाव मुक्त तापमान के मापन/निर्धारण के लिए विस्तारित ट्रायल।
**कार्य की अनुमानित लागत (रुपये में) :** 15,13,8,894.53, EMD (रुपये में) : 2,25,700/-, कार्य पूरा होने की अवधि: 12 महीने।
**निविदा बंद होने की तिथि एवं समय :** दिनांक 08.12.2025 को 1030 बजे।
ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।
उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे। प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा खुलने से कम से कम 15(पंद्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुनःअवलोकन करें। निविदाकारों/बोलीदाताओं के पास अवश्य क्लास-III डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र होना चाहिए और वे IREPS पोर्टल में अवश्य पंजीकृत होना चाहिए। केवल पंजीकृत निविदाकार/बोलीदाता ई-टेंडरिंग में शामिल हो सकते हैं।
उप मुख्य अभियन्ता/ट्रैक/भुवनेश्वर
PR-817/Q/25-26

**दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे**
वाणिज्यिक शाखा
**रुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) आमंत्रण हेतु सूचना**
दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल, बिलासपुर मंडल में हवाई अड्डों पर यात्रियों को उपलब्ध सुविधाओं के समान, यात्रा करने वाले यात्रियों को विश्व स्तरीय सुविधाएं प्रदान करने के लिए स्टेशनों पर फूड आउटलेट स्थापित करने के लिए इच्छुक प्रीमियम सिंगल ब्रांड कंपनी/फर्मों (कंपनी के स्वामित्व वाली/संचालित/फ्रैंचाइज़ी) से रुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) आमंत्रित करता है।
इच्छुक पक्षों से निम्नलिखित के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत करने हेतु आमंत्रित किया जाता है -
1. स्टेशनों पर पाँच वर्षों के लिए एकल प्रीमियम ब्रांड खाद्य आउटलेट स्थापित करने के लिए (जैसे मैकडॉनल्ड्स, केएफसी, पिज्जा हट, बास्किन रॉबिन्स, हल्दीराम, नेस्कैफे, बीकानेरवाला आदि)।
2. प्रस्ताव में स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट किया जाना चाहिए प्रस्तावित स्टेशन और न्यूनतम आवश्यक क्षेत्र का विवरण, प्रदान की जाने वाली प्रस्तावित सेवाएँ, तकनीकी अनुभव और परिचालन योजना और अन्य विवरण, यदि कोई हो।
ईओआई का उद्देश्य आवश्यकता के विश्लेषण के लिए इच्छुक संस्थाओं से इनपुट और सुझाव एकत्र करना है। अधिक जानकारी और स्पष्टीकरण के लिए, इच्छुक पक्ष वाणिज्यिक शाखा, बिलासपुर मंडल से संपर्क कर सकते हैं।
**ईओआई प्रतिक्रिया जमा करने की अंतिम तिथि : 05.12.2025 ईओआई के लिए प्रस्ताव/प्रतिक्रिया निम्नलिखित पते पर जमा की जानी चाहिए :** वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक, वाणिज्यिक शाखा, डीआरएम कार्यालय परिसर, रेलवे कॉलोनी, बिलासपुर 495004, (छ.ग.) **प्रासंगिक शर्तें और नीति दस्तावेज़ :** रेलवे बोर्ड के पत्र क्रमांक 2025/ कैटरिंग /600/09 **दिनांक 13.11.2025** द्वारा स्टेशन पर 'प्रीमियम ब्रांड कैटरिंग आउटलेट' के संबंध में जारी वाणिज्यिक परिपत्र संख्या-22/2025.
मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्यिक)
सीपीआर/10/AM/475 द.पू.म./बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

**दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे**
(जीएसयु/एनजीपी)
**ई-निविदा सूचना**
**क्रमांक 01. निविदा सूचना क्रमांकः सीपीएम-जीएसयू-29-एनएजी-2024-25**
**कार्य का नामः** नागपुर मंडल के इतवारी (एनआईटीआर)-छिंदवाड़ा (सीडब्ल्यूए)-मंडलाफोर्ट (एमएफआर) खंड के स्टेशनों पर प्लेटफार्मों का उच्चीकरण।
**अनुमानित निविदा मूल्यः** रु. 24,36,94,872.51/- **बयाना राशिः** रु. 13,68,500.00/-
**क्रमांक 02. निविदा सूचना क्रमांकः सीपीएम-जीएसयू-30-एनएजी-2025-26**
**कार्य का नामः** नागपुर मंडल के गोंदिया-चाँदफोर्ट सेक्शन (बीजी) पर गोंदिया-हिरदामाली स्टेशनों के बीच किमी 1007/8-9 पर मानवयुक्त नियंत्रण रेखा क्रमांक जीसीएफ-04 के स्थान पर सड़क के ऊपरी पुल का निर्माण।
**अनुमानित निविदा मूल्यः** रु. 27,25,59,960.65/- **बयाना राशिः** रु. 15,12,800.00/-
बोलीदाता अपनी मूल/संशोधित बोलियाँ केवल **15.12.2025 को 3.00 बजे तक** जमा कर सकेंगे। निविदा के विरुद्ध मैन्युअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएँगे और प्राप्त ऐसे किसी भी मैन्युअल प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया जाएगा। विवरण हमारी वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर उपलब्ध हैं। **उपमुख्य अभियंता (गती शक्ती)**
AAA/41/188 **दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर**
स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

## राशिफल

**मेष** — मन अशान्त रहेगा। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। मित्रों के साथ वाद-विवाद से बचें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें।

**वृष** — मन परेशान रहेगा। आत्मसंयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि होगी।

**मिथुन** — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। परिवार का साथ मिलेगा, परन्तु परिवार में शान्ति बनाये रखने का प्रयास करें। नौकरी में मान-सम्मान की प्राप्ति होगी।

**कर्क** — मन अशान्त रहेगा। मन में निराशा एवं असन्तोष भी हो सकता है। कारोबार में सुधार होगा, परन्तु कुछ कठिनाइयां आ सकती है। परिश्रम अधिक रहेगा।

**सिंह** — आत्मसंयत रहें। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। बातचीत में सन्तुलित रहें। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कार्यभार बढ़ सकता है।

**कन्या** — नौकरी में कार्यभार बढ़ सकता है। आवेश के अतिरेक से बचें। परिवार का साथ मिलेगा। नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। सहयोग मिलेगा।

**तुला** — आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा, परन्तु मन अशान्त हो सकता है। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है।

**वृश्चिक** — मन परेशान रहेगा। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। व्यर्थ के क्रोध से बचें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। खर्चों में वृद्धि होगी।

**धनु** — व्यर्थ के क्रोध से बचें। परिवार का साथ मिलेगा। विदेशी कारोबार में वृद्धि होगी। लाभ के अवसर मिलेंगे। किसी मित्र का सहयोग भी मिल सकता है।

**मकर** — आत्म संयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। कारोबार में भागदौड़ अधिक रहेगी। खर्च बढ़ेंगे।

**कुंभ** — आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु मन में उतार-चढ़ाव भी रहेगा। परिवार से दूर रहना पड़ सकता है। पिता का साथ मिल सकता है।

**मीन** — अपनी भावनाओं को वश में रखें। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे, परन्तु स्थान परिवर्तन भी हो सकता है।

## शब्द पहेली - 6056



**बाएँ से दाएँ**
1.उथल-पुथल, कोलाहल-4
5.अस्पताल-4
8.पक्षाघात-3
9.मिट्टी, धूल-2
11.पुष्प, फूल, सुमन-3
12.बुरे कार्य करनेवाला-4
14.जादू, तंत्र-मंत्र-2
15.सौत, सपत्नी-3
17.साड़ी के किनारे पर लगाया जानेवाला लंबा कपड़ा-2
19.नगर में रहनेवाले-5
22.गणपति, गणेश-5
25.बागवान-2
26.जुदा, पृथक्-3
27.जी, इच्छा-2
28.पहरेदार-4
30.सिसकना-3
31.रहस्य-2
33.सोना, धतूरा-3
35.हृदयगति, स्पंदन-4
36.फिल्म 'मैंने प्यार किया' में सलमान की मां का किरदार निभानेवाली अभिनेत्री-2,2

**ऊपर से नीचे**
2.उद्देश्य, गंतव्य-2
3.राम-सीता के पुत्र-2,2
4.टालना-2,3
5.स्याही रखने का पात्र-3
6.क्षार-2
7.सुंदरी (उर्दू-4)
10.जबरदस्ती-4
13.होशियार-3
16.पुत्र, बेटा-3
17.रस्सी के फंदे पर लटकाना-2
18.जान, जीवन-2
20.जहर, विष-3
21.अदालत में प्रस्तुत वाद-2
22.छोटा रास्ता, कूचा-2
23.अपवित्रता (उर्दू-3)
24.पक्षियों का शोर-4
25.मानसिक सोच-5
26.गुनाह, जुर्म-4
28.रखवाली करना-4
29.मुर्गा-3
32.मूल, पेड़ का वह हिस्सा जो जमीन में रहता है-2
34.आमिर खान, ट्विंकल खन्ना की फिल्म-2

**शब्द पहेली- 6055 का हल**

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ■ | त | था | क | थि | त | ■ | क | या | म | त |
| ना | प | ■ | ह | ■ | र | का | बी | ■ | त | र |
| मु | ■ | त | वा | य | फ | ■ | ला | वा | ■ | खा |
| ना | पा | क | ■ | ■ | दा | नी | ■ | दा | म | न |
| सि | ■ | दी | ■ | प | र | ■ | सा | ■ | हि | ■ |
| ब | ह | र | हा | ल | ■ | नि | रा | ला | प | न |
| ■ | र | ■ | नि | ■ | आ | शा | ■ | ज | ■ | ज |
| अ | म | र | ■ | अ | तं | ■ | ■ | वा | न | र |
| मा | ■ | मा | न | ■ | क | र | त | ब | ■ | बं |
| न | या | ■ | ज | ल | वा | ■ | ना | ■ | क | द |
| त | क | दी | र | ■ | द | शा | व | ता | र | ■ |

## सूडोकु नवताल - 6066

★★★ मध्यम

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 8 | 2 | | | 6 | | | 1 | |
| | 6 | | 8 | 9 | | | 7 | 5 |
| 3 | | | 1 | | | | | 2 |
| | 3 | | 4 | | | | 6 | |
| 6 | | 2 | | 1 | | 4 | | 3 |
| | 8 | | | | 5 | | 2 | |
| 2 | | | | | 3 | | | 1 |
| 5 | 1 | | | 7 | 6 | | 4 | |
| | 9 | | | 4 | | | 3 | 6 |

MANGAL SENACHA, BANGALORE

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

**सूडोकु नवताल - 6065 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 8 | 6 | 4 | 2 | 7 | 9 | 5 | 3 | 1 |
| 7 | 3 | 9 | 1 | 8 | 5 | 2 | 6 | 4 |
| 1 | 5 | 2 | 4 | 3 | 6 | 7 | 9 | 8 |
| 4 | 1 | 3 | 8 | 6 | 7 | 9 | 5 | 2 |
| 5 | 8 | 6 | 9 | 2 | 4 | 3 | 1 | 7 |
| 2 | 9 | 7 | 5 | 1 | 3 | 8 | 4 | 6 |
| 9 | 4 | 8 | 7 | 5 | 1 | 6 | 2 | 3 |
| 3 | 7 | 5 | 6 | 4 | 2 | 1 | 8 | 9 |
| 6 | 2 | 1 | 3 | 9 | 8 | 4 | 7 | 5 |

## टाडा कोर्ट में 2 चश्मदीदों ने की शिनाख्त

# यासीन मलिक ने ही ली 4 वायुसेना कर्मियों की जान

▶ यासीन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कार्यवाही में शामिल हुआ

फाइल फोटो : यासिन मलिक

एजेंसी ▶▶ श्रीनगर

श्रीनगर में 1990 में भारतीय वायुसेना के कर्मियों पर जानलेवा हमले के मामले में अलगाववादी नेता यासीन मलिक को करारा झटका लगा है। जम्मू की टाडा कोर्ट में दो प्रमुख चश्मदीद गवाहों ने यासीन मलिक और उसके तीन कथित सहयोगियों की मुख्य आरोपी के रूप में स्पष्ट पहचान की है। टाडा कोर्ट में शनिवार को यासीन मलिक, जावेद मीर, नाना जी और शौकत बख्शी की पेशी हुई।

यासीन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कार्यवाही में शामिल हुआ। इस दौरान जिरह के लिए बुलाए गए दोनों प्रमुख गवाहों ने यासीन मलिक समेत चारों की पहचान मुख्य आरोपी के तौर पर की। गवाहों में भारतीय वायुसेना के एक स्टाफर एक अन्य चश्मदीद शामिल थे। उन्होंने कोर्ट में गवाही देते हुए यासीन मलिक को उस हत्याकांड का मुख्य शूटर बताया।

### बयान पर कायम रहे

चश्मदीदों ने दावा किया कि यासीन मलिक ही वह व्यक्ति था जिसने गोली चलाई थी। इस हत्याकांड में वायुसेना के 4 जवानों की मौत हो गई थी और 22 अन्य घायल हो गए थे। मृतकों में वायुसेना के अधिकारी रवि खन्ना भी शामिल थे। जिरह के दौरान चश्मदीद अपने बयान पर मजबूती से कायम रहे।

यह केस 25 जनवरी 1990 को श्रीनगर के बाहरी इलाके रावलपुरा में हुई भीषण गोलीबारी से जुड़ा है। जांचकर्ताओं का कहना है कि इस हमले को यासीन मलिक ने अपने गैंग के साथ मिलकर अंजाम दिया था। इसका मकसद उस वक्त घाटी में आतंक फैलाना था। यासीन मलिक को रूबिया सईद के अपहरण के मुकदमे का भी सामना करना पड़ रहा है। वह फिलहाल तिहाड़ जेल में बंद है।

### 29 नवंबर को अगली सुनवाई

आरोपियों की शिनाख्त के बाद अब इस मामले में 29 नवंबर को अगली सुनवाई होगी। इससे पहले, वायुसेना के पूर्व कर्मी राजवार उमेश्वर सिंह ने सीबीआई कोर्ट में यासीन मलिक की शिनाख्त की थी और उसे इस गोलीकांड का मुख्य हमलावर बताया था। उमेश्वर सिंह भी उस हमले के शिकार लोगों में शामिल थे, लेकिन बच गए थे।

## जी-20 सम्मेलन के दौरान दुनिया के कई नेताओं से मिले पीएम मोदी

# भारत, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा के बीच हुई त्रिपक्षीय साझेदारी




हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

अमेरिका की घोर नाराजगी के बावजूद दक्षिण-अफ्रीका की अध्यक्षता में जोहान्सबर्ग में जारी जी-20 देशों के राष्ट्राध्यक्षों का शिखर सम्मेलन पूरी सफलता के साथ आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 से 23 नवंबर तक होने वाले इस आयोजन में भाग लेने के लिए पहुंचे हैं।

जहां आयोजन के पहले उद्घाटन सत्र से इतर उनकी दुनिया के कई अन्य देशों, संगठनों और संस्थाओं के शीर्ष नेताओं और राष्ट्राध्यक्षों से द्विपक्षीय और त्रिपक्षीय मुलाकात हुई है। जिसमें इटली, फ्रांस, कनाडा, ब्रिटेन, बाजील, दक्षिण-कोरिया, अंगोला, सिंगापुर, मलेशिया और संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस शामिल हैं। प्रधानमंत्री ने जी-20 से जुड़ी हुई एक ग्रुप फोटो भी एक्स पर पोस्ट के जरिए साझा की है। जिसमें उन्होंने लिखा, सम्मेलन में साथी जी-20 नेताओं के साथ। हम मिलकर वैश्विक प्रगति और समृद्धि के प्रति अपनी साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं। इसके अलावा उन्होंने वैश्विक नेताओं के साथ हुई इन उच्च-स्तरीय बैठकों की जानकारी भी अपनी कुछ अन्य एक्स पोस्ट के जरिए दी है।

## इटली, फ्रांस, कनाडा, ब्रिटेन के शीर्ष नेता और यूएन महासचिव से चर्चा

### आपसी संबंधों, वैश्विक मुद्दों पर हुई चर्चा

*प्रधानमंत्री ने एक्स पोस्ट में बताया कि फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से हुई मुलाकात में विभिन्न मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया गया। दोनों देशों के संबंध वैश्विक भलाई की ताकत बने हुए हैं। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी से हुई मुलाकात में दोनों दिग्गज नेता एक-दूसरे से मुस्कुराहट के साथ हाथ मिलाते हुए नजर आ रहे हैं। अभिवादन के लिए दोनों ने नमस्ते का प्रयोग किया। मौजूदा साल में हुई भारत, इटली के राष्ट्राध्यक्षों की ये दूसरी मुलाकात है। इससे पहले दोनों जून-25 में कनाडा में हुए जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान मिले थे। ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा से हुई मुलाकात को लेकर पीएम मोदी ने बताया भारत और ब्राजील व्यापार और सांस्कृतिक जुड़ाव के मसले पर अपनी आम जनता की साझा भलाई के लिए लगातार निकटता से काम करते रहेंगे। एक अन्य पोस्ट में उन्होंने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर से हुई मुलाकात पर लिखा, जोहान्सबर्ग में ब्रिटेन के पीएम से मिलकर अच्छा लगा। ये वर्ष दोनों देशों की साझेदारी में एक नई ऊर्जा लेकर आया है। हम इसे विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ाते रहेंगे। यूएन महासचिव एंटोनियो गुटेरेस से हुई मुलाकात को प्रधानमंत्री ने एक बहुत ही उपयोगी संवाद बताया है।*

### भारत, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा ने की अहम घोषणा

सम्मेलन से इतर भारत, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा के बीच एक त्रिपक्षीय प्रौद्योगिकी और नवाचार साझेदारी (एसीआईटीआई) भी हुई है। जिसकी घोषणा प्रधानमंत्री मोदी ने इन दोनों देशों के शीर्ष नेताओं के साथ हुई संयुक्त मुलाकात के बाद की। उन्होंने कहा कि जोहान्सबर्ग में ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीस और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के साथ एक शानदार बैठक हुई है। हम सभी को एसीआईटीआई की घोषणा करते हुए प्रसन्नता हो रही है। ये पहल उभरती हुई प्रौद्योगिकियों में तीन महाद्वीपों और तीन महासागरों में लोकतांत्रिक साझेदारों के बीच सहयोग को गहरा करेगी, आपूर्ति श्रृंखलाओं के विविधीकरण, स्वच्छ ऊर्जा और एआई को बड़े पैमाने पर अपनाने में सहायता करेगी। पीएम ने कहा कि हम आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर भविष्य की गारंटी देने के लिए साथ मिलकर काम करने के लिए तत्पर हैं।

## ट्रम्प का प्लान स्वीकारने का दबाव जमीन खोने की कगार पर हैं हम

एजेंसी ▶▶ कीव


■ यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा

यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा है कि हम अपनी जमीन और जमीर को खोने के कगार पर हैं। रूस के साथ युद्ध के चार साल के दौरान पहली बार यूक्रेन के सामने दोराहे के हालात हैं। हमने शर्तें मानी तो अपने देश का एक बड़ा हिस्सा खो देंगे। साथ ही जिस जज्बे और जमीर से हम रूस के खिलाफ लड़ रहे थे उसे भी गंवा बैठेंगे। जेलेंस्की ने शुक्रवार को राष्ट्र के नाम संबोधन में कहा अगर यूक्रेन ने शर्तें नहीं मानी तो वह अमेरिका के जैसे एक अच्छे पार्टनर को खो देगा। जेलेंसकी ने कहा- मैं अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ इस बारे में बातचीत करना चाहता हूं। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि मुझे भरोसा है कि यूक्रेन मेरे पीस प्लान को स्वीकार करेगा। ट्रम्प ने 27 नवंबर तक जेलेंस्की को प्लान पर जवाब देने का अल्टीमेटम दिया हुआ है। इस बीच शुक्रवार देर रात को रूस ने अमेरिकी प्लान का समर्थन किया है।

### यह है ट्रंप का प्लान

ट्रम्प ने 28 पॉइंट का प्लान तैयार किया है। इसके मुताबिक यूक्रेन को अपना लगभग 20% हिस्सा रूस को देना होगा। इसमें पूर्वी यूक्रेन का डोनबास का इलाका शामिल है। यूक्रेन मात्र 6 लाख जवानों वाली सेना ही रख सकेगा। नाटो में यूक्रेन की एंट्री नहीं होगी। नाटो सेनाएं यूक्रेन में नहीं रहेंगी।

## इज़राइल के साथ रणनीतिक सहयोग बढ़ाएगा हिंदुस्तान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली


■ गोयल ने कृषि, प्रौद्योगिकी और व्यापार को लेकर की बैठकें

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने इजराइल की अपनी आधिकारिक यात्रा के दौरान कई बैठकें कीं, जिससे कृषि, प्रौद्योगिकी, नवाचार और व्यापार के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ावा मिला है। गोयल ने 21 नवंबर को अपनी बैठकों के दौरान, इज़राइल के कृषि एवं खाद्य सुरक्षा मंत्री एवी डिचर से कृषि सहयोग को आगे बढ़ाने पर विस्तृत चर्चा की। डिचर ने गोयल को इज़राइल के 25 वर्षीय खाद्य सुरक्षा रोडमैप, उसकी उन्नत बीज-सुधार रणनीतियों और कृषि के लिए जल-पुनउपयोग प्रौद्योगिकियों में देश के वैश्विक नेतृत्व के बारे में जानकारी दी। केंद्रीय मंत्री गोयल ने अपनी यात्रा के दौरान पेरेज़ सेंटर फ़ॉर पीस एंड इनोवेशन का दौरा किया, जहां उन्हें इज़राइल के अग्रणी तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र से अवगत कराया गया। उन्हें ड्रिप सिंचाई प्रणाली, स्टेंट तकनीक और आयरन डोम प्रणाली सहित कई ऐतिहासिक नवाचारों के साथ-साथ उभरती हुई भविष्य की तकनीकों और इमर्सिव वर्चुअल-रियलिटी समाधानों की जानकारी दी गयी। उन्होंने पेरेज़ सेंटर को एक प्रेरक संस्थान बताया जो इज़राइल की रचनात्मकता, नवाचार और सामाजिक प्रभाव की प्रगति को दर्शाता है।

---

epaper : www.haribhoomi.com

# हरिभूमि CLASSIFIED

Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 6263818152
79871-19756

## Appointment आवश्यकता

### सुरक्षागार्ड

अतिशीघ्र आवश्यकता है- औद्योगिक क्षेत्र हेतु सुपरवाइजर 16000/- फील्ड ऑफिसर 15000/- कंप्यूटर ऑपरेटर 3 सुरक्षा गार्ड 56 वेतन योग्यतानुसार (आवास फ्री ) संपर्क:- ALERT SGS PRIVATE LIMITED, FF 6 जे शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका चौक रायपुर, छत्तीसगढ़ 7747000019, 7747000016, 7746000016, 7746000019. (RO-348)

### ड्रायवर

आवश्यकता है- फ्लावर शॉप में टाटा एस चलाने हेतु अनुभवी ड्राइवर की आवश्यकता है वेतन योग्यतानुसार वैध लाइसेंस के साथ संपर्क करें:- डॉल्फिन फ्लावर डेकोरेशन मानसपुरम चौरसिया कॉलोनी रायपुर 9302513487. (RO-374)

आवश्यकता है- ऑटोमेटिक कार चलाने हेतु ड्राइवर की आवश्यकता है। 35 साल से अधिक उम्र का होना अनिवार्य है। ड्यूटी टाईम प्रतिदिन सुबह 9 से रात 8:30, रविवार ड्यूटी टाईम सुबह 9 से दोपहर 3:00 (सूचना :- जेसीबी, हाइड्रा, आदि जैसी गाड़ी चलाने वाले संपर्क ना करें ) सैलरी 21,000/- प्रतिमाह । रहने, खाने-पीने, बाइक, पेट्रोल की व्यवस्था नहीं दी जाएगी । जो तत्काल जॉइन कर सके वही संपर्क करें, बेवजह कॉल ना करें । पता - सिविल लाईन्स, रायपुर, कॉल करने का समय सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक संपर्क :- 9644720222. (RO-18)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

### मशीन ऑपरेटर

**टेक्सटाईल स्पिनिंग (धागा) मिल, रायपुर (छत्तीसगढ़)**
नई टेक्सटाईल धागा मिल में साफ व ठंडे वातावरण में मशीन चलाने हेतु नये/पुराने अनुभवी वर्क र्स (पुरूष/महिला), ITI फिटर, ITI इलेक्ट्रिशियन, सिक्यूरिटी गार्ड चाहिए। रहने की उत्तम सुविधा व कैंटीन मिल में उपलब्ध.
पहले दिन से PF/ESIC कवरेज व पेमेन्ट सीधे बैंक खाते में। 240 दिन से अधिक हाजरी पर छुट्टी का पैसा अलग।
संपर्क करें। 9827163216 8462933820

### शिक्षक

आवश्यकता है- नर्सिंग कॉलेज में बीएससी नर्सिंग टीचर्स की आवश्यकता है रहने की सुविधा संपर्क:- वीपी कॉलेज, बांठिया हॉस्पिटल के पीछे राजा तालाब रोड़ रायपुर 98271-24600.(RO-375)

### घरेलु कार्य

आवश्यकता है- घर के कार्य करने हेतु एक महिला लड़की की आवश्यकता है (रहने की सुविधा उपलब्ध) संपर्क:- टाटीबंध रायपुर 8871001820.(RO-4039)

### केयर टेकर

आवश्यकता है- कुत्ते के आश्रम में दयालु और जिम्मेदार स्टाफ चाहिए। कुत्तों को खाना देना, साफ सफाई, देख-भाल का कार्य. 10,000 मासिक वेतन, रहना व खाना उपलब्ध। चंदखुरी रायपुर, 7225888800. (RO-6951)

### खाना मिस्त्री

आवश्यकता है- फैक्ट्री मेस कैन्टीन में काउन्टर में खाना देने हेतु लड़के, बर्तन, झाड़ू पोछा, किचन हेल्पर, खाना, नाश्ता मिस्त्री चाहिए रहने खाने की सुविधा, वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- 8871824812, 9993334937. (RO-39211)

हरिभूमि क्लासीफाईड छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

### दुकान कार्य

आवश्यकता है- हार्डवेयर दुकान में कार्य करने के लिए कर्मचारियों की आवश्यकता है। वेतन 10,000 से15,000 तक। संपर्क करे:- जैन हार्डवेयर एंड टूल्स, बाम्बे मार्केट, रायपुर, 9229101124. (RO-398)

### पैकिंग कार्य

आवश्यकता है- ऑटोपार्ट्स की दुकान में पैकिंग कार्य हेतु लड़को की आवश्कता हैं। वेतन योग्यतानुसार ।संपर्क - तृप्ति सेल्स कार्पोरेशन, एम. जी.रोड,रायपुर । मोबाइल 9340273375.(RO-386)

### कम्प्युटर ऑपरेटर

आवश्यकता है- श्री वासु लॉजिस्टिक लिमिटेड के गोडाउन में काम करने के लिए कंप्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है। एक्सेल अनुभवी व पास में रहने वालों को प्राथमिकता। इंटरव्यू सुबह 10 से 12 बजे तक संपर्क:- वासु लॉजिस्टिक तेंदुआ रिंग रोड न.4, रायपुर। मोबाइल :- 7000681512, 7828901615. (RO-376)

### क्लिनिक कार्य

आवश्यकता है- डेंटल क्लिनिक में कार्य हेतु लड़के/ लड़कियों की आवश्यकता है संपर्क अर्हम डेंटल क्लिनिक near बाबा रामदेव मंदिर गंजपारा दुर्ग मिले 12to2, 6to8, MO- 7000537010 .(आरो नं.- 10304)

### गोडाऊन/कम्प्युटर वर्क

आवश्यकता है- डाबर की एजेंसी के गोडाउन एवं कम्पुटर पर कार्य करने हेतु लड़को की एवं टाटा एस के लिए ड्राइवर की आवश्यकता है। सम्पर्क करें किसन मार्केटिंग, महेश कालोनी, श्रीनगर रोड गुढियारी, रायपुर मो 9827168307.(RO-386)

हरिभूमि

### ऑफिस बॉय/ड्रायवर

आवश्यकता है-ऑफिस ब्वाय एवं ड्राइवर चाहिए :- डेंटल क्लिनिक में कार्य करने हेतु ऑफिस ब्वाय चाहिए एवं एम्बुलेंस चलाने हेतु ड्राईवर चाहिए। संपर्क- सीता मेमोरियल डेंटल क्लिनिक, कृष्णा टाकीज के सामने,समता कॉलोनी, रायपुर 9993249054. (RO-694)

### कॉर्डिनेटर

आवश्यकता है- शिवाय & रूद्र कार्पोरेशन को छत्तीसगढ़ के सभी जिलों के लिए कृषि विकास और समद्धि योजना हेतु प्रोजेक्ट कॉर्डिनेटर की तुरंत आवश्यकता हैं, वेतन 30000+ 5% इंसेटिव, योग्यता पोस्ट ग्रेजुएशन, ग्रेजुएशन +बाइक कॉन्टैक्ट:- 7909995001.(RO-372)

### कृषि कार्य

आवश्यकता है- खेत में कार्य करने वाले की आवश्यकता है जो परिवार सहित रहकर कृषि एवं अन्य कार्य की देखरेख करे, वेतन कार्य क्षमता अनुसार 7999967254. (Ro- 6577)

### रिसेप्शनिष्ट/नर्स

आवश्यकता है- Receptionist, & OT नर्स की जरूरत। Receptionist को Computer की जानकारी होना अनिवार्य। Salary अनुभव के आधार पर। सम्पर्क करे- अग्रवाल प्लास्टिक सर्जरी सेन्टर, लालगंगा बिजनेस पार्क, पचपेड़ी नाका, रायपुर। 9575042809. (10am से 7pm)(RO-39190)

### मिस्त्री

आवश्यकता है- लेथ मशीन मिस्त्री (अनुभवी) एवं फोरमेन जो कि सभी मशीन चलाना जानता हो सम्पर्क करें जोत इंजीनियरिंग कृष्णा जेसीबी के पीछे सिरगिट्टी बिलासपुर 7828070065 (RO-39194)

### सेल्समैन/मैनेजर

आवश्यकता है- स्वीट शॉप हेतु अनुभवी सेल्स मैनेजर, सेल्समैन व वेटर की आवश्यकता है. समोसा, साउथ इंडियन आइटम के मिस्त्री व मिठाई कारीगर की आवश्यकता है. आकर्षक वेतन. संपर्क:- स्वीट इंडिया, मोती बाग, रायपुर. मोबाइल: 8518939239. (Ro- 16567)

### अकाउन्टेंट

आवश्यकता है- सीनियर अकाउंटेंट चाहिए जिसको जीएसटी एवं टैलीप्राइम का अनुभव हो संपर्क करें राजा स्टील ट्रेडर्स कृष्णा टॉकीज रोड रिसाली भिलाई बायोडाटा व्हाट्सएप करें 98261-38080.(आरो न.- 693)

### गार्डनर

आवश्यकता है- घर, धनोरा, दुर्ग मे घरेलू, गार्डन एवं गार्ड सम्बंधित कार्य हेतु -इमानदार, और काम में निपुण परिवार वाले की आवश्यकता है । रहना , बिजली व पानी फ्री । वेतन चर्चाअनुसार, सम्पर्क मो :- 97541-44001 दोपहर 01से 04तक (आरो न.-691)

### सेल्समैन/सेल्सगर्ल

आवश्यकता है- रेडीमेड दुकान में कार्य करने हेतु स्मार्ट एवं अनुभवी सेल्समैन एवं सेल्स गर्ल की आवश्यकता है समय दोपहर 12 से 3 बजे संपर्क करें :- राजेश कलेक्शन जवाहर बाजार के सामने मालवीय रोड़ रायपुर (RO-571)

### ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- कलैरीस फार्मा प्राइवेट लिमिटेड में आफिस कार्य हेतु लड़कियों एवं गुड्स डिस्पेच हेतु योग्य की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- कलैरीस टॉवर गोंडवारा रायपुर 7000263019, 7803968699. (Ro-39220)

आवश्यकता है- छत्तीसगढ़ से बाहर ऑफिस कार्य हेतु अविवाहित युवकों की अतिशीघ्र आवश्यकता है , योग्यता, 10वी, 12वी, स्नातक, वेतन - 10000(रहना फ्री) ट्रेनिंग के बाद कमाए 20-25 हजार नोट - नशेड़ी फ़ोन न करें मो. 9982589693, 8815522974. (Ro- 513)

### ऑपरेटर/दुकान कार्य

आवश्यकता है- थोक कपड़ा दुकान में स्टाफ की आवश्यकता है कम्प्युटर पर बिलिंग के लिए कम्प्युटर ऑपरेटर तथा दुकान कार्य हेतु 10 से 15 लड़के चाहिए। मिलने का समय दोपहर 3 से 6 बजे तक चुन्नीलाल केसरीमल बरलोटा शॉप नंबर डी 29- 30 प्रथम गेट टेक्सटाइल मार्केट पंडरी रायपुर 9425506658, 9424200658, 9425206658.(RO-7264)

### शॉप/सेल्समैन वर्क

आवश्यकता है- रेडीमेड गारमेंट्स शॉप (पंडरी, रायपुर) में काम करने के लिए लड़का/ लड़की की आवश्यकता एवं अनुभवी सेल्समैन की आवश्यकता है मो- 7067048454. (Ro-6574)

### फार्महाऊस कार्य

आवश्यकता है- फार्म हाउस, भालूकोना राजनांदगांव वास्ते दो (परिवार वालों) की आवश्यकता है। कृषि सम्बंधित कार्यों का ज्ञान हो, रहना , बिजली व पानी फ्री । वेतन चर्चाअनुसार, सम्पर्क मो. - 96696-66601 प्रात: 10से 01तक (आरो न.- 690)

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें 62638-18152

## Sales बेचना

### वाहन

**वाहन बेचना है**
अशोक लीलैंड डाला बॉडी गाड़ियां बेचना है
2018 मॉडल BS 4 - 14 चक्का
2020 मॉडल BS 4 - 16 चक्का
2021 मॉडल BS 6 - 16 चक्का
2022 मॉडल BS 6 - 16 चक्का
संपर्क करें - सजल सरकार 9303907960 8435642826

### Home Buildup भवन निर्माण

भवन निर्माण- विभा कंस्ट्रक्शन कुशल इंजीनियर एवं वास्तु अनुरूप गृह निर्माण किया जाता हैं। 849 रूपये प्रति वर्गफीट से, सम्पर्क करें- 9407764797, 9301433491.(RO-6995)

### Property प्रापर्टी

### कृषिभूमि

कृषि भूमि बेंचना है- 01.50 एकड़ कृषि भूमि नवा रायपुर,केन्द्री में, रेलवे-स्टेशन से 1.5 कि.मी.। नहर व धरसा रोड पर 150' एवं 400' फ्रंट @ 99 लाख चुकता। शानदार मौका -7987504355, 7477202779. (RO-6575)

### प्लाट

प्लॉट बेचना है - प्लॉट बेचना है दुबे कॉलोनी, मोवा में 25X24 (=1000 वर्ग फीट) का डायवर्टेड प्लाट शीघ्र बेचना है. संपर्क करें- मोबाइल - 9425285767.(Ro-16566)

विज्ञापन बुकिंग टाइम सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

बेचना है- रायपुरा मंजीत हाईट्स के पास 20X58 =1160 डायवर्सन किया हुआ प्लॉट न्यूनतम दर पर बेचना है बैंक फाइनेंस उपलब्ध संपर्क करें:- 9300505421. (RO-379)

### For Rent किराया

किराये से देना है- दुकान/ ऑफिस /बैंक /के लिए किराए से देना है कारपेट एरिया भूतल 1500 वर्गफीट प्रथमतल 1500 वर्गफीट राजा कम्प्लेक्स लक्ष्मी मार्केट गदा चौक के पास सुपेला भिलाई - 95168-51012 98261-32244.(आरो न.-

### Astrology ज्योतिष

ज्योतिष - छत्तीसगढ़िया ज्योतिष विचार दिखइया बईगा सब्बो समस्या के समाधान काली माई की शक्ति ले पूजा-पाठ लड़ाई- झंझट जुन्ना बीमारी बैरी ले छुटकारा बिहाव मा देरी, लाइका होय मा देरी, पढ़ाई मा मन नई लागय ता एक बेर जरूर मिलव मो.- 8461886239.(RO-6573)

### Finance फायनेंस

फाइनेंस - महालक्ष्मी फाइनेंस कंपनी समस्त प्रकार की लोन कृषि, बिजनेस, समूह लोन, पर्सनल, लेबर कार्ड, डेयरी फार्म, होम लोन आधारकार्ड पर (50000–30 लाख तक) (2% ब्याज), (30% छूट) संपर्क:- 8349203168. (RO-377)

## वैवाहिकी

### परिचय सम्मेलन




### वधु चाहिए

**वधु चाहिए**
गुजराती 44/ 5'-11" स्वयं का व्यवसाय इनकम 40,000 मासिक, युवक हेतु उच्च जाति बंधन नहीं सम्पर्क करें-
9827114645 9131139179 (मैरिज ब्यूरो क्षमा)

**वधु चाहिए**
विश्वकर्मा (लोहार) 17/09/82 हाइट 5'-11', एमबीबीएस, अविवाहित, डॉक्टर प्राइवेट क्लीनिक मासिक आय 1.50 लाख हेतु हायर सेकेण्डरी ग्रेजुएट शिक्षित अविवाहित वधु चाहिए। सभी हिन्दू उच्च जाति मान्य। मैरिज ब्यूरो क्षमा।
सम्पर्क करें 9131453175




### आवश्यक सूचना

[illegible]

## गुवाहाटी टेस्ट पहला दिन : अफ्रीकी टीम बड़ा स्कोर बनाने में नाकाम

# कुलदीप का जादू, दक्षिण अफ्रीका के 6 विकेट धड़ाम, भारत की दमदार वापसी

एजेंसी ▶▶ गुवाहाटी

दक्षिण अफ्रीका के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल पाए और भारत ने कुलदीप यादव की अगुवाई में आखिरी सत्र में 3 विकेट लेकर दूसरे और अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच के पहले दिन शनिवार को अच्छी वापसी की। भारत ने पहले दो सत्र में एक-एक विकेट लिया लेकिन तीसरे सत्र में वापसी करके उसने पहले दिन दोनों टीम का पलड़ा बराबरी पर रखा। खराब रोशनी के कारण जब 81.5 ओवर में दिन का खेल समाप्त किया गया तब दक्षिण अफ्रीका ने 6 विकेट पर 247 रन बनाए थे। पिच से अभी बहुत अधिक टर्न नहीं मिल रहा है लेकिन भारत ने दिन में जो छह विकेट हासिल किए उनमें से चार विकेट स्पिनर ने लिए।

### कुलदीप ने झटके 48 रन देकर 3 विकेट

दक्षिण अफ्रीका के सलामी बल्लेबाज तीन गेंद के अंदर आउट

भारत की तरफ से बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप ने 48 रन देकर तीन विकेट लिए हैं। उनके अलावा जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और रविंद्र जडेजा को एक-एक विकेट मिला है। भारत ने दक्षिण अफ्रीका के दोनों सलामी बल्लेबाजों को तीन गेंद के अंदर पवेलियन की राह दिखा दी थी। बुमराह ने सुबह के सत्र के अंतिम ओवर की पांचवीं गेंद पर एडेन मारक्रम (38) को बोल्ड किया। कुलदीप ने दूसरे सत्र के शुरू में ही दूसरे सलामी बल्लेबाज रियान रेकेलटन (35) को आउट करके दक्षिण अफ्रीका के खेमे में खलबली मचा दी थी। इन दोनों ने पहले विकेट के लिए 82 रन की साझेदारी करके अपने कप्तान के पहले बल्लेबाजी करने के फैसले को सही साबित किया था। तेम्बा बावुमा (41) और ट्रिस्टन स्टब्स (49) भी अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल पाए। इन दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 84 रन की साझेदारी की।

### गुवाहाटी में टूटा 148 साल पुराना रिवाज

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच में गुवाहाटी के मैदान पर एक नया इतिहास बना। दरअसल, क्रिकेट के सबसे लंबे प्रारुप के 148 साल के इतिहास में पहली बार एक नियमित टेस्ट मैच में लंच से पहले चाय का ब्रेक लिया गया। डे-नाइट टेस्ट में चाय डिनर से पहले ली जाती है, लेकिन अपना पहला टेस्ट आयोजित कर रहे गुवाहाटी ने एक नया उदाहरण पेश किया और लंच से पहले टी ब्रेक लिया। यह असामान्य निर्णय भारत के उत्तर-पूर्वी हिस्से में जल्दी सूर्योदय और सूर्यास्त होने के कारण लिया गया। नतीजतन, टेस्ट मैच का पहला सत्र सुबह 9 बजे से 11 बजे तक खेला गया, जिसके बाद 11 बजे से 11:20 बजे तक चाय का ब्रेक रखा गया।

### न्यूजीलैंड ने दर्ज की हैट्रिक जीत वेस्टइंडीज को 4 विकेट से हराया

**हैमिंटन।** तीसरे वनडे मैच में न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज को चार विकेट से हरा दिया। मैट हेनरी ने 4 विकेट लिए और मार्क चैपमैन ने 64 रनों की शानदार पारी खेली। इसी के साथ ने तीन मैचों की वनडे सीरीज पर 3-0 से कब्जा कर लिया। हैमिल्टन में वेस्टइंडीज की टीम एक बार फिर शुरू में ही लड़खड़ा गई और महज 161 रन पर ढेर हो गई। न्यूजीलैंड ने यह लक्ष्य आसानी से 30.2 ओवर में ही 6 विकेट खोकर हासिल कर लिया। शुरुआत में न्यूजीलैंड के भी तीन विकेट जल्दी गिर गए थे और स्कोर 32 पर 3 हो गया था, लेकिन चैपमैन ने संभलकर खेला। माइकल ब्रेसवेल ने नाबाद 40 रन बनाए और दोनों ने मिलकर टीम को जीत तक पहुंचा दिया। इस सीरीज का यह सबसे एकतरफा मैच रहा। इससे पहले टी-20 सीरीज में भी न्यूजीलैंड ने 3-1 से जीत हासिल की थी। अब दोनों टीमों के बीच तीन टेस्ट मैच होने हैं, पहला मैच 2 दिसंबर से क्राइस्टचर्च में शुरू होगा।

## एशेज : हेड की सुनामी में उड़े अंग्रेज, पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को आठ विकेट से रौंदा

एजेंसी ▶▶ पर्थ

ट्रेविस हेड (123) ने इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों पर दबदबा बनाते हुए शतक जड़ा, जिससे ऑस्ट्रेलिया ने तीन दिन रहते एशेज सीरीज के पहले टेस्ट में 8 विकेट से जीत दर्ज की। हेड ने इंग्लैंड की 'बैजबॉल' की रणनीति पर पलटवार करते हुए 69 गेंद में शतक जड़ दिया, जिससे यह एशेज क्रिकेट के शानदार सैकड़ों में शामिल हो गया। उस्मान ख्वाजा के चोटिल होने के कारण हेड को पारी का आगाज करने के लिए उतारा गया और उन्होंने मैदान में हर तरफ बाउंड्री लगाईं। जीत के लिए 205 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए हेड ने इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों की धज्जियां उड़ाते हुए 83 गेंद में 16 चौके और चार छक्के की मदद से 123 रन बनाए।

- ट्रेविस ने 83 गेंद में 16 चौके और 4 छक्के की मदद से बनाए 123 रन

हेड टीम को जल्दी से जीत तक पहुंचाने की कोशिश में आउट हुए जब स्कोर दो विकेट पर 192 रन था और टीम को जीत के लिए महज 13 रन की दरकार थी। मार्नस लाबुशेन ने छक्का जड़कर स्कोर बराबर किया और जब टीम दो विकेट पर 205 रन पर पहुंची तो वह 51 रन बनाकर नाबाद रहे।

# सेन ने चीनी ताइपे के खिलाड़ी को दी मात, फाइनल में एंट्री

एजेंसी ▶▶ सिडनी

भारत के स्टार शटलर लक्ष्य सेन ने चीनी ताइपे के विश्व के छठे नंबर के खिलाड़ी चोउ टिएन चेन को तीन गेम तक चले कड़े मुकाबले में हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल के फाइनल में प्रवेश किया।

विश्व चैंपियनशिप 2021 के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य ने शुरुआती गेम में मिली हार से उबरने के लिए जबरदस्त मानसिक दृढ़ता दिखाई और 86 मिनट तक चले सेमीफाइनल में दूसरे वरीय खिलाड़ी को 17-21, 24-22, 21-16 से हराया। वर्तमान सत्र में अभी तक कोई भी खिताब नहीं जीत पाने वाले 24 वर्षीय सेन का फाइनल में मुकाबला जापान के युशी तनाका या चीनी ताइपे के पांचवें वरीय लिन चुन-यी से होगा।

### ऑस्ट्रेलियाई ओपन का फाइनल मुकाबला आज

#### दोनों खिलाड़ियों ने 44 शॉट की खेली रैली

लक्ष्य शुरुआत में थोड़े ढीले दिखे, जबकि चेन अपने शॉट चयन में कहीं ज़्यादा सटीक थे। इससे ताइवान के खिलाड़ी ने पहले गेम के इंटरवल तक 11-6 की बढ़त हासिल कर ली, जो कुछ देर बाद 14-7 हो गई। लक्ष्य ने इसके बाद वापसी की। इन दोनों खिलाड़ियों ने 19-15 के स्कोर पर 44 शॉट की रैली खेली, जिसमें चेन ने जीत हासिल करके पांच गेम प्वाइंट हासिल किए। लक्ष्य ने दो गेम प्वाइंट बचाए, लेकिन फिर एक शॉट नेट में डालकर पहला गेम गंवा दिया।

#### दूसरे गेम रहा कड़ा

दूसरे गेम के शुरू में दोनों खिलाड़ियों ने एक दूसरे को कड़ी टक्कर दी लेकिन चेन के सटीक हमले फिर से कारगर साबित हुए और उन्होंने 7-4 की बढ़त बना ली। एक समय स्कोर 17-17 बराबरी पर था लेकिन चेन ने लक्ष्य के नेट पर शॉट मारने पर बढ़त बना ली। ताइवान के खिलाड़ी ने इसके बाद तीन मैच प्वाइंट हासिल किए लेकिन लक्ष्य ने उनका अच्छी तरह से बचाव किया और फिर दूसरा गेम जीत कर मुकाबले को बराबरी पर ला दिया।

#### तीसरे गेम में बनाई बढ़त

लक्ष्य ने तीसरे और निर्णायक गेम में 6-1 की बढ़त बना ली। चेन ने जिस तरह का खेल पहले गेम में दिखाया था उसको वह बरकरार नहीं रख पाए। लक्ष्य ने इसका पूरा फायदा उठाकर इंटरवल तक 11-6 बढ़त हासिल कर ली। भारतीय खिलाड़ी ने इसके बाद पीछे मुड़कर नहीं देखा।

यूको बैंक UCO BANK
यूको बैंक, मरोदा शाखा, बीआरपी चौक, मरोदा भिलाई,
पोस्ट ऑ. - नेवई, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491107
फोन नं. 0788-2265474, 4233115, ईमेल: maroda@ucobank.co.in

परिशिष्ट IV देखें, [नियम 8 (1)] के तहत

कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति के लिए)

अधोहस्ताक्षरकर्ता ने **यूको बैंक** का प्राधिकृत अधिकारी होते हुए वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13(2) और प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम 2002 के तहत प्रदत्त शक्तियों के अनुप्रयोग में मांग सूचना जारी की थी तथा ऋणी को मांग सूचना में उल्लिखित धनराशि जिसका विवरण नीचे दिया गया है का भुगतान सूचना प्राप्ति के 60 दिनों भीतर करने को कहा गया था। ऋणी के यह राशि लौटाने में विफल होने पर ऋणी/बंधककर्ता और सर्वसाधारण को एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरकर्ता ने उक्त अधिनियम की धारा 13(4) सपठित उक्त नियम 8,9 के तहत उसको प्रदत्त शक्तियों के अनुप्रयोग में एतस्मिन नीचे वर्णित सम्पत्तियों का आधिपत्य (कब्जा) नीचे वर्णित दिनांक को ग्रहण कर लिया है तथा जिसका विवरण अधोवर्णित है।

**उधारकर्ता/गारंटर/बंधककर्ता (यों) का ध्यान सुरक्षित परिसंपत्तियों को छुड़ाने के लिये उपलब्ध समय के संबंध में अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (4) के प्रावधानों के लिये आमंत्रित किया गया है।**

ऋणी/बंधककर्ता को विशिष्ट रुप से और सर्वसाधरण को सामान्य रुप से एतद् द्वारा सम्पत्ति के साथ व्यवहार (क्रय-विक्रय) नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और उक्त सम्पत्ति का **किसी भी प्रकार से क्रय-विक्रय यूको बैंक के मूल ब्याज व अन्य व्यय के भार के अधीन होगा** जिसका विवरण निम्न प्रकार है।

| क्र. सं. | शाखा | ऋणी का नाम | संपत्ति का विवरण | मांग सूचना की तिथि / कब्जा सूचना की तिथि / कब्जा के प्रकार | बकाया राशि |
|---|---|---|---|---|---|
| 01 | मरोदा शाखा भिलाई | ऋणी - श्री राजेन्द्र प्रसाद एवं श्रीमती रीता सोनी | श्री राजेंद्र प्रसाद पुत्र स्व. शंकर प्रसाद के नाम पर, केएच क्रमांक-1573/8, पीएच क्रमांक 19/50, प्लॉट क्रमांक-02, मौजा-कुरुद, जिला-दुर्ग, (छ.ग.) पर स्थित 1600 वर्ग फुट क्षेत्रफल का एक आवासीय भवन। सीमाएँ:- उत्तर- श्री राजरानी गुप्ता की संपत्ति, पूर्व- प्लॉट क्रमांक 03, दक्षिण-रोड, पश्चिम- प्लॉट क्रमांक 01 | 29/07/2025 / 17/11/2025 / सांकेतिक कब्जा | ₹ 13,89,353.81 + ब्याज देय और अन्य खर्च। |

दिनांक : 23.11.2025 स्थान : भिलाई (छ.ग.) प्राधिकृत अधिकारी / यूको बैंक

### संधू का शानदार प्रदर्शन, राइफल थ्री पोजीशन में जीता गोल्ड

**नई दिल्ली।** भारत की माहित संधू ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए टोकियो में चल रहे बधिर ओलंपिक खेलों की निशानेबाजी प्रतियोगिता में महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन में स्वर्ण पदक जीता, जो उनका चौथा पदक है। माहित ने 45 शॉट के बाद कुल 456.0 अंक हासिल कर बधिर ओलंपिक खेलों का अपना दूसरा स्वर्ण पदक जीता। दक्षिण कोरिया की डैन जियोंग ने 453.5 अंक के साथ रजत और हंगरी की मीरा जुजाना बियातोव्स्की ने 438.6 अंक के साथ कांस्य पदक जीता। माहित ने फाइनल तक पहुंचने के दौरान बधिर खेलों का नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने क्वालीफाइंग दौर में 585 अंक बनाए और शीर्ष पर रहते हुए फाइनल में प्रवेश किया।

ITSA HOSPITALS

हृदय के ब्लॉकेज - अब दिखें साफ़ और हों इलाज और भी बेहतर।

- एंजियोग्राफी सिर्फ़ रक्त नली की आकृति दिखाती है-अंदर की दीवारों को नहीं।
- कई ख़तरनाक प्लाक और कैल्शियम जमा भीतर छुपे रह जाते हैं।
- इसी वजह से ब्लॉकेज छूट सकता है, स्टेंट का आकार गलत चुन सकता है, या अनावश्यक प्रक्रियाएँ हो सकती हैं।
- ITSA Hospitals में हम IVUS और FFR तकनीक से दिल की सबसे सटीक जाँच करते हैं।

डॉ. अक्षत जैन
कंसल्टेंट
इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट
11+ वर्षों का क्लिनिकल अनुभव

ऐसी विश्व-स्तरीय तकनीकें जो छिपे हुए ब्लॉकेज को पहचानने में मदद करें और दिल का उपचार और भी सुरक्षित व सटीक बनाएं।

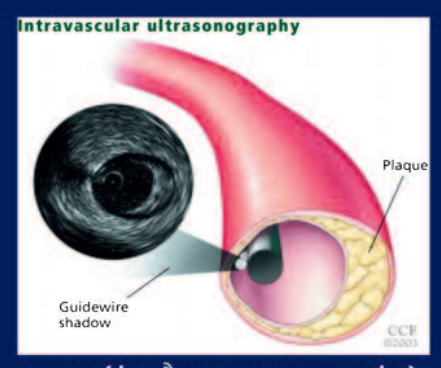


IVUS (इंट्रावैस्कुलर अल्ट्रासाउंड)
IVUS में आपकी धमनी के अंदर एक बिल्कुल छोटा कैमरा डाला जाता है।

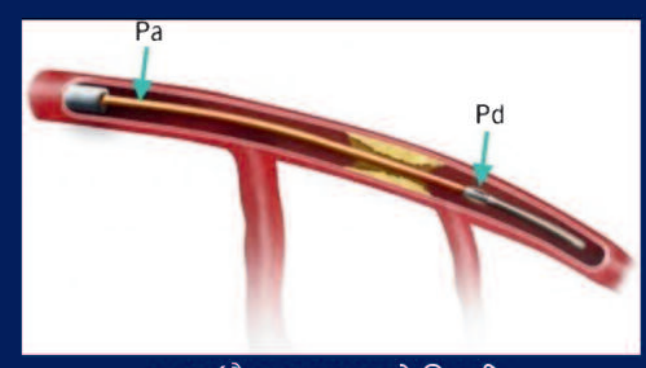


FFR (फ्रैक्शनल फ्लो रिजर्व)
FFR में एक प्रेशर-सेंसिंग वायर का उपयोग किया जाता है, जो यह जाँचता है कि ब्लॉकेज आपके वास्तविक रक्त प्रवाह को कितना प्रभावित कर रहा है।

- छिपी हुई प्लाक जमावट
- कैल्शियम के जमा
- ब्लॉकेज का सटीक आकार
- धमनी का वास्तविक व्यास
- स्टेंट की ज़रूरत है या नहीं
- स्टेंट को बिल्कुल सही फिट और पूरी तरह फैलने में मदद करता है।

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| एंजियोग्राफी में न दिखने वाली बीमारी का पता लगाता है | री-ब्लॉकेज होने की संभावना कम करते हैं | अधिकतम सुरक्षा सुनिश्चित करता है | लंबे समय तक बेहतर परिणाम देता है | US-FDA अनुमोदित सिस्टम का उपयोग करता है | एडवांस्ड इमेजिंग में प्रशिक्षित विशेषज्ञ कार्डियोलॉजिस्ट |

अगर आपको एंजियोप्लास्टी की सलाह दी गई है या आपको सीने में दर्द हो रहा है, तो ज़्यादा सुरक्षित और सटीक हृदय उपचार के लिए अपने डॉक्टर से IVUS + FFR के बारे में ज़रूर पूछें।

आपके दिल को सबसे साफ़ तस्वीर मिलनी चाहिए।

अम्बुजा सिटी सेन्टर मॉल के पास, सड्डू, रायपुर, छत्तीसगढ़
+91 7880110000, +91 7880120000
www.itsahospitals.com

# दुनियाभर में मनाए जाते हैं खान-पान से जुड़े ये विचित्र त्योहार, जानकर हो जाएंगे हैरान

खाना एक ऐसी चीज है, जो पूरी दुनिया को एक साथ जोड़ने की ताकत रखता है। हालांकि, हर देश और हर राज्य का खान-पान और उससे जुड़ी परंपराएं अलग होती हैं। जब भी बात खान-पान से जुड़े त्योहारों की आती है तो मन में तरह-तरह के व्यंजनों को चखने या बनाने का ख्याल आता है। हालांकि, दुनियाभर में खाने से जुड़े कुछ बेहद विचित्र त्योहार भी मनाए जाते हैं। इनके बारे में जानकर आप अपनी हंसी नहीं रोक पाएंगे।

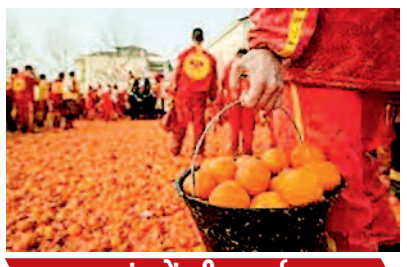

## संतरों की लड़ाई

कल्पना कीजिए कि आप लड़ाई के मैदान में उतर रहे हैं, लेकिन आपका हथियार केवल एक संतरा है। ऐसा इटली में होता है, जहां बैटल ऑफ ऑरेंज यानि संतरों की लड़ाई नामक त्योहार मनाया जाता है। यह पर्व बुरे शासक के खिलाफ विद्रोह का प्रतीक है, जिसकी शुरुआत 1808 में की गई थी। इसका जश्न 3 दिन तक चलता है, जिसके दौरान हजारों लोग एक दूसरे पर संतरे फेंकते हैं। अगले दिन सड़कें संतरों के पल्प से ढकी होती हैं।

## चीज रोल करने का पर्व

आम तौर पर चीज के जरिए खाने का स्वाद बढ़ाया जाता है। हालांकि, इंग्लैंड के एक शहर में इसको बेहद विचित्र तरीके से इस्तेमाल किया जाता है। दरअसल, ग्लूस्टरशायर में हर साल चीज को रोल करने का उत्सव मनता है, जिसके दौरान लोग पहाड़ी से चीज को गिराते हैं। जो व्यक्ति सबसे पहले अपनी चीज के साथ फिनिश लाइन पर पहुंचा जाता है, उसे विजेता घोषित कर दिया जाता है। इस दौरान लोग चोटिल भी हो जाते हैं।

## चिनचिला मेलन त्योहार

ऑस्ट्रेलिया के शहर चिनचिला के लोग तरबूजों से प्रेम करते हैं और अपने प्यार को दर्शाने के लिए विशेष त्योहार मनाते हैं। दरअसल, इस शहर को 'दुनिया का मेलन कैपिटल' कहा जाता है और यहां मेलन त्योहार मनता है। इस पर्व पर स्कीइंग और बंजी जंपिंग जैसे तरबूज से जुड़े कई रोमांचक और मजेदार खेल आयोजित होते हैं। लोग तरबूज जैसे वस्त्रों में तैयार होते हैं और उसके बीजों को मुंह में भरकर निशाना लगाने का खेल भी खेलते हैं।

## ओल्नी पैनकेक रेस

आपने पैनकेक तो कई बार खाए होंगे, जो चपटे केक होते हैं। हालांकि, क्या अपने कभी इन्हें पकड़कर दौड़ लगाई है? दरअसल, इंग्लैंड के ओल्नी शहर में 1445 से एक परंपरा निभाई जा रही है, जिसे पैनकेक रेस यानि पैनकेक दौड़ कहा जाता है। इस दिन महिलायें एप्रन पहनती हैं और हाथों में फ्राइंग पैन लेकर दौड़ लगाती हैं, जिसमें पैनकेक रखे होते हैं। जो महिला यह दौड़ जीत जाती है, उसे पुरुस्कार के तौर पर एक चुंबक मिलता है।

## ला टोमाटीना

जिस तरह भारत की होली दुनियाभर में मशहूर है, उसी तरह स्पेन का ला टोमाटीना भी विश्व प्रसिद्ध है। यह दुनिया का सबसे बड़ा खाने से जुड़ा त्योहार है, जिसका मुख्य आकर्षण टमाटर होता है। इसके दौरान सभी लोग सड़कों पर उतर जाते हैं और एक दूसरे पर लाल व रसीले टमाटरों से हमला करते हैं। 1940 में कुछ दोस्तों ने मस्ती करने के लिए यह त्योहार मनाया था, जिसके बाद इसे एक परंपरा के रूप में देखा जाने लगा।

# फ्रांस के पूर्व सम्राट नेपोलियन बोनापार्ट का खोया हुआ ब्रोच 38 करोड़ में हुआ नीलाम

**जिनेवा।** नेपोलियन बोनापार्ट फ्रांस के पूर्व सम्राट थे, जो फ्रांसीसी क्रांति के दौरान सुर्खियों में आए थे। उन्होंने 1796-1815 तक हुए क्रांतिकारी युद्धों और नेपोलियन युद्धों के दौरान पूरे यूरोप में सफल अभियानों की एक श्रृंखला का नेतृत्व किया था। वह फ्रांस के इतिहास का अहम हिस्सा रहे हैं, जिसके चलते उनसे जुड़ी वस्तुएं दुनियाभर के संग्राहकों को आकर्षित करती हैं। अब उनका एक हीरों वाला ब्रोच नीलाम हुआ है, जिसकी कीमत आपके होश उड़ा देगी।

### जिनेवा में हुई इस ब्रोच की नीलामी

हर साल सोथबी नीलामीघर जिनेवा में ऐतिहासिक जेवरों की नीलामी का आयोजन करवाता है। इस साल यह नीलामी 12 नवंबर को हुई, जिसे 'रॉयल एंड नोबल ज्वेल्स' नाम दिया गया था। इसके दौरान बेचे गए सभी जेवर यूरोप के इतिहास का अहम हिस्सा रहे हैं, जो सदियों से निजी संग्राहकों के पास थे। हालांकि, इस नीलामी का मुख्य आकर्षण नेपोलियन का ब्रोच ही था, जिसकी कीमत 38 करोड़ रुपये से ज्यादा लगी है।

### 100 से ज्यादा हीरों से सजा है यह ब्रोच

यह बेशकीमती ब्रोच एक समय पर नेपोलियन की टोपी की शोभा बढ़ाया करता था, जिसे वह खास मौकों पर पहनते थे। यह गोल ब्रोच लगभग 45 मिलीमीटर का है और इसके बीचों-बीच 13.04 कैरेट का एक बड़ा अंडाकार हीरा लगा हुआ है। बड़े हीरे के चरों तरफ गोल आकार में विभिन्न आकार के लगभग 100 हीरे जड़े हुए हैं, जो इसकी खूबसूरती को और बढ़ाते हैं। जानकारों के मुताबिक, यह वाटरलू की लड़ाई से भागते समय खो गया था।

### नेपोलियन का एक रत्न भी हुआ नीलाम

इस नीलामी के दौरान नेपोलियन का एक और कीमती जेवर बेचा गया था। यह 132.66 कैरेट का एक हरा बेरिल रत्न है, जिसे उन्होंने 1804 में अपने राज्याभिषेक के दौरान पहना था। सोथबी का अनुमान था कि यह 31 लाख से 52 लाख रुपये तक नीलाम होगा। हालांकि, चंद मिनटों में ही इसकी कीमत 9 करोड़ रुपये तक पहुंच गई थी।

### 10 मिनट में ही बिक गया था ब्रोच

जब यह नीलामी के लिए सामने लाया गया था तब इसकी अनुमानित कीमत 1.33 से 2.21 करोड़ के बीच तय की गई थी। हालांकि, यह न्यूनतम अनुमान से 30 गुना ज्यादा की कीमत पर बिका है। इसे हासिल करने के लिए 4 लोगों ने बोली लगाई थी, जो महज 10 मिनट तक चली थी। हालांकि, अंत में एक प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय संग्रहकर्ता ने बाजी मार ली, जिनकी पहचान गुप्त रखी गई है।

# मूछों से बने सूट से लेकर सबसे लंबी दाढ़ी तक, बालों से जुड़े हैं कई विचित्र रिकॉर्ड

जहां ज्यादातर लोग बालों को लंबा और घना बनाने के लिए परेशान रहते हैं, वहीं कुछ लोग अपने बालों के जरिए विश्व रिकॉर्ड बना डालते हैं। जी हां, दुनिया में कई ऐसे लोग हैं, जिनके बालों ने ही उन्हें प्रसिद्धि दिलाई है। इसी कड़ी में आज हम आपको बालों से जुड़े सबसे विचित्र विश्व रिकॉर्ड के बारे में बताएंगे। इनके बारे में जानकर आपको न केवल हैरानी होगी, बल्कि आप अपने बालों की देखभाल पर भी ध्यान देने लगेंगे।

### मूंछों से बने सूट का रिकॉर्ड

आपने 'नो शेव नवंबर' के बारे में तो जरूर सुना होगा। इसके पुरुषों पर होने वाले असर को ध्यान में रखते हुए एक ऐसा सूट तैयार किया गया था, जो पूरी तरह मूंछों के बालों से ढका हुआ था। इसे नवंबर 2021 में ऑस्ट्रेलिया के विजुअल आर्टिस्ट पामेला क्लेमन-पासी, बुलफ्रॉग क्रिएटिव एजेंसी और पोलिटिक्स कंपनी ने बनाया था। इस पर लगी मूंछें मानसिक या शारीरिक स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे पुरुषों द्वारा गुमनाम रूप से दान की गई थीं।

### चेहरे पर सबसे ज्यादा बालों वाला रिकॉर्ड

पुरुषों के आधे चेहरे पर तो दाढ़ी आना आम बात है। हालांकि, क्या आपने कभी किसी का पूरा चेहरा दाढ़ी से ढका देखा है? ऐसा ही कुछ 18 साल के ललित पाटीदार के साथ हुआ, जिनके चेहरे का 95 प्रतिशत हिस्सा बालों से ढका है। उन्हें हाइपरट्रिचोसिस नाम की एक दुर्लभ बीमारी है, जिसे वेयरवोल्फ सिंड्रोम भी कहते हैं। इस रोग के कारण वह 'किसी पुरुष के चेहरे पर सबसे ज्यादा बालों' वाला रिकॉर्ड कायम करने में सक्षम हुए हैं।

### सबसे लंबी दाढ़ी वाला रिकॉर्ड

भारत के पुरुष अपनी दाढ़ी को लंबा रखना पसंद करते हैं। हालांकि, कनाडा के सरवन सिंह का यह शौक जुनून में बदल गया और उन्होंने 'सबसे लंबी दाढ़ी' का रिकॉर्ड कायम कर दिखाया। उनकी दाढ़ी 2.54 मीटर यानि 8 फीट 3 इंच लंबी है। उन्होंने 2008 से यह रिकॉर्ड अपने नाम किया हुआ है और हर साल अपनी दाढ़ी को और बढ़ाकर उसे तोड़ते हैं। आखरी बार उनकी दाढ़ी को 15 अक्टूबर, 2022 नापा गया था।

### दाढ़ी वाली महिला का रिकॉर्ड

दाढ़ी वाले पुरुष तो हर जगह दिखाई देते हैं, लेकिन दाढ़ी वाली एक महिला ने पूरी दुनिया को हैरान कर दिया। हम बात कर रहे हैं हरनाम कौर की, जो पूरी दाढ़ी रखने का गिनीज विश्व रिकॉर्ड बनाने वाली सबसे कम उम्र की महिला हैं। जब उन्होंने यह रिकार्ड बनाया तब उनकी उम्र 24 वर्ष और 282 दिन थी। वह अपने दाढ़ी वाले लुक के जरिए दुनिया को बॉडी पाजिटिविटी का संदेश देना चाहती हैं।

### सबसे ज्यादा बालों वाले परिवार का रिकॉर्ड

मेक्सिको के एक परिवार ने अपने बालों के जरिए गिनीज बुक में अपना नाम दर्ज करवाया है। यह गोमेज परिवार है, जिसके हर सदस्य का पूरा शरीर बालों से ढका हुआ है। इस परिवार की 5 पीढ़ियों के 19 सदस्य एक दुर्लभ बीमारी से पीड़ति हैं, जिसे जन्मजात सामान्यीकृत हाइपरट्रिचोसिस कहते हैं। इस स्थिति के कारण चेहरे और धड़ पर अत्यधिक बाल उगने लगते हैं। इस परिवार की महिलाओं के शरीर पर भी बाल ही बाल नजर आते हैं।

# फ्रिडा काहलो की दुर्लभ पेंटिंग ने तोड़े नीलामी के रिकॉर्ड, 487 करोड़ रुपये में बिकी

**न्यूयार्क।** फ्रिडा काहलो कला जगत का वह नाम है, जिसने लाखों महिलाओं को यह सिद्ध कर दिखाया कि सपने वाकई सच होते हैं। वह दुनिया की सबसे प्रतिभाशाली महिला पेंटर थीं, जिनकी कला आज भी लोगों को प्रेरित करती है। वह मेक्सिको की रहने वाली थीं और अपने सेल्फ पोर्ट्रेट्स के जरिए लोगों का दिल जीत लेती थीं। अब उनकी एक पेंटिंग 487 करोड़ रुपये में नीलाम हुई है और इसने एक नया रिकॉर्ड कायम कर दिखाया है।

**कब और कहां हुई पेंटिंग की नीलामी :** इस दुर्लभ पेंटिंग की नीलामी का आयोजन सोथबी ने न्यूयॉर्क में करवाया था। 20 नवंबर, 2025 को इसे 487 करोड़ रुपये की भारी कीमत पर बेचा गया। अब इसने किसी भी महिला कलाकार द्वारा बनाई गई सबसे महंगी पेंटिंग का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। इससे पहले यह रिकॉर्ड जॉर्जिया ओ'कीफ की 'जिमसन वीड/व्हाइट फ्लावर नंबर 1' पेंटिंग के नाम दर्ज था, जो 2014 में 393 करोड़ रुपये में नीलाम हुई थी।

**काहलो के जीवन की वास्तविकता हैं यह पेंटिंग :** इस पेंटिंग का शीर्षक 'एल सुएनो (ला कामा)' यानि 'सपना (बिस्तर)' है। यह काहलो की सेल्फ पोर्ट्रेट है, जिसमें वह आसमान में उड़ते हुए बिस्तर पर सो रही हैं। उनके बिस्तर के ऊपर एक कंकाल लेटा हुआ है, जिसपर कई डाइनेमाइट लिपटे हुए हैं। नीलाम होने से पहले यह पेंटिंग एक निजी संग्रह की शोभा बढ़ा रही थी।

### इस पेंटिंग ने तोड़ा एक और रिकॉर्ड

नीलामीघर के मुताबिक, इस पेंटिंग को हासिल करने के लिए करीब 4 मिनट तक बोली लगाई गई थी। हालांकि, इसके नए मालिक की पहचान को फिलहाल गुप्त रखा गया है। इस बिक्री ने काहलो के खुद के पिछले नीलामी रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया। इससे पहले किसी लैटिन अमेरिकी कलाकार द्वारा बिकने वाली सबसे महंगी पेंटिंग काहलो और उनके पति को दर्शाने वाली 'डिएगो और मैं' थी। इसकी कीमत 309 करोड़ रुपये लगी थी।

# दुनिया के सबसे बुजुर्ग पिग्मी दरियाई घोड़े का धूमधाम से मना 52वां जन्मदिन

**न्यूयार्क।** आम तौर पर दरियाई घोड़े 40 से 50 साल तक ही जीवित रहते हैं। हालांकि, अमेरिका में एक बेहद प्यारा दरियाई घोड़ा रहता है, जिसने हाल ही में अपना 52वां जन्मदिन मनाया है। उसका नाम हन्ना शर्ली है, जो दुनिया का सबसे बुजुर्ग जीवित पिग्मी दरियाई घोड़ा है। 20 नवंबर, 2025 को सैन डिएगो ह्यूमेन सोसाइटी के रमोना वन्यजीव केंद्र में धूम-धाम से उसके जन्मदिन की पार्टी मनाई गई।

### 1973 में हुआ था हन्ना का जन्म

हन्ना एक मादा पिग्मी दरियाई घोड़ा है, जो एक छोटी और लुप्तप्राय प्रजाति है। इस प्रजाति के दरियाई घोड़े महज 25 से 30 साल ही जीते हैं, लेकिन हन्ना बिलकुल अलग है। उसका जन्म 22 नवंबर, 1973 में हुआ था और उसने इस साल की शुरुआत में लंबी उम्र का पिछला रिकॉर्ड तोड़ दिया। हन्ना के जन्मदिन की पार्टी का थीम 'हंगरी हंगरी हिप्पो' यानि 'भूखा भूखा दरियाई घोड़ा' था। इसके दौरान वह रंग-बिरंगी गेंदों से खेलती नजर आई थी।

### कब और कहां मिली थी हन्ना?

2002 में हन्ना को कैलिफोर्निया के एस्कोन्डिडो के एक घर के बगीचे से रेस्क्यू किया गया था। उसे एंडी ब्लू नाम के व्यक्ति ने बचाया था। उनके मुताबिक, उस वक्त भी हन्ना बहुत शांत और मिलनसार थी। तब से वह 13,000 वर्ग फुट के एक आवास में रह रही है, जिसमें एक तालाब और स्विमिंग पूल भी है। यहां हन्ना इतना आलीशान जीवन जी रही है, जिसकी हर कोई कल्पना करता होगा।

(NABH से मान्यता प्राप्त) सुयश हॉस्पिटल
ट्रॉमा केयर यूनिट
• पॉली ट्रॉमा
• मिनिमली इन्वेसिव ट्रॉमा सर्जरी
• कूल्हे एवं कमर के फ्रेक्चर
• पुराने ना जुड़े/टेढ़े-मेढ़े जुड़े फ्रेक्चर
• हड्डियों से मवाद रिसना
• ICU एवं क्रिटिकल केयर टीम की सेवा सहित
24 Hours Helpline
9926386660
कोटा-गुढ़ियारी रोड़, होटल पिकाडली के पीछे, रायपुर
Ajay 9827144371

टैटू (गोदना)
मिटाये नई तकनीक लेजर व्दारा
कालड़ा प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी एवं बर्न सेंटर
आर.के.सी. के सामने, चौबे कालोनी एवं पचपेढ़ी नाका, धमतरी रोड, कलर्स माल के पास, रायपुर (छ.ग.)
9827143060/8871003060
छ.ग. शासन से मान्यता प्राप्त
Ajay Advt.

मित्तल हॉस्पिटल
रायपुर - भिलाई
कैंसर संबंधित सम्पूर्ण उपचार
आधुनिक मशीनों के द्वारा रेडिएशन थेरेपी (कैंसर सिंकाई) की सुविधा उपलब्ध
रायपुर में VARIAN HALCYON
भिलाई में VARIAN UNIQUE
Deepak Ad./101
आयुष्मान एवं BSKY-BIJU कार्ड से नि:शुल्क रेडियेशन, कीमोथेरेपी एवं रहने की व्यवस्था
• रेडियो थैरेपी • कीमोथेरेपी • कैंसर सर्जरी • मेडिकल एवं हिमेटो ऑन्कोलॉजी
रायपुर: अवंति बाई चौक, पंडरी, 9343079151, 91313 99570
भिलाई: टी.आई. मॉल के पास, 7722880844, 0788-2294440

कठिन समस्याएं अब न होंगी
सच्ची सहेली है बेहतर स्वास्थ्य के लिए सबसे भरोसेमंद औषधि एवं टॉनिक
INDIA'S MOST TRUSTED BRAND
Clinically Tested*
*For efficacy and safety.
पूर्ण स्वदेशी, पूर्ण आयुर्वेदिक
67 दुर्लभ जड़ी-बूटियों से बना 'सच्ची सहेली' आयुर्वेदिक टॉनिक निम्न समस्याओं में विशेष सहायक है।
Helps in:
• कठिन दर्द • चिड़चिड़ापन
• थकान • कमजोरी
• कमर कटना • इम्यूनिटी
सच्ची सहेली®
24x7 Helpline: 77106 44444 | www.sachisaheli.in | Available at all medical & general stores

संजीवनी कैंसर केयर हॉस्पिटल
कैंसर के ख़िलाफ़, सदैव आपके साथ
कैंसर से छुटकारा मुश्किल है, लेकिन नामुमकिन नहीं। फर्क लाता है सही समय, सही जगह, सही इलाज।
आयुष्मान कार्ड की सुविधा उपलब्ध
दावड़ा कॉलोनी, पचपेड़ी नाका, रायपुर, 7389905010, 07714081010

BALCO Medical Centre
बालको मेडिकल सेंटर
मध्यभारत का अत्याधुनिक व विश्वसनीय कैंसर हॉस्पिटल
NABH व NABL से मान्यता प्राप्त
• सभी प्रकार की कैंसर सर्जरी
• पैट, स्पैक्ट स्कैन, HDT, LDT थेरेपी
• अत्याधुनिक टू-बीम लिनक एवं हैल्सीऑन मशीन द्वारा रेडिएशन थेरेपी व ब्रैकिथेरेपी की सुविधा
• कीमोथेरेपी, टारगेटेड थेरेपी, इम्युनोथेरेपी
• रक्त-सम्बन्धी सभी बीमारियाँ एवं बोन मेरो ट्रांसप्लांट
• आधुनिक रेडियोलॉजी, लेबोरेटरी एवं ब्लड सेंटर
आयुष्मान भारत योजना से नि:शुल्क ईलाज एवं सभी PSUs व बीमा कम्पनियों से अनुबंधित
सिटी सेंटर - बीएमसी कैंसर डेकेयर- कलर्स मॉल के बाजू, धमतरी रोड, रायपुर (छ.ग.) 9201966330
मेन हॉस्पिटल - सेक्टर 36, नया रायपुर, छ.ग. 8282823333/4444

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com